जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 | वर्षः 50 | संख्याः 47 | प्रभात | कोटा, शनिवार 30 नवम्बर, 2024 | कोटा/24/2012-14 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

सी.डब्ल्यु.सी की बैठक में कांग्रेस ने चुनाव की पूरी प्रक्रिया पर प्रश्न चिन्ह लगाये

पर, पार्टी ने कुछ हिचकिचाहट दिखाई, मतपत्र के माध्यम से वोटिंग कराने की प्रक्रिया पर लौटने के बारे में

-रेणु मित्तल -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। हरियाणा और महाराष्ट्र में जबरदस्त हार के बाद, कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यू.सी.) ने पूरी चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़े किये है लेकिन सी.डब्ल्यू.सी. मीटिंग के बाद आये प्रस्ताव में, पार्टी ने मतपत्र से चुनाव कराने की व्यवस्था पर लौटने के मसले पर कुछ हिचकिचाहट दिखाई। लौटने के लिये कहने से बचती नजर आई।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सी.डब्ल्यू.सी. का 2018 का वह प्रस्ताव पढ़ कर सुनाया, जिसमें पार्टी ने कहा था कि वह मतपत्र-व्यवस्था पर लौटना तथा ई.वी.एम. व्यवस्था को छोड़ देना चाहती है।

इस बिन्दु पर कई नेता बोले, लेकिन सर्वाधिक स्पष्ट शब्दों में केवल प्रियंका गांधी ने ही कहा कि पार्टी इस बिन्दु पर बिल्कुल स्पष्ट होनी चाहिये कि वह ई.वी.एम. व्यवस्था चाहती है या मतपत्र व्यवस्था चाहती है तथा इस मामले में स्थिति गोलमोल या अस्पष्ट नहीं होनी

- प्रियंका गांधी ने जरूर स्पष्ट शब्दों में कहा, कि पार्टी को साफ कहना चाहिए वह ई.वी.एम. के पक्ष में है या बैलट पेपर से चुनाव कराने के पुराने सिस्टम के। इसमें असमंजस की स्थिति नहीं होनी चाहिये। जहां तक उनकी व्यक्तिगत राय है, वे मतपत्र (बैलट पेपर) से मतदान के पक्ष में हैं।
- राहुल गांधी ने कहा कि पार्टी को सदा अल्पसंख्यकों (मुसलमानों) के समर्थन में बोलना चाहिये, जब भी उन पर हमला होता है, जैसा हाल ही में यू.पी. में हुआ है। राहुल का कथन, पार्टी के उस वर्ग के लिए जवाब था, जो राहुल को सम्भल न जाने की सलाह दे रहे थे, क्योंकि उनकी यात्रा से तो इस छवि को मजबूती मिलती है, कि कांग्रेस मुस्लिम परस्त पार्टी है।
- खड़गे ने कहा, कि पार्टी को पुनः पटरी पर लाना है, पर इस राह में कई रूकावटें हैं, वरिष्ठ नेताओं के रूप में। खड़गे ने इस सन्दर्भ में यह भी कहा कि सख्त निर्णय लिये जायेंगे आने वाले कुछ दिनों में।
- कुछ कमेटियां भी बनाई गई हैं, जो आन्तरिक तौर पर राय देंगी, कैसे पार्टी को चुस्त व चुनाव लड़ने के लिए प्रभावी तौर पर तैयार किया जा सके।

चाहिये। उन्होंने कहा कि जहाँ तक उनका प्रश्न है, वे मतपत्र व्यवस्था के पक्ष में हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि जब भी अल्पसंख्यकों पर हमले होते हैं, उस समय पार्टी को उनके पक्ष में बोलने में हिचकना नहीं चाहिये। उन्होंने यह बात उत्तर प्रदेश की हाल ही की घटनाओं के संदर्भ में कही, जहाँ अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं। पार्टी का एक वर्ग राहुल के सम्भल दौरे के पक्ष में नहीं था क्योंकि उनके दौरे से इस सोच को और बल मिलेगा कि कांग्रेस मुस्लिम समर्थक पार्टी है।

खड़गे पार्टी की अन्दरूनी लड़ाई के बारे में बोले, जो पार्टी को हरा रही है। उन्होंने कहा पार्टी को फिर से पटरी पर लाने की तथा रिक्त पदो पर नेताओं को नियुक्त करने की जरूरत है।

दिलचस्प बात यह है कि नेतृत्व समस्याएं तो चिन्हित करना चाहता है लेकिन वरिष्ठ नेताओं के रूप में मौजूद कई बाधाओं के कारण, ऐसा कर नहीं पाता। कुछ समितियाँ बनाई जा रही हैं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दुष्कर्म के प्रयास की सजा पर अपील खारिज

जयपुर, 29 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने फरवरी, 1985 में पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास करने से जुड़े मामले में वर्ष 1992 में दायर अपील को खारिज कर, याचिकाकर्ता अभियुक्त को शेष सजा भुगतने के लिए सरेंडर करने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ढ ंड की एकलपीठ ने यह आदेश शिव प्रकाश की याचिका पर दिए। घटना के समय अभियुक्त 20 साल का था। वहीं, अब 59 साल की उम्र में फैसला आया है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि प्रयास करने के लिए सबसे पहले संबंधित अपराध करने का इरादा होना

- वर्ष 1985 के अपराध पर हाईकोर्ट का निर्णय अब आया। बीस साल की उम्र में किए अपराध की सजा 59 साल की उम्र में भुगतनी होगी।

चाहिए। उसके बाद ऐसा कार्य किया जाए, जो अनिवार्य रूप से अपराध करने के लिए किया गया हो। वहीं, ऐसा कार्य अपराध के परिणाम के निकट होना चाहिए। मामले में अभियुक्त ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने के लिए वह सबकुछ किया, जो जरुरी था। ऐसे में यह दुष्कर्म के प्रयास का स्पष्ट मामला है।

याचिका में अधिवक्ता प्रणव पारीक ने बताया कि पीड़िता के पिता ने 7 फरवरी, 1985 को दुष्कर्म का प्रयास का मामला बारां थाने में दर्ज कराया था,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहली बार के सांसद मुरलीधर मोहोल को मुख्यमंत्री बनाने का अमित शाह का प्लान कुछ गफलत में पड़ा?

प्लान के अनुसार शुक्रवार को अमित शाह, विभागों का वितरण फाइनल करने वाले थे, पर अचानक शुक्रवार की सुबह मु.मंत्री शिंदे मुम्बई चले गये और विभाग वितरण की प्रक्रिया स्थिगित हो गई

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गृह राज्यमंत्री मुरलीधर किसान मोहोल, जो पुणे से पहली बार भाजपा सांसद चुने गए हैं, को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में चुना है। वहीं, देवेन्द्र फड़नवीस जिनकी नज़र मुख्यमंत्री की कुर्सी पर है, को जे. पी. नड्डा की जगह भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

शाह ने मुरलीधर को इसलिए चुना है, क्योंकि वो भी एकनाथ शिंदे की तरह मराठा हैं। वहीं, फड़नवीस ब्राह्मण हैं। इसलिए यह सोचा गया है कि उन्हें राष्ट्रीय जिम्मेदारी दे दी जाए, ताकि महाराष्ट्र में भाजपा के खिलाफ विद्रोह न हो।

हालांकि सरकार निर्माण में एक अड़चन आ गई है कि शिंदे अचानक शुक्रवार सुबह मुम्बई लौट गए और वहां से वे सतारा जिले के अपने गांव चले गए, जिससे वार्ता रुक गई है और मंत्रालय वितरण पर चर्चा नहीं हो पाई है। गौरतलब है कि चर्चा गृहमंत्री अमित

- प्लान में यह भी वर्णित था, कि फड़नवीस दिल्ली शिफ्ट हो जायेंगे, पार्टी अध्यक्ष जगत प्रसाद नड्डा की जगह पार्टी अध्यक्ष बनने के लिए। प्रस्तावित मु.मंत्री मुरलीधर मोहोल, मराठा हैं, अतः शिंदे की जगह एक मराठा को ही मुख्यमंत्री बनाना उचित समझा जा रहा था, इसीलिए फड़नवीस को पार्टी अध्यक्ष बनाकर दिल्ली भेजने की व्यूह रचना की गई थी।
- शिंदे के समर्थक शिंदे को दिल्ली भेजे जाने की राय के पक्ष में नहीं हैं, और वे यह भी नहीं चाहते कि शिंदे उपमुख्यमंत्री बनें, क्योंकि यह उनकी पदावनति होगी।
- मु.मंत्री शिंदे की एक चिन्ता यह भी है, कि अगर वे राजनीतिक दृष्टि से कमज़ोर होते नज़र आये, तो उनके बैनर पर जीते कई विधायक उद्धव की शिवसेना में जाने का मन न बना लें।

शाह के सामने हो रही है।

शुक्रवार को होने वाली मीटिंग में सत्ता की भागीदारी पर अंतिम निर्णय होना था। वार्ता अब आगे खिसका दी गई है। शिंदे ने दिल्ली में हुई वार्ता को सकारात्मक बताया था पर वार्ता छोड़कर उनका चले जाने से वार्ता अटक गई। सूत्रों ने कहा कि शिंदे को शनिवार को मुम्बई लौटना था। सरकार बनाने पर अनिश्चितता कायम है।

हालिया विधानसभा चुनाव में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या एकनाथ शिंदे दिल्ली में कैबिनेट मंत्री बनेंगे?

ऐसा लगता है, शिंदे ने यह स्वीकार कर लिया है, कि भाजपा को मुख्यमंत्री पद मिलना चाहिए क्योंकि, उसके ज्यादा विधायक जीत कर आये हैं

-श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। क्या एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बजाय केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में शामिल होना ज्यादा पंसद करेंगे?

शिंदे ने, हालांकि, स्वीकार कर लिया है कि मुख्यमंत्री के रूप में राज्य का नेतृत्व भाजपा करेगी, वहीं, विभागों के बंटवारे तथा सत्ता में भागीदारी के मुद्दों को लेकर जिस तरह से विचार किया जा रहा है उससे वो खुश नहीं हैं। केयरटेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, आज मुंबई में होने वाली महायुति गठबंधन पार्टनरों की मीटिंग को रद्द करके अचानक सतारा जिले में अपने पैतृक गांव के लिए रवाना हो गए।

उल्लेखनीय है कि शिंदे ने शुक्रवार को, सतारा जाने के रास्ते में, मुम्ब्रा से विधायक तथा एन.सी.पी. के शरद

- पर, उनकी नाखुशी इस बात के लिए बताई जाती है, जिस प्रकार से भाजपा विभागों का वितरण करना चाहती है।
- भाजपा 22 विभाग रखना चाहती है, तथा 11 मंत्री पद शिंदे को तथा नौ अजित पवार को देना चाहती है।
- अजित पवार को वित्त तथा शिंदे ग्रुप को नगरीय विकास व पब्लिक वैलफेयर।
- यह भी एक चर्चा है कि, वे अकेले उपमुख्यमंत्री पद तो स्वीकार कर सकते हैं, लेकिन अजित पवार के साथ दूसरा उपमुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते।

पवार धटक के महत्वपूर्ण नेता, जितेन्द्र आव्हाड के साथ मीटिंग की, जिससे राज्य का सियासी पारा बढ़ गया है।

शिंदे कैंप दो मुद्दों को लेकर असंतुष्ट है। पहला, कि शिंदे और अजित पवार दोनों उपमुख्यमंत्री नहीं बन सकते। दूसरा, विभागों के बंटवारे को लेकर, भाजपा का रूख स्वीकार्य नहीं है।

खबरों के अनुसार भाजपा गृह विभाग मिलाकर 22 विभाग अपने पास रखना चाहती है तथा शिंदे सेना व अजित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लम्बित अपराधिक प्रकरण वाला जनहित याचिका दायर नहीं कर सकता

जयपुर, 29 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अलवर में करीब दस हजार वर्गमीटर जमीन का स्कूल को हुए आवंटन में से कुछ जमीन बेचने के मामले में दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता पर एक लाख रुपए का हर्जाना भी लगाया है। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस पंकज भंडारी की खंडपीठ ने

- हाईकोर्ट ने अलवर के स्कूल के खिलाफ जनहित याचिका खारिज की। याचिकाकर्ता पर 1 लाख रुपये का हर्जाना लगाया।

यह आदेश अंबेडकर नगर विकास समिति व अन्य की ओर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने माना कि याचिकाकर्ता के खिलाफ आपराधिक प्रकरण लंबित हैं और उसकी जानकारी अदालत में नहीं दी गई। इसके अलावा, ऐसे व्यक्ति जनहित याचिका दायर नहीं कर सकते।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को सम्भल में मस्जिद के सर्वे का आदेश देने से रोका

मुस्लिम पक्ष से कहा, ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही रुकवाने के लिए पहले हाईकोर्ट जाएं

-डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुये, सर्वोच्च न्यायालय ने आज सम्भल के ट्रायल कोर्ट से कहा कि वह मुगल काल की मस्जिद के सर्वे से सम्बन्धित कोई आदेश पारित न करे। इसके साथ ही, शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिये कि वह हिंसा-ग्रस्त क्षेत्र में शान्ति-व्यवस्था कायम करे।

इसके अतिरिक्त, मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना तथा न्यायमूर्ति संजय कुमार की बैंच ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय को आदेश दिये कि वह मुस्लिम पक्ष की याचिका के दायर होने के तीन दिन के अन्दर उसकी सुनवाई करे।

बैंच ने कहा, "हमें आशा एवं विश्वास है कि ट्रायल कोर्ट इस मामले में आगे तब तक कोई कार्यवाही नहीं करेगा, जब तक उच्च न्यायालय इसकी सुनवाई करके, कोई आदेश पारित नहीं कर देता।

- चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और संजय कुमार की बैंच ने इलाहाबाद हाईकोर्ट को आदेश दिया कि मुस्लिम पक्ष की याचिका दर्ज होने के तीन सप्ताह में ही मामला उठा लें।
- सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से हिंसाग्रस्त क्षेत्र में शांति व सद्भाव कायम करने को कहा।
- सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट से यह भी कहा कि हाईकोर्ट का आदेश आने तक कोर्ट में पेश किसी भी रिपोर्ट को न खोला जाए।
- सुप्रीम कोर्ट ने सम्भल की शाही जामा मस्जिद की प्रबंधक कमेटी की याचिका पर यह फैसला दिया।
- सुप्रीम कोर्ट के आदेश की व्यापक सराहना हुई है तथा कहा जा रहा है कि इससे साम्प्रदायिक हिंसा खत्म करने में मदद मिलेगी।

बैंच ने राज्य सरकार को निर्देश दिये कि वह सम्भल में शान्ति और सद्भाव कायम करे तथा एक शान्ति समिति गठित करे, जिसमें दोनों समुदायों के सदस्य हों।

शीर्ष अदालत ने सम्भल ट्रायल कोर्ट को आगे कहा कि वह, उसके समक्ष पेश की गई किसी भी रिपोर्ट को खोले नहीं, जब तक कि उच्च न्यायालय मुस्लिम पक्ष की याचिका की सुनवाई करके, कोई आदेश पारित न कर दे।

बैंच ने मुस्लिम पक्ष को सलाह दी कि वह जिला अदालत के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय जाये। बैंच ने इस केस को विचाराधीन रखा तथा 6 जनवरी से शुरू होने वाले सप्ताह के लिये इसे सूचीबद्ध करने के आदेश दिये।

सम्भल की शाही जामा मस्जिद की प्रबन्ध समिति गुरूवार को सर्वोच्च न्यायालय पहुँच गई थी तथा उसने जिला अदालत के 19 नवम्बर के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें इस मुगलकालीन मस्जिद के सर्वे के निर्देश दिये गये थे। इसके अलावा, कमेटी ने सिविल जज द्वारा पारित 19 नवम्बर के आदेश के क्रियान्वयन पर "एक्स पार्टे स्टे" (एक पक्ष की ओर से) की माँग की थी।

उत्तर प्रदेश के सम्भल कस्बे में तनाव 19 नवम्बर से हुआ, जब कोर्ट ने शाही जामा मस्जिद के सर्वे के आदेश दे दिये, क्योंकि ऐसा दावा किया गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में कांग्रेस अकेले लड़ेगी विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली, 29 नवंबर। दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने शुक्रवार को बड़ा ऐलान किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आधिकारिक तौर पर

- दिल्ली के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी आम आदमी पार्टी या किसी भी अन्य पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी।

ऐलान किया कि दिल्ली में कांग्रेस सभी 70 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का आम आदमी पार्टी या किसी अन्य दल के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि पार्टी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते हमलों पर भारत सरकार ने पहली बार नाराज़गी जताई

विदेश मंत्री ने कहा कि हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने में पूरी तरह से असफल रही है और इससे दोनों देशों के संबंध बिगड़ रहे हैं। भारत ने हिंदुओं पर हो रहे हमले तथा उनके जान माल को नुकसान पहुंचाने पर गंभीर चिंता जताई है।

हालिया दिनों में पहली बार, भारत के विदेश मंत्री ने कहा कि जब से शेख हसीना की सरकार गिरी है, अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं, पर हमले बढ़ गए हैं। अंतरिम सरकार सब देख रही है, पर अल्पसंख्यकों को राहत देने के लिए उसने कुछ नहीं किया।

हिंदुओं पर हमले बढ़ने के बाद भी भारत सरकार ने वहां के हालात पर कोई भी बयान जारी करने से परहेज किया था। ऐसा लगता है कि सरकार की कूटनीति में बदलाव हुआ है और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भी बांग्लादेश के हालात पर टिप्पणी की।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के नए राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते हमलों पर कड़ी टिप्पणी की तथा तुलसी गबार्ड ने भी हिंदुओं पर हमले रोकने की बात कही।

शुक्रवार को भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को नागरिकों की सुरक्षा

- शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के बाद से हिंदुओं के खिलाफ भारी हिंसा हो रही है पर भारत सरकार ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की थी। लेकिन, अब भारत ने अपनी कूटनीति में स्पष्ट बदलाव के संकेत दिए हैं।
- अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने भी बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले पर टिप्पणी की और तुलसी गैबार्ड ने भी हिंदुओं के प्रति हिंसा रोकने की अपील की।
- भारत के विदेशमंत्री जयशंकर ने जोशोरेश्वरी मंदिर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चढ़ाया गया मुकुट खोने पर भी नाराजगी जताई।
- आश्चर्य की बात यह है कि हर छोटी सी बात पर बयानबाजी करने वाली प. बंगाल की मुख्यमंत्री बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा पर चुप हैं।

सुनिश्चित करने के कर्तव्य की याद दिलाई। जयशंकर ने अपने बयान में कहा कि हिंदू व अन्य अल्पसंख्यकों, जैसे ईसाई और बौद्धों, के खिलाफ भारी हिंसा हो रही है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कट्टरपंथियों के आगे घुटने टेक कर हिंदुओं खिलाफ सख्त रूख अपनाया। उन्होंने हिंदुओं व अल्पसंख्यकों के 17 प्रमुख प्रवक्ताओं के बैंक खाते फ्रीज़ कर दिए हैं।

जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जोगोरेश्वरी मंदिर में एक मुकुट चढ़ाया था, जो चोरी हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह जो उपहार दिया था, एक कलाकृति था। यही नहीं, सम्राट अकबर के महान सेनापति मानसिंह भी यहां आए थे।

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा पर हमले हुए। अल्पसंख्यकों का सरकार पर भरोसा नहीं रहा है।

अंतरिम सरकार ने अल्पसंख्यकों के एक प्रमुख नेता चिन्मय कृष्णदास को गिरफ्तार किया है, जो बांग्लादेश में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिरसा मुण्डा के पड़पोते का निधन

रांची, 29 नवंबर। बिरसा मुंडा के पड़पोते मंगल मुंडा की सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद आज रांची स्थित राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ (रिम्स) में मौत हो गई। बता दें कि सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद उन्हें रांची स्थित रिम्स में भर्ती कराया गया था। इस दौरान उनका अस्पताल में इलाज जारी था। इस बीच गुरुवार की देर रात मंगल मुंडा ने रिम्स अस्पताल में

- बिरसा मुंडा के पड़पोते मंगल मुंडा 25 नवम्बर को एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गये थे।

अंतिम सांस ली।

उनके भाई कानू मुंडा ने फेसबुक पर मंगल मुंडा के निधन का जानकारी साझा की। कानू मुंडा ने शुक्रवार को फेसबुक पोस्ट किया और अपने बड़े भाई के निधन की सूचना साझा की। कानू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

गलती करना मनुष्य का स्वभाव है। की हुई गलती को मान लेना और इस प्रकार आचरण करना कि फिर गलती न हो, मर्दानगी है। –महात्मा गाँधी

सड़क सुरक्षा को अपनाकर अपने जीवन को सुखद बनाएं

सड़क सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है, आम जनता में खासतौर से नये आयु वर्ग के लोगों में अधिक जागरुकता लाने के लिये इसे शिक्षा, सामाजिक जागरुकता आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जोड़ा गया है। सड़क दुर्घटना, चोट और मृत्यु आज के दिनों में बहुत आम हो चला है। सड़क पर ऐसी दुर्घटनाओं की मुख्य वजह लोगों द्वारा सड़क यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा उपायों की अनदेखी है। गलत दिशा में गाड़ी चलाना, सड़क सुरक्षा नियमों और उपायों में कमी, तेज गति, नशे में गाड़ी चलाने आदि । सड़क हादसों की संख्या को घटाने के लिये उनकी सुरक्षा के लिये सभी सड़क का इस्तेमाल करने वालों के लिये सरकार ने विभिन्न प्रकार के सड़क यातायात और सड़क सुरक्षा नियम बनाये हैं। हमें उन सभी नियमों और नियंत्रकों का पालन करना चाहिये जैसे रक्षात्मक चालन की क्रिया, सुरक्षा उपायों का इस्तेमाल, गति सीमा को ठीक बनायें रखना, सड़क पर बने निशानों को समझना आदि।

सड़क परिवहन और रोजगार मंत्रालय के मुताबिक आज की दुनिया में सड़क और परिवहन जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में एक सड़क उपयोगकर्ता है। वर्तमान परिवहन प्रणाली ने दूरियों को कम कर दिया है लेकिन इसने दूसरी ओर जीवन के जोखिम को बढ़ा दिया है। हर साल सड़क दुर्घटनाओं में लाखों लोगों की जान चली जाती है और करोड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। भारत में ही हर साल लगभग अस्सी हजार लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं जो पूरी दुनिया में होने वाली कुल मृत्यु का तेरह प्रतिशत है। अधिकांश दुर्घटनाओं में चालक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ज्यादातर मामलों में दुर्घटनाएं या तो लापरवाही के कारण होती हैं या सड़क उपयोगकर्ता की सड़क सुरक्षा जागरूकता की कमी के कारण होती हैं। इसलिए, सड़क सुरक्षा शिक्षा जीवित रहने के किसी भी अन्य बुनियादी कौशल की तरह ही आवश्यक है।

यातायात पीड़ित वो लोग होते हैं जो कि हर साल सड़क हादसे में मारे जाते हैं और इनमे 5 साल से लेकर 30 वर्ष की आयु सीमा के लोग सबसे ज्यादा यातायात पीड़ित का शिकार बनते हैं। कई बार लोग अपनी गलती से जान गवाते है और कई बार लोग दूसरे की गलती से जान गवाते है। सड़क यातायात पीड़ितों के लिए विश्व स्मरण दिवस पर हर साल आकड़े देखे जाते हैं कि पहले के मुकाबले इस साल कितने लोग सड़क हादसे के शिकार बने है। इस अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके पीड़ितों को सहानुभूति प्रदान की जाती है साथ ही सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाई जा सके जिसके परिणामस्वरूप जीवन बचाने की कार्यवाई को बढ़ावा दिया जा सके।

सड़क पर वाहन चलाते समय हमारी गलतियों के कारण जहां हम खुद जोखिम मोल लेते है वहां निर्दोष लोगों को भी अपना शिकार बनाते है। सड़क पर जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को चोट या मृत्यु का खतरा होता है। विशेषकर पैदल यात्री, मोटर यात्री, साइकिल चालक, यात्री आदि। बच्चे से बुजुर्ग तक हर किसी को सड़क यातायात नियमों के बारे में अच्छी तरह से पता होना चाहिए, तभी हम सड़क दुर्घटनाओं से खुद को सुरक्षित रख पाएंगे। सड़क सुरक्षा, सुरक्षित ड्राइविंग के निर्देश और विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करता है। यह दिवस सड़क दुर्घटनाओं के मामले में उपलब्ध प्राथमिक चिकित्सा सुविधाओं और पीड़ितों की सुरक्षा के लिए उपलब्ध न्यायिक कानूनों के बारे में कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है तथा सड़क दुर्घटना के समय अच्छे मददगार व्यक्ति को पीड़ित की मदद करने पर सम्मानित भी किया जाता हैं।

सड़क हादसों की संख्या को घटाने के लिये उनकी सुरक्षा के लिये सभी सड़क का इस्तेमाल करने वालों के लिये सरकार ने विभिन्न प्रकार के सड़क यातायात और सड़क सुरक्षा नियम बनाये हैं। हमें उन सभी नियमों और नियंत्रकों का पालन करना चाहिये जैसे रक्षात्मक चालन की क्रिया, सुरक्षा उपायों का इस्तेमाल, गति सीमा को ठीक बनायें रखना, सड़क पर बने निशानों को समझना आदि।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले साल वैश्विक सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान प्रस्तुत एक रिपोर्ट अनुसार वैश्विक स्तर पर सड़क दुर्घटनाओं में प्रति वर्ष 1.35 मिलियन से अधिक मौतें होती हैं और 50 मिलियन से अधिक लोगों को गंभीर शारीरिक चोटें आती हैं। सड़क हादसे भारत जैसे विकासशील देश के लिए चुनौती बने हुए हैं। भारत सरकार ने सड़क हादसों में 50 प्रतिशत मौतों में कमी का लक्ष्य निर्धारित किया था मगर इसके उलट मौतों का आंकडा बढ़ता ही रहा है। भारत में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में हर साल लाखों की संख्या में लोग अपनी जान गवां देते हैं। साल 2023 में सड़क हादसों में 1.73 लाख से ज्यादा मौतें हुईं यानि हर दिन औसतन 474 मौतें हुईं और हर तीन मिनट में एक जान गई। पिछले साल सड़क हादसों में करीब 4.63 लाख लोग घायल हुए थे। वर्ल्ड बैंक के आंकड़ों के अनुसार भारत में दुनिया के केवल एक फीसदी वाहन हैं इसके बावजूद पूरे विश्व में होने वाले हादसों का 11 फीसदी देश में ही घटित होते हैं। विश्व बैंक के अनुसार, 18–45 आयु वर्ग के लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर सर्वाधिक 69 प्रतिशत है। इसके अलावा 54 प्रतिशत मौतें और गंभीर चोटें मुख्य रूप से संवेदनशील वगरे जैसे पैदल यात्री, साइकिल चालक और दोपहिया वाहन सवार आदि में देखी जाती हैं। भारत में 5–29 वर्ष आयु–वर्ग के बच्चों और युवा वयस्कों में सड़क दुर्घटना मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है।

एक अधिकृत जानकारी के मुताबिक देश भर में होने वाली कुल सड़क दुर्घटनाओं में से 76 प्रतिशत दुर्घटनाएं ओवरस्पीडिंग और गलत साइड पर गाड़ी चलाने जैसे यातायात नियमों के उल्लंघन के कारण होती हैं। कुल सड़क दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहनों और पैदल चलने वालों की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। सड़क सुरक्षा को लेकर हमें अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा। हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने और अन्य सुरक्षा मानकों का पालन करने के प्रति हमें जागरूक रहना चाहिए। मीडिया सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता लाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता हैं। सड़क सुरक्षा को लेकर समाज का मानस और व्यवहार बदलने के प्रयास करना होगा। सड़क दुर्घटनाएं ज्यादातर हमारी गलती से होती हैं। अगर हम नियमों का पालन करें तो सड़क दुर्घटनाओं को कम कर सकते हैं। वाहन चलाने को लेकर लापरवाह और अति आत्मविश्वास नहीं होना चाहिए। सीट बेल्ट और हेलमेट आपको गंभीर चोट से बचाते हैं।

सड़क सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है, आम जनता में खासतौर से नये आयु वर्ग के लोगों में अधिक जागरुकता लाने के लिये इसे शिक्षा, सामाजिक जागरुकता आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जोड़ा जाना नितांत आवश्यक है। सड़क दुर्घटना, चोट और मृत्यु आज के दिनों में बहुत आम हो चला है। सड़क पर ऐसी दुर्घटनाओं की मुख्य वजह लोगों द्वारा सड़क यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा उपायों की अनदेखी है। गलत दिशा में गाड़ी चलाना, सड़क सुरक्षा नियमों और उपायों में कमी, तेज गति, नशे में गाड़ी चलाने आदि । जान लेवा सड़क हादसों को रोकने के लिए जरूरी है कि सड़कों की स्थिति अच्छी हो, जन कल्याणकारी सरकार का यह दायित्व है कि वह उच्च गुणवत्ता युक्त सड़कों का निर्माण करें और क्षत–विक्षत सड़कों को दुरस्त करें ताकि वाहन किसी दुर्घटना का शिकार नहीं होवे।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राष्ट्रप्रेम, हिंदी भाषा, सनातनी विचार के सच्चे उत्तराधिकारी थे जस्टिस गिरधर मालवीय

बीएचयू के संस्थापक भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय के पौत्र एवं बीएचयू के कुलाधिपति जस्टिस गिरधर मालवीय का हमारे बीच से जाना देश और राष्ट्र की अपूरणीय क्षति है। उन्होंने प्रयागराज में 18 नवंबर, 2024 को अंतिम सांस ली थी। उनके पिता पंडित गोविंद मालवीय स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, राष्ट्रभक्त और वरिष्ठ राजनेता थे। राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सद्भाव उन्हें अपने पिता पंडित मदन मोहन मालवीय से विरासत में मिली थी। अपने दादा और पिता की उसी विरासत को जस्टिस गिरधर मालवीय आजीवन संभाले रखे। जस्टिस मालवीय के मनोज मालवीय इकलौते पुत्र हैं, जो भारतीय पुलिस सेवा के पश्चिम बंगाल कैडर के वरिष्ठ अधिकारी रहे हैं तथा उनकी दीपाली प्रियदर्शी और रुचि भार्गव दो पुत्रीयां हैं।

जस्टिस मालवीय की शिक्षा बेशेंट थियोसोफिकल सोसायटी, वाराणसी में तथा 1957 में बी एच यू से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की थी। वह 1988 से 1998 तक इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश रहे। वर्ष 218 से वे बीएचयू के चांसलर थे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जैसे गौरवमयी पद पर रहने के बावजूद भी वह प्रयागराज की छोटी बड़ी तमाम संस्थाओं से जुड़े रहे और उनके प्रत्येक भाषण में मां गंगा की सेवा, राष्ट्रभक्ति, समाज उत्थान, शिक्षा का प्रचार–प्रसार प्रमुखता से सुनने को मिलता था। जस्टिस गिरधर मालवीय का ज्यादा लगाव अपने दादा पंडित मदन मोहन मालवीय से था। उनका जन्म बीएचयू परिसर में ही अपने दादा पंडित मदन मोहन मालवीय के घर 14 नवंबर, 1936 को हुआ था। वह भाव विभोर होकर कहा करते थे, बी एच यू मेरा घर है। पंडित गिरधर मालवीय सत्य, अहिंसा, व्यायाम, कर्तव्य निष्ठा एवं सनातनी स्वभाव के थे, लेकिन अन्य धर्मों का भी समान रूप से आदर किया करते थे।

बी एच यू के एक प्रोफेसर के भर्ती के प्रसंग में जस्टिस मालवीय ने बड़ा रोचक और सराहनीय निर्णय सुनाया था। बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी के संस्कृत विद्या एवं धर्म विज्ञान संकाय में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर डॉक्टर फिरोज खान की नियुक्ति वर्ष–2019 में हुई थी, लेकिन उनकी नियुक्ति को लेकर फैकल्टी के छात्र और कुछ शिक्षक आंदोलन कर रहे थे। उनका कहना था कि एक मुसलमान शिक्षक हम हिंदुओं को वेद–वेदांग और साहित्य कैसे पढ़ाएगा। इस समस्या का कोई उचित समाधान न देखकर तत्कालीन कुलपति ने जस्टिस मालवीय से इस मामले में सुझाव मांगा था। इस पर जस्टिस मालवीय ने कहा था कि बच्चों को जहां से भी मिले शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए, उन्हें हिंदू–मुस्लिम ऐसा करके विरोध नहीं करना चाहिए। उन्होंने उदाहरण प्रस्तुत किया था कि भगवान राम शिक्षा प्राप्त करने के लिए लक्ष्मण को रावण के पास भेजा था। यदि डॉक्टर फिरोज खान की नियुक्ति सेलेक्शन कमेटी ने की है और उनको संस्कृत का विद्वान माना है तो, उनकी ज्वाइनिंग विभाग में होनी चाहिए।

जस्टिस गिरधर मालवीय

परंतु दुर्भाग्य रहा कि छात्रों के विरोध के आगे विश्वविद्यालय प्रशासन को झुकना पड़ा था और डॉक्टर फिरोज खान उस विभाग में ज्वाइन नही कर सके। उन्हें पुनः विज्ञप्ति निकाल कर बीएचयू के संस्कृत विभाग में ज्वाइन कराया गया। जस्टिस मालवीय गंगा सेवा के प्रति हमेशा प्रतिबद्ध रहा करते थे। उन्होंने वर्ष–2016 में भागीरथ संकल्प श्रम संघ की स्थापना की थी। जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी इस ध्येय वाक्य को हमेशा स्मरण करते हुए वह विश्वविद्यालय को स्वर्ग से भी महान मानते थे। उनका विश्वविद्यालय से बड़ा ही आत्मीय लगाव था। विश्वविद्यालय में उनका प्रायः आना–जाना होता रहता था। वर्ष 2019 में आयोजित बी एच यू के दीक्षांत समारोह की उन्होंने अध्यक्षता की थी और 16 दिसंबर, 2023 को अस्वस्थ रहते हुए भी वह व्हीलचेयर पर बैठकर दीक्षांत समारोह में भाग लिया था। दीक्षांत समारोह में बड़ी ही मुश्किल से वह अपने दोनों पैरों पर खड़े हो पाए और छात्रों को उनके जीवन का अनूठा मूल मंत्र समझाया था। वह बीएचयू में अंतिम बार वह 3 फरवरी, 2024 को लॉ कॉलेज के शताब्दी समारोह में बतौर पूर्व छात्र सम्मिलित हुए थे और उन्हें आनंद जी स्मृति शताब्दी सम्मान से सम्मानित किया गया था। उन्होंने आशा व्यक्त किया था कि बी एच यू का लॉ कॉलेज देश का सबसे बड़ा लॉ कॉलेज के रूप में स्थापित किया जाना चाहिए।

भारतीय सूचना सेवा के वरिष्ठ अधिकारी प्रयागराज निवासी सुनील शुक्ला जस्टिस गिरधर मालवीय के संस्मरण का जिक्र करते हुए बताते हैं कि उनकी चिंता समाज के आखिरी पायदान पर बैठे हुये व्यक्ति की रहती थी। वह प्रयागराज की तमाम छोटी–बड़ी स्वयंसेवी संगठनों से जुड़े रहे और उनका मार्गदर्शन किया करते थे। गंगा को स्वच्छ रखना वह अपने जीवन का प्रमुख लक्ष्य मानते थे। वह अपने जीवन में अपने दादा पंडित मदन मोहन मालवीय को आदर्श मानते थे और बातों–बात में वह उनका उदाहरण देते और जिक्र किया करते थे।

वर्ष 2014 में जब नरेन्द्र मोदी वाराणसी से पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़े थे, उसमें एक प्रस्तावक के रूप में जस्टिस मालवीय भी थे। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख व्यक्त किया और कहा कि गिरधर मालवीय के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। गंगा सफाई अभियान में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गिरधर मालवीय का निधन अत्यंत दुखद और शिक्षा जगत और देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से बीएचयू में शोक की लहर दौड़ पड़ी और कुलपति सुधीर जैन ने कहा कि महामना और बी एच यू के बीच जस्टिस मालवीय एक जीवित कड़ी थे। वह विश्वविद्यालय के अभिभावक के रूप में समय–समय पर हम सभी का मार्गदर्शन किया करते थे। कुलपति ने उनके निधन को विश्वविद्यालय ही नहीं बल्कि निजी अपूरणीय क्षति बताया।

जस्टिस गिरधर मालवीय अपने हृदय की महानता के कारण शिक्षा एवं न्याय जगत में हमेशा याद किए जाएंगे। उन्हें सत्य, दया, न्याय पर आधारित सनातन धर्म सर्वदा प्रिय था। करुणामयी हृदय, भूतानुकंपा, मनुष्य मात्र से द्वेष, शरीर, मन, वाणी में संयम, धर्म और देश के लिए सर्वस्व त्याग, उत्साह और धैर्य, नैराश्यपूर्ण परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास पूर्वक दूसरों को असंभव प्रतीत होने वाले कर्मों का प्रतिपादन, वेश–भूषा और आचार–विचार उन्हें अपने दादा पंडित मदन मोहन मालवीय से विरासत में मिली थी।

जस्टिस गिरधर मालवीय महामना की सांस्कृतिक विरासत, चाहे वह राष्ट्र प्रेम रहा हो, हिंदी भाषा, सनातनी विचार एवं शिक्षा के प्रति अटूट प्रेम एवं मूल्यों के सच्चे उत्तराधिकारी थे। उन्होंने अपने अंतिम दौर के समय एक साक्षात्कार में कहा था कि मुझे कोई बीमारी नहीं है, यह वृद्धावस्था है। इसका अंतिम इलाज मृत्यु है। उनके शुभचिंतक बताते हैं कि उनको अपने अंतिम समय में शरीर त्यागने का धीरे–धीरे आभास हो चला था, परंतु वे अपने राष्ट्र धर्म और उसकी प्रतिबद्धता से कभी विचलित नहीं हुए।

–डॉ. नरसिंह राम,
वाराणसी।

रणथम्भौर में तीन प्रदेशों के वन अधिकारियों की बैठक में चीता कॉरिडोर बनाने पर चर्चा

बैठक में तीन प्रदेश में 22 जिलों के करीब दो हजार किलोमीटर एरिया में देश का सबसे बड़ा चीता कॉरिडोर बनाने को लेकर चर्चा की

बौंली–बामनवास, (निसं)। रणथम्भौर के एक होटल में शुक्रवार को तीन प्रदेशों के वन अधिकारियों की बैठक में तीन प्रदेश में 22 जिलों के करीब दो हजार किलोमीटर एरिया में देश का सबसे बड़ा चीता कॉरिडोर बनाने को लेकर चर्चा के बाद निर्णय लिया गया।

बैठक में राजस्थान के मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक, मध्य प्रदेश के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र निदेशक मुकुंदरा चीता प्रोजेक्ट, शिवपुरी के संचालक वन मंडल अधिकारी, कूनो राष्ट्रीय उद्यान शिवपुरी, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के प्रतिनिधि एवं भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान कूनो पार्क से राजस्थान की सीमा पर सटे इलाकों को जोड़कर कॉरिडोर बनाने की तैयारी शुरू की गई। बैठक में 22 जिलों के वन अधिकारियों व चीफ वाइल्ड वार्डन जुटे थे जिन्होंने चीतों को खुले जंगल में छोड़ने, जिले की सीमा से बाहर जाने पर उनकी देखरेख करने एवं व्यवस्थित भोजन सहित अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा कर प्लान तैयार करने का निर्णय लिया। इस मामले को लेकर राजस्थान सरकार ने चीता लैंडस्केप को लेकर घोषणा की थी। इस मुद्दे को लेकर राजस्थान व मध्यप्रदेश के वन अधिकारी बैठक कर चुके हैं, लेकिन कोई अंतिम फैसला नहीं हो पाया था। देश में सात दशक बाद लौटे चीतों को बचाने के लिए जलवायु से अनुकूलता पाने के बाद खुले जंगल में छोड़ने जिससे वह बाघ पैंथर व अन्य वन्य जीवों की तरह रह सके इस प्रकार की योजना तैयार की जा रही है।

■ चीतों को खुले जंगल में छोड़ने, जिले की सीमा से बाहर जाने पर उनकी देखरेख करने एवं व्यवस्थित भोजन सहित अन्य विषयों पर चर्चा कर प्लान तैयार करने का निर्णय लिया

रणथम्भौर के डीएफओ रामानंद भाकर ने बताया कि चीतों के संरक्षण को लेकर शुक्रवार को रणथम्भौर के होटल में चर्चा के बाद योजना तैयार की जा रही है। राजस्थान में सन् 1930 तक हाड़ौती के जंगलों में चीते मिला करते थे। चिता कॉरिडोर प्रोजेक्ट में राजस्थान के धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, बारा, झालावाड़, कोटा, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा यह 10 जिले एवं मध्यप्रदेश के झाबुआ, रतलाम, मंदसौर, नीमच, अगरमालवा, राजगढ़, गुना, शिवपुरी, शोपुर व मुरैना की सीमा लगती है। उत्तर प्रदेश के झांसी व ललितपुर इस कॉरिडोर प्रोजेक्ट में शामिल है। वन्य जीव चीता का वजन करीब 35 से 65 किलो तक होता है एवं 10 से 12 वर्ष उनकी उम्र होती है। यह अक्सर दिन में ही अपना शिकार करते हैं। चीता वन प्राणियों में सबसे तेज दौड़ने वाला माना जाता है। यह 1 घंटे में 100 किलोमीटर तक दौड़ लगा सकता है।

आईआईटी–एनआईटी के समकक्ष कई अन्य इंजीनियरिंग संस्थानों के आवेदन शुरू

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई–मेन की आवेदन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद अब बहुत से प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों की आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष जेईई–मेन के पहले सेशन के लिए अब अधिक 13 लाख 95 हज़ार रजिस्ट्रेशन हुए थे।

एलन के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा के अनुसार आईआईटी–एनआईटी के साथ साथ कई ऐसे बड़े एवं प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग शिक्षण संस्थान भी हैं, जिनसे बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स डिग्री हासिल कर अपना भविष्य बनाते हैं। ऐसे स्टूडेंट्स जिनका जेईई–मेन में एनटीए स्कोर अच्छा नहीं आता है, उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। ये विद्यार्थी समकक्ष अच्छे इंजीनियरिंग संस्थानों के लिए आवेदन कर सकते हैं। स्टूडेंट्स एनआईटी के अलावा कुछ प्रमुख संस्थान जैसे बिट्स पिलानी, वीआईटी वैल्लूर, मणिपाल मैंगलुर, आईपीयू दिल्ली, अमृता चौन्नई, एसआरएम चौन्नई, जामिया दिल्ली, क्यूसेट केरला, एएमयू अलीगढ़ , कॉमेडके कर्नाटक, यूपीईएस देहरादून, सीएमआई चैन्नई, एनमेट मुम्बई, आईएसआई कोलकाता, ट्रिपल आईटी हैदराबाद, एलपीयू आदि से भी इंजीनियरिंग डिग्री हासिल कर सकते हैं।

■ उल्लेखनीय है कि इस वर्ष जेईई-मेन के पहले सेशन के लिए अब अधिक 13 लाख 95 हज़ार रजिस्ट्रेशन हुए थे

आहूजा के अनुसार इसके अलावा स्टूडेंट्स अपने–अपने स्टेट के इंजीनियरिंग संस्थानों के लिए भी अलग से आवेदन कर सकते हैं। कई कॉलेजों में प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है तो कुछ में जल्द शुरू होने वाली है। इनमे से ज्यादातर इंजीनियरिंग सस्थानो ने अपनी प्रवेश परीक्षाये अप्रैल एवं मई माह में रखी है।

स्टूडेंट्स अभी आईआईटी–एनआईटी के अतिरिक्त इन अन्य संस्थानों में प्रवेश के लिए आवेदन करने की जल्दी ना करें क्योंकि सभी संशानो में आवेदन की अंतिम तिथि बहुत आगे तक है और अभी उनके पास आवेदन के लिए पर्याप्त समय है। साथ ही वो पहले जेईई–मेन की परीक्षा दें और वे जेईई–मेन देकर अपने परिणाम के अनुसार ही आंकलन कर दूसरे कॉलेजेस के लिए भली–भांति सोच कर आवेदन करें।

नवजात बालिका का शव मिला

करौली, (निसं)। करौली सदर थाना क्षेत्र के रामपुर धावाई गांव में पुलिया के पास जंगल में नवजात बालिका का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सदर थाना पुलिस ने शव का करौली सामान्य चिकित्सालय में पोस्टमॉर्टम कराया। डॉक्टरों ने बालिका के स्टिल बॉर्न होने की संभावना जताई है। सदर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

करौली सदर थाना एएसआई रामवीर सिंह ने बताया कि करौली–गंगापुर सड़क मार्ग स्थित रामपुर धावाई गांव की पुलिया के पास जंगल में एक नवजात का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया। बाद में नवजात के शव को करौली चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया, जहां बालिका के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम कराया गया। पोस्टमॉर्टम में शव चार से पांच दिन पुराना बताया है। मेडिकल बोर्ड के सदस्य डॉ. विजय सिंह ने बताया कि मृत बालिका 28 से 30 सप्ताह की है। डॉक्टरर्स ने जांच में बालिका के मृत ही पैदा होने की संभावना जताई है। सदर थाना पुलिस ने नवजात के शव का पोस्टमॉर्टम के बाद अंतिम संस्कार कराया है।

12 फीट लंबा अजगर आने से हड़कंप मचा

कोटा, (निसं)। नांता इलाके में स्थित कुंद–कुंद कॉलोनी में उस समय हडकंप मच गया जब एक 12 फीट लम्बा अजगर कॉलोनी में आ गया। स्नैक केचर गोविंद शर्मा ने बताया कि कॉलोनी में करीब 12 फीट लंबा और 50 किलो वजन के अजगर को देखकर लोग दहशत में आ गए। लोगों ने अजगर को भगाने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो पाए। इस दौरान कई बार अजगर वाहन की चपेट में आते–आते बच गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद अजगर का रेस्क्यू किया और लाड़पुरा के जंगल में छोडा गया। अजगर के रेस्क्यू के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

राशिफल

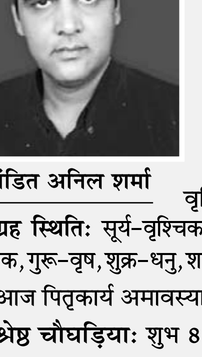
पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 30 नवम्बर, 2024

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, विशाखा नक्षत्र दिन 12:35 तक, अतिगंड योग सायं 4:44 तक, शकुनि करण दिन 10:30 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृश्चिक, चन्द्रमा–वृश्चिक, मंगल–कर्क, बुध–वृश्चिक, गुरू–वृष, शुक्र–धनु, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज पितृकार्य अमावस्या है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:20 से 9:14 तक, चर 12:15 से 1:34 तक, लाभ–अमृत 1:34 से 4:10 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:02, सूर्यास्त 5:29

मेष
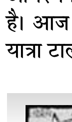
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक परेशानियां अभी बनी रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक परेशानियां अभी बनी रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला
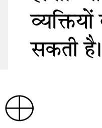
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु

आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
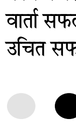
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

औरंगजेब-बाबर ने मंदिरों को तोड़कर बनवाई मस्जिदें, खुदाई से हो जाएगा फैसला : मंत्री मदन दिलावर

कोटा, (निसं)। अजमेर की ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह के नीचे मंदिर होने संबंध याचिका न्यायालय में दायर की गई थी जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है। अब इस पर सुनवाई होगी। अब यह एक सियासी मुद्दा बन गया है। लगातार इसके पक्ष और विपक्ष में बयान आ रहे हैं। इसी कडी में अब राज्य के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भी बयान दिया है।

दिलावर ने कहा कि अजमेर दरगाह के मामले में न्यायालय ही निर्णय करेगा लेकिन यह भी सच है कि मंदिरों को तोड़कर औरंगजेब और बाबर सहित अन्य मुगल आक्रांताओं ने मस्जिद बनाई थी। अब अजमेर दरगाह के पूरे मामले की जांच होगी। ऐसे में अगर न्यायालय आदेश देता है तो फिर इसकी खुदाई की जाए और जो अवशेष मिलेंगे उससे निर्णय हो जाएगा।

मंत्री दिलावर से अपने कोटा स्थित निवास पर कई जनप्रतिनिधियों और आम लोगों ने मुलाकात की है। इस दौरान सभी ने मंत्री को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। इस पर मंत्री दिलावर ने अधिकारियों को तुरंत उनकी समस्याओं के समाधान के लिए फोन कर निर्देश दिए हैं। इसी बीच शुक्रवार को दिलावर अपने विधानसभा क्षेत्र रामगंजमंडी के उंडवा में सरकार आपके द्वार शिविर में शामिल हुए। इसमें उन्होंने जनसमस्याओं को सुना।

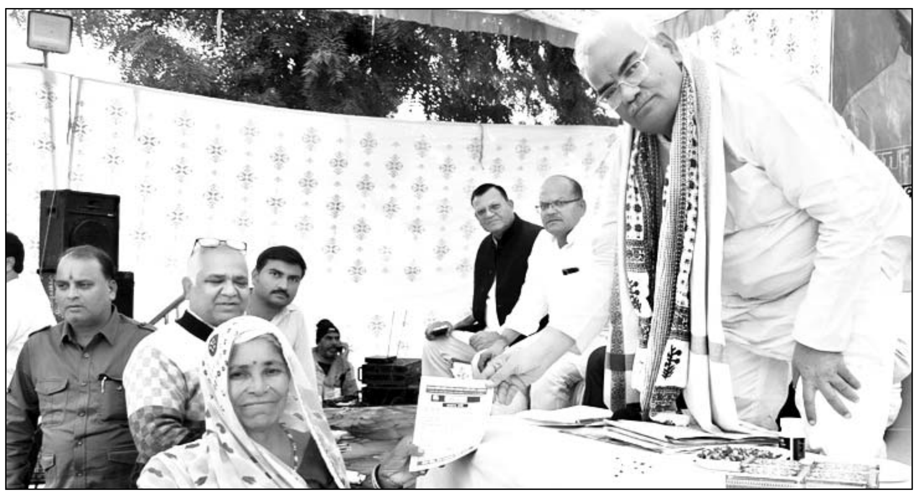

कोटा में मंत्री मदन दिलावर ने आमजन की समस्याओं को सुना।

दो दिव्यांगों को स्वरोजगार के लिए मिला ऋण:- समस्या समाधान शिविर में रोज़गार की आस लेकर पहुंचे दो दिव्यांगों को शिक्षा मंत्री ने तुरंत राहत देते हुए राजस्थान दिव्यांग वर्ग वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड, कोटा से आवेदन भरवा कर तुरंत ऋण स्वीकृत करवाया। दिव्यांग विकास पुत्र युधिष्ठिर के दिव्यांग सबल योजना में 2 लाख 20 हजार रुपए का ऋण ई-मित्र खोलने के लिए स्वीकृत हुए जिसमें 1 लाख 32 हजार रुपए तुरंत विकास के खाते में आ गए। विकास के दोनों हाथ नहीं है।

इसी प्रकार मनोज कुमार को कच्ची घाणी व किराना की दुकान लगाने के लिए दिव्यांग सबल योजना में 2 लाख 20 हजार रुपए स्वीकृत हुए जिसमें से 1 लाख 32 हजार रुपए तुरंत उसके खाते में ट्रांसफर कर दिए गए। दोनों दिव्यांगों ने शिक्षा मंत्री का आभार प्रकट किया। शिक्षा मंत्री के निर्देश पर शिविर में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम के अंतर्गत मौके पर ही बालमुकुंद तथा रोड़ी बाई को जॉब कार्ड बनवाकर दिए गए।

मंत्री ने कहा बूढ़ी मां का सम्मान करो:- समस्या समाधान शिविर में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से वृद्धा रूपा बाई ने फरियाद की कि उनका बेटा और बहू उनकी सेवा नहीं करते। उनके हिस्से की 2 बीघा जमीन भी हड़प ली है और रोटी भी नहीं दे रहे। पति की मृत्यु के बाद स्थिति बहुत खराब हो गई है। बेटा-बहू मुझे गाली देते हैं। मेरी बडी बेटी को मिलने भी नहीं आने देते। मेरा इलाज भी नहीं करवाते और विधवा पेंशन के 1100 रुपए आते हैं वो भी खुद रख लेते हैं।

शिक्षा मंत्री ने वृद्धा के बेटे पीरूलाल और उसकी पत्नी को बुलाकर समझाया कि ये तुम्हारी मां है, इसका सम्मान करो। इसने तुमको पैदा किया है, बचपन में तुम्हारी हर इच्छा पूरी की है और अब जब ये बूढ़ी और बेसहारा हो गई है तो बेटे का फर्ज है कि मां की सेवा करे। शिक्षा मंत्री ने उनसे हाथ जोड़ कर अनुरोध किया कि अपनी मां का अपमान मत करो, उनकी सेवा करो। समझाईश के बाद बेटा-बहू ने भरोसा दिलाया कि अब वे रूपा बाई की सेवा करेंगे। लोगों की शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों को उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए हैं। इस शिविर में जिले के आलाधिकारी मौजूद रहे।

जिला टास्क फोर्स की बैठक दो को

बून्दी (निसं)। उप राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम) 8 दिसम्बर के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन के लिए जिला टास्क फोर्स की बैठक 2 दिसंबर को दोपहर 12.30 बजे जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में रखी गई है।

बूंदी उद्योग एवं हस्तशिल्प मेला संपन्न

बून्दी (निसं)। बून्दी महोत्सव 2024 के साथ ही बून्दी उद्योग एवं हस्तशिल्प मेला 2024 19 से 28 नवम्बर तक कुम्भा स्टेडियम, खोजा गेट रोड के परिसर में आयोजित किया गया। मेले का उद्घाटन कलेक्टर अक्षय गोदारा द्वारा किया गया।

कार्यालय नगर निगम कोटा उत्तर (राज0)

पता :– राजीव गाँधी भवन, दशहरा मैदान, कोटा ई–मेल :–nnkota@gmail.com

क्रमांक :– ननिको(उ)/राजस्व/2024/10081–10091 दिनांक:– 28.11.2024

संशोधित ई–निविदा सूचना 2024–26

नगर निगम कोटा उत्तर द्वारा निगम सीमा क्षेत्र में समस्त डिवाईडरों पर लगे विद्युत पोलो पर लघु विज्ञापन पट्ट (पोल कियोस्क साईज 30"X 40") दोनों तरफ प्रदर्शित किये जाने के लिये ऑनलाईन निविदा क्रमांक ननिको(उ)/राजस्व/2024 /9074–84 दिनांक 13/11/2024 आमन्त्रित की गई थी जिसे अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

1.UBN No. –DLB2425SLOB11866

2.NIB No. –DLB2425A3871

राज.संवाद/सी/24/8465 उपायुक्त राजस्व नगर निगम कोटा उत्तर

खोया पाया

रजनीकांत पुत्र बिरधीचन्द रावल 2 च 13 दादाबाड़ी विस्तार कोटा का इन्वेंटरी पेपर व डिक्लेरेशन गुम हो गया है, किसी को मिलने पर सूचित करें।

न्यायालय औद्योगिक न्यायाधिकरण एवं श्रम न्यायालय, कोटा

क्रमांक : 131 दिनांक : 22.11.2024

प्रकरण संख्या : एल.सी.आर. 97/2012 (सी.एन.आर.- RJKT060000492012)

मान सिंह बनाम चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर सूर्या पावर लि. रंगपुर, कोटा

तारीख पेशी : 10.01.2025

नोटिस बनाम : सोलर सिस्टम एण्ड सिक्योरिटी जरिये व्यवस्थापक विपिन राजौरिया रॉयल सिटी आदित्य आवास, बजरंग नगर, कोटा मो.नं. 9829425670

उपरोक्त उनवान का प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। जिसमें आगामी तारीख पेशी 10.01.2025 नियत है।

प्रार्थी ने आपको पक्षकार बनाने का प्रार्थना पत्र दिनांक 02.11.2018 को पेश किया है। अतः आप दिनांक 10.01.2025 को न्यायालय में पेश होवें। आपको यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त दिनांक को आपके उपस्थित नहीं होने पर प्रकरण में विधि अनुसार अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। नोटिस आज दिनांक 22.11.2024 को जारी किया गया।

न्यायाधीश
औद्योगिक न्यायाधिकरण एवं श्रम न्यायालय, कोटा

बिजली पोल बने प्रचार-प्रसार के साधन

छबड़ा (निसं)। शहर में खड़े बिजली पोल अब सिर्फ बिजली सप्लाई का जरिया नहीं, बल्कि अवैध विज्ञापनों का भी अड्डा बन गए हैं। इन पोलों पर लटके साइन बोर्ड, फ्लेक्स और होर्डिंग्स शहर की सड़कों पर सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। यही नहीं, इस अवैध विज्ञापन सामग्री से शहर की सुंदरता भी प्रभावित हो रही है। जिससे सडकें बदसूरत और अव्यवस्था का शिकार हो गई हैं। प्रमुख सड़कों पर खड़े बिजली पोलों पर साइन बोर्ड और फ्लेक्स विज्ञापन लगाए हुए हैं, जो न सिर्फ दृश्य प्रदूषण का कारण बन रहे हैं। बल्कि इन्हें देख कर यह साफ होता है कि इन विज्ञापनों का सही तरीके से अनुमति भी नहीं ली गई है। इन फ्लेक्स और होर्डिंग्स से सडक पर चलते वाहनों और पैदल चलने वालों को परेशानी हो रही है। इसके साथ की इस बात का खतरा बढ़ रहा है कि कभी भी ये विज्ञापन सामग्री दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। कई स्थानों पर खासकर व्यस्त इलाकों में विद्युत पोलों से लटकी विज्ञापन सामग्री से लोगों का ध्यान भटकता है और सड़क पर दुर्घटनाओं का जोखिम बढता है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

न्यायालय जिला न्यायाधीश, कोटा–राजस्थान

CM 146/2024

(1) आकाश पुत्र श्री रामनारायण जी उर्फ नारायण आयु वर्ष (2) विकास पुत्र श्री रामनारायण जी उर्फ नारायण आयु वर्ष, निवासीगण मोती कुंए के पास, ग्राम ईटावा तह. पीपल्दा, कोटा राज. (3) रक्षा पुत्री नारायण उर्फ रामनारायण, आयु ईटावा तह. पीपल्दा, कोटा राज. हाल निवासी वर्ष निवासी मोती कुंए के पास, ग्राम बूंदी राज. ...... प्रार्थीया

– बनाम –

(1) जनसाधारण (2) बैंक ऑफ इण्डिया, शाखा इन्डस्ट्रीयल एरिया कोटा राज. (आकाश मोल के पास, एरोड्राम सर्किल, कोटा राज.) ...... अप्रार्थीगण

आवेदन अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम जनरल नोटिस

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थीगण आकाश, विकास, रक्षा पिसरान श्री रामनारायण जी उर्फ नारायण आयु वर्ष निवासी-मोती कुंए के पास, ग्राम ईटावा तह. पीपल्दा, कोटा राज. द्वारा इस न्यायालय में नारायण उर्फ रामनारायण, की मृत्यु के उपरान्त उनके एफ.डी. खाता संख्या 66214511004270, 662145110004271 व 662145110004272 बैंक ऑफ इण्डिया, इन्डस्ट्रीयल एरिया कोटा राज. के उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस न्यायालय में दिनांक 19.12.2024 को समय 10 AM बजे स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि/अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा प्रार्थी के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी कर दिया जायेगा। न्यायालय के आदेश से

मोहर

वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय, कोटा (राज.)

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2024/2879 विज्ञप्ति दिनांक:-29.11.2024

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम कुन्हाडी में स्थित कृषि भूमि योजना लक्ष्मण विहार भूखंड संख्या एल-6 खसरा नं. 375 आवेदक/आवेदिका श्रीमती मीना कुमारी सोलंकी पत्नी श्री निर्मल कुमार निवासी 3 समृधि सुखधाम कालोनी डाक बंगले के पास स्टेशन रोड कोटा राज. द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 498 दिनांक 27.06.2013 को श्री निर्मल कुमार टॉक पुत्र श्री मोहन सिंह के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी की मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार दिनांक 25.01.2020 को हो चुकी है। मृतक द्वारा अपने जीवनकाल में अनरजिस्टर्ड वसीयत नामा दिनांक 21.11.2017 को आवेदिका के पक्ष में किया गया है।

अत: श्रीमती मीना कुमारी सोलंकी पत्नी श्री निर्मल कुमार के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2024/2878 विज्ञप्ति दिनांक:-29.11.2024

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम कुन्हाडी में स्थित कृषि भूमि योजना लक्ष्मण विहार-I भूखंड संख्या 1 खसरा नं. 375 आवेदक/आवेदिका श्रीमती मीना कुमारी सोलंकी पत्नी श्री निर्मल कुमार निवासी 3 समृधि सुखधाम कालोनी डाक बंगले के पास स्टेशन रोड कोटा राज. द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 916 दिनांक 30.03.2013 को श्री निर्मल कुमार टॉक पुत्र श्री मोहन सिंह के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी की मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार दिनांक 25.01.2020 को हो चुकी है। मृतक द्वारा अपने जीवनकाल में अनरजिस्टर्ड वसीयत नामा दिनांक 21.11.2017 को आवेदिका के पक्ष में किया गया है।

अत: श्रीमती मीना कुमारी सोलंकी पत्नी श्री निर्मल कुमार के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2024/2877 विज्ञप्ति दिनांक:-29.11.2024

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम कुन्हाडी में स्थित कृषि भूमि योजना लक्ष्मण विहार-I भूखंड संख्या 1-ए खसरा नं. 375 आवेदक/आवेदिका श्रीमती मीना कुमारी सोलंकी पत्नी श्री निर्मल कुमार निवासी 3 समृधि सुखधाम कालोनी डाक बंगले के पास स्टेशन रोड कोटा राज. द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 747 दिनांक 20.03.2013 को श्री निर्मल कुमार टॉक पुत्र श्री मोहन सिंह के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी की मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार दिनांक 25.01.2020 को हो चुकी है। मृतक द्वारा अपने जीवनकाल में अनरजिस्टर्ड वसीयत नामा दिनांक 21.11.2017 को आवेदिका के पक्ष में किया गया है।

अत: श्रीमती मीना कुमारी सोलंकी पत्नी श्री निर्मल कुमार के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2024/2876 विज्ञप्ति दिनांक:-29.11.2024

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम कुन्हाडी में स्थित कृषि भूमि योजना लक्ष्मण विहार भूखंड संख्या एल-7 खसरा नं. 375 आवेदक/आवेदिका श्रीमती मीना कुमारी सोलंकी पत्नी श्री निर्मल कुमार निवासी 3 समृधि सुखधाम कालोनी डाक बंगले के पास स्टेशन रोड कोटा राज. द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 487 दिनांक 27.06.2013 को श्री निर्मल कुमार टॉक पुत्र श्री मोहन सिंह के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी की मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार दिनांक 25.01.2020 को हो चुकी है। मृतक द्वारा अपने जीवनकाल में अनरजिस्टर्ड वसीयत नामा दिनांक 21.11.2017 को आवेदिका के पक्ष में किया गया है।

अत: श्रीमती मीना कुमारी सोलंकी पत्नी श्री निर्मल कुमार के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2024/2875 विज्ञप्ति दिनांक:-29.11.2024

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम कुन्हाडी में स्थित कृषि भूमि योजना लक्ष्मण विहार भूखंड संख्या एल-5 खसरा नं. 375 आवेदक/आवेदिका श्रीमती मीना कुमारी सोलंकी पत्नी श्री निर्मल कुमार निवासी 3 समृधि सुखधाम कालोनी डाक बंगले के पास स्टेशन रोड कोटा राज. द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 486 दिनांक 27.06.2013 को श्री निर्मल कुमार टॉक पुत्र श्री मोहन सिंह के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी की मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार दिनांक 25.01.2020 को हो चुकी है। मृतक द्वारा अपने जीवनकाल में अनरजिस्टर्ड वसीयत नामा दिनांक 21.11.2017 को आवेदिका के पक्ष में किया गया है।

अत: श्रीमती मीना कुमारी सोलंकी पत्नी श्री निर्मल कुमार के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण

निजीकरण के खिलाफ विद्युत कर्मचारी लामबंद हुए

कोटा, (निसं)। विद्युत क्षेत्र के वितरण निगमों में हेम मॉडल के तहत 33/11 केवी ग्रिड सबस्टेशनो के 11 केवी के फीडरों का सेग्रीगेशन और सोलराइजेशन के नाम से निजीकरण किया जा रहा है। इसी तरह विद्युत प्रसारण निगम में कलस्टर के नाम से 400 केवी एवं 765 केवी जीएसएस को भी निजी हाथों में सौंपा जा रहा है एवं उत्पादन निगम में जॉइंट वेंचर के नाम से निजीकरण किया जा रहा है।

संयुक्त संघर्ष समिति के सदस्य रविन्द्र मालव, धनराज गौड़, योगेन्द्र हाडा ने बताया कि डिस्कॉम में विभिन्न प्रक्रियाओं एवं अलग-अलग मॉडलों के नाम से किये जा रहे अंधाधुंध निजीकरण के खिलाफ राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले विद्युत कर्मचारियों ने राजस्थान के सभी वृत्त मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया। इसके तहत कोटा जिले मे विद्युत वितरण, उत्पादन एवं प्रसारण निगम में कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन कर अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन दिया। इसके उपरांत सभी कर्मचारी रैली के रूप में कलेक्ट्रेट कोटा पहुंचे एवं जिला कलेक्टर, कोटा को माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम ज्ञापन देकर विरोध दर्ज करवाया। ज्ञापन के दोरान संयुक्त संघर्ष समिति के सदस्य कपिल मालव, दीपराज दुबे, चेतन गौड़, वीरेन्द्र कश्यप, भरतराम सैनी, मुकेश गोस्वामी, मनीष श्रीवास्तव, हिमांशु बैरवा, रिंकू गुप्ता एवं उत्पादन, प्रसारण एवं वितरण निगम के विद्युत कर्मचारी सैकड़ों की संख्या में मौजूद रहे एवं कड़ा विरोध दर्ज करवाया।

कोटा में निजीकरण के खिलाफ विद्युत कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा

छबड़ा (निसं)। राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति के आ ान पर शुक्रवार को सभी बिजली कम्पनियों के कर्मचारी और अधिकारियों ने कलैक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया और निजीकरण को बंद करने की मांग की।

ज्ञापन के माध्यम से समिति ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि उत्पादन निगम में पॉवर प्लांट का ज्वाइंट वेंचर, प्रसारण निगम के जीएसएस को कलस्टर पर दिया जाना और वितरण निगम में एचएएम मॉडल के रूप में निजीकरण को तुरंत प्रभाव से निरस्त किया जाए। पूरे बिजली विभाग का अलग-अलग रूप में निजीकरण करना सरकार की गलत मंशा को दर्शाता है। राज्य के संपूर्ण विद्युत विभाग का निजी हाथों में जाना एक चिंता जनक विषय है। पांचों बिजली कम्पनियों में अलग अलग चालू हुआ विरोध प्रदर्शन अब एक होता जा रहा है। राज्य के समस्त बिजली कर्मचारी और विद्युत विभाग की सभी यूनियन अब एकजुट होकर निजीकरण के खिलाफ हल्ला बोल चुकी है। ज्ञात रहे कि छबड़ा थर्मल पावर प्लांट में पिछले 42 दिन से विरोध प्रदर्शन जारी है, जिसकी कडी में दो दिन पूर्व ही सद्बुद्धि हवन भी किया गया। पूरे विद्युत विभाग के एक साथ आने से प्रशासन के माथे पर चिंता की लकीरें आना शुरू हो गई है। निजीकरण जैसी बीमारी से लड़ने के लिए आम जनता भी आगे आ रही है। पूरे विद्युत विभाग के तकनीकी कर्मचारी और अभियंता अपनी मेहनत ओर जिम्मेदारी से राज्य को बिजली बनाने से लेकर निर्बाध बिजली पहुंचाने का कार्य करते है, परंतु फिर भी सरकार अपने विद्युत निगम को निजी हाथों में देना चाहती है। सरकार अपनी ही गलत नीतियों से घाटे मे आ चुके बिजली विभाग को बेचने पर आमादा है। किसी भी सरकारी उपक्रम को बैचना किसी समस्या का हल नहीं है। राज्य सरकार को समझना चाहिए।

भाजपा सदस्यता अभियान को लेकर बैठक

बूंदी (निसं)। भाजपा जिला कार्यालय पर शुक्रवार को भाजपा संगठन महापर्व मनाने और राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024 को लेकर शहर मंडल की बैठक शहर अध्यक्ष राजकुमार श्रृंगी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को 50 सदस्य बनना अनिवार्य है जिन कार्यकर्ताओं ने 50 सदस्य बना लिए हैं, उन सदस्यों को सक्रिय सदस्य बनाया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन विश्व का सबसे बडा राजनीतिक संगठन बन चुका है।

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2024/2874 विज्ञप्ति दिनांक:-29.11.2024

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम कोटडी में स्थित कृषि भूमि योजना कृष्णा नगर भूखंड संख्या (67-बी व 68) ए खसरा नं. 133 आवेदक/आवेदिका श्रीमती कमल खुराना पत्नी श्री गुलशन खुराना निवासी 28/194 गुमानपुरा कोटा राज. द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 3865 दिनांक 12.07.2005 को अब्दुल सईद अंसारी पुत्र श्री अब्दुल वहीद अंसारी केपक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी द्वारा उक्त भूखंड संख्या 67-बी, 68 का उपविभाजन आदेश क्रमांक UIT-KOTA/FY24-25/SRA/9 दिनांक 10.10.2024 से भूखंड संख्या (67-बी व 68) ए क्षेत्रफल 1175 वर्गफुट व (67-बी व 68) बी क्षेत्रफल 625 वर्गफुट के रुप में किया गया है। पट्टाधारी द्वारा भूखंड संख्या (67-बी व 68) ए क्षएत्रफल 1175 वर्गफुट का बैचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 16.11.2011 को जर्ये मुख्तारआम श्री घनश्याम बबलानी पुत्र श्री गोविन्द दास बबलानी द्वारा आवेदिका के पक्ष में किया गया है।

अत: श्रीमती कमल खुराना पत्नी श्री गुलशन खुराना के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2024/2873 विज्ञप्ति दिनांक:-29.11.2024

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम आनन्दपुरा उर्फ फूटातालाब में स्थित कृषि भूमि योजना हाडौती कालोनी भूखंड संख्या 5 ब्लॉक-सी खसरा नं. 74 (दस्तावेज), 73 (ले-आउट) आवेदक/आवेदिका श्री गिरीश किशोर नागर पुत्र श्री जुगल किशोर नागर निवासी म.नं. 422 ग्राम हरनावदा शाहजी तहसील छीपाबड़ौद जिला बारां राज. द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 122 दिनांक 16.08.2022 को डॉ. कल्याण दास पुत्र श्री अमीया कान्तिदास के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी द्वारा उक्त भूखंड का बैचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 23.11.2022 को ममता अग्रवाल पुत्र श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल को किया गया है। जिसका ऑन लाईन नाम हस्तान्तरण आदेश क्रमांक 544 दिनांक 27.06.2024 से जारी किया गया है। नामहस्तान्तरी ममता अग्रवाल द्वारा उक्त भूखंड का बैचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 28.10.2024 को जर्ये मुख्तारआम धन्नालाल पुत्र श्री नेनका लाल द्वारा आवेदक के पक्ष में किया गया है।

अत: श्री गिरीश किशोर नागर पुत्र श्री जुगल किशोर नागर के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण

कार्यालय नगर निगम, कोटा उत्तर

क्रमांक:-ननिको(उ.)/उप.न.नियो./2024/9889-90 दिनांक:-26.11.24

सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री हेमन्त कुमार सान्ड पुत्र स्व.श्री कंवरलाल जैन निवासी-आर्य समाज रोड गुलाबबाडी लाडपुरा, कोटा द्वारा भैरूगली रामपुरा कोटा स्थित पट्टेशुदा भूखण्ड जिसका पट्टा नगर निगम कोटा द्वारा आवासीय पट्टा क्रमांक 48 दिनांक 30.10.2021 भूखण्ड क्षेत्रफल 1947 वर्गफीट श्री हेमन्त कुमार जैन पुत्र श्री सुगंध कुमार जैन के पक्ष में किया गया है। आवेदक द्वारा कुल 1947 वर्गफीट में से 313.50 वर्गफीट एवं शेष 1633.50 वर्गफीट का 2 हिस्सों में उपविभाजन चाहा गया है।

आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार उपरोक्त भूखण्ड का उप-विभाजन करने में किसी व्यक्ति संस्था या अन्य कोई जो उक्त भूखण्ड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ती हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 07 दिवस में अपनी आपत्ती लिखित रूप में अधो-हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। उक्त निर्धारित समयावधि के पश्चात कोई आपत्ती मान्य नही होगी।

उप नगर नियोजक नगर निगम कोटा उत्तर

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, (राज.)

क्रमांक:-ननिकोद/जोन-प्रथम/भ.नि.अनु./2024/13455 दिनांक:-29.11.24

स्वामित्व हस्तांतरण बाबत् सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती दिव्या सबरवाल पत्नी श्री संजीव सबरवाल एवं श्रीमती शिल्पा सबरवाल पत्नी श्री अनूप सबरवाल निवासी-599 शास्त्री नगर दादाबाडी, कोटा (राज.) ने नगर निगम, कोटा दक्षिण में स्वयं के नाम भूखण्ड संख्या-599 शास्त्री नगर दादाबाडी, कोटा (राज.) ने नगर निगम कोटा नाम हस्तांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। भूखण्ड संख्या-599 शास्त्री नगर दादाबाडी, कोटा क्षेत्रफल-1800 वर्गफुट का आवंटन कार्यालय मण्डी कमेटी चम्बल परियोजना कोटा के क्रमांक:लेखा/मण्डी/3394 दिनांक 10.10.1969 से श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी श्री फकीर चन्द को किया गया। श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी श्री फकीर चन्द द्वारा उक्त भूखण्ड की वसीयत दिनांक 11.06.1998 को श्री बालकृष्ण अरोडा पुत्र श्री फकीर चन्द के पक्ष में की गई है। श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी श्री फकीर चन्द की मृत्यु दिनांक 19.11.1998 को हो चुकी है। श्री बालकृष्ण अरोडा पुत्र श्री फकीर चन्द ने उक्त भूखण्ड की एक रजिस्टर्ड वसीयतनामा दिनांक 22.12.1999 से श्रीमती दिव्या सबरवाल पत्नी श्री संजीव सबरवाल एवं श्रीमती शिल्पा सबरवाल पत्नी श्री अनूप सबरवाल के पक्ष में वसीयत की गई है। श्री बालकृष्ण अरोडा की मृत्यु दिनांक 09.07.2024 को हो चुकी है। श्रीमती सुदेश अरोडा पत्नी श्री बालकृष्ण अरोडा की मृत्यु दिनांक 02.02.2019 को हो चुकी है। उनके शेष विधिक वारिसान श्रीमती दिव्या सबरवाल पत्नी श्री संजीव सबरवाल एवं श्रीमती शिल्पा सबरवाल पत्नी श्री अनूप सबरवाल है। श्रीमती दिव्या सबरवाल पत्नी श्री संजीव सबरवाल एवं श्रीमती शिल्पा सबरवाल पत्नी श्री अनूप सबरवाल के पक्ष में नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जानी है।

आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम, कोटा दक्षिण में उक्त भूखण्ड के स्वामित्व नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखण्ड का स्वामित्व नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखण्ड से संबंध रखता है, कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। मियाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त नगर निगम, कोटा दक्षिण

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक-4258 **जाहिर आम सूचना** दिनांक 25.11.24

आवास संख्या 2-ई-35 तलवण्डी, कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री संतोष कुमार बाकलीवाल पुत्र श्री चन्द्र कुमार बाकलीवाल को किया गया था। श्री संतोष कुमार बाकलीवाल पुत्र श्री चन्द्र कुमार बाकलीवाल के निवेदन पर अपने नाम के साथ अपने भाई श्री अरूण कुमार बाकलीवाल का नाम दिनांक 03.03.2014 को संयुक्त रूप से जोड़ा गया। इस आवास का पंजीयन श्री संतोष कुमार बाकलीवाल पुत्र स्व.श्री चन्द्र कुमार बाकलीवाल एवं श्री अरूण कुमार बाकलीवाल पुत्र स्व.श्री चन्द्र कुमार बाकलीवाल द्वारा दिनांक 17.05.2016 को संयुक्त रूप से अपने पक्ष में करवाया गया। पंजीयन उपरान्त श्री संतोष कुमार बाकलीवाल पुत्र स्व.श्री चन्द्र कुमार बाकलीवाल द्वारा उक्त आवास का दान जरिये दान पत्र आलेखित कर दिनांक 21.12.2018 को को इनके भाई श्री अरूण कुमार बाकलीवाल पुत्र स्व.श्री चन्द्र कुमार बाकलीवाल को किया गया। श्री अरूण कुमार बाकलीवाल पुत्र स्व.श्री चन्द्र कुमार बाकलीवाल का नाम दिनांक 03.07.2024 को दान पत्र के आधार पर मण्डल अभिलेख में दर्ज किया गया। तत्पश्चात श्री अरूण कुमार बाकलीवाल पुत्र स्व.श्री चन्द्र कुमार बाकलीवाल द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 12.08.2024 को श्री नितिन सोभनानी पुत्र श्री हर भगवान दास सोभनानी को किया गया। श्री नितिन सोभनानी पुत्र श्री हर भगवान दास सोभनानी द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 2-ई-35 तलवण्डी कोटा को विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मण्डल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अत: इस आवास के मण्डल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री नितिन सोभनानी पुत्र श्री हर भगवान दास सोभनानी का नाम दर्ज करनें में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि इस आवास के मण्डल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री नितिन सोभनानी पुत्र श्री हर भगवान दास सोभनानी का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मण्डल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री नितिन सोभनानी पुत्र श्री हर भगवान दास सोभनानी के नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

क्रमांक:-LU2012/KOT/2024-25/100824 **लोक सूचना** दिनांक:-28.11.2024

श्रीमती RAJANI SINGH पत्नी श्री MANVENDER SINGH जाति RAJPUT निवासी PIPALDA HOUSE RAJ BHAWAN ROAD CIVIL LINE NAYAPURA KOTA ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	कुन्हाड़ी लाडपुरा (कोटा)	RAJANI SINGH W/O MANVENDER CASTE-RAJPUT PIPALDA HOUSE RAJ BHAWAN ROAD CIVIL NAYAPURA KOTA	611/291 NORTH SIDE PART	448	0.448
				कुल	0.448

इसलिये, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के आभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 28.11.2024 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

क्रमांक : LU2012/KOT/2024-25/100825 **लोक सूचना** दिनांक : 28.11.2024

श्री GOYAL PROTEINS LIMITED JARIYE DIRECTOR NIRMAL GOYAL पुत्र श्री RAMAVTAR GOYAL जाति MAHAJAN, निवासी NI. KUTUMBAKAM RAIPURA CHORAHA KAITHOON ROAD KOTA ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का औद्योगिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात :-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	कसार, लाड़पुरा (कोटा)	GOYAL PROTEINS LIMITED NH52 KASAR JARIYE DIR. NIRMAL GOYAL S/O LATE SH RAMAVTAR GOYAL CASTE-MAHAJAN H.NO - KUTUMBKAM RAIPURA CHORAHA KAITHOON ROAD KOTA	1459	9500	0.95
			2037/1460	700	0.07
			1466	600	0.06
			1787/1460	13500	1.35
			1789/1462	5200	0.52
			1462	1000	0.1
			1786/1458	6600	0.66
2.	कसार, लाड़पुरा (कोटा)	M/S GOYAL PROTEINS LIMITED 38 RANA PRATAP MARG BADI JAWAHAR NAGAR JARIYE TARA CHAND GOYAL S/O RAMAVTAR GOYAL DIR. COMPANY KHATEDAR	2038/1460	1100	0.11
				कुल	3.82

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनो के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 28.11.2024 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी, कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

बूंदी में होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान की बैठक का आयोजन

कोटा, (निसं)। होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान कोटा डिवीजन के अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी एवं महासचिव संदीप पाडिया ने बताया कि होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान कोटा डिवीजन द्वारा हाड़ौती के पर्यटन विकास को लेकर चलाई जा रही मुहिम के तहत होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान के पदाधिकारियों के साथ पूरी हाड़ौती के पर्यटन स्थलों का भ्रमण करवा जाने के तहत बून्दी ईकाई के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक का आयोजन बूंदी स्थित अन्नता रिसोर्ट पर हुई।

बैठक में पर्यटन सेक्टर से जुड़े होटल एवं रिसोर्ट व्यवसाई ट्यूर एंड ट्रैवल एजेन्ट, गाईड, एवं सफारी व्यवसाईयों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि बैठक में होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान के संरक्षक सुरेंद्र सिंह शाहपुरा, अध्यक्ष हुसैन खान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणविजय सिंह अतिथि के रूप में मौजूद थे उन्होंने बताया कि प्रदेश स्तर की पदाधिकारी हाड़ौती क्षेत्र के सभी जिलों का दौरा कर रहे हैं कोटा के बाद बूंदी जिले का दौरा हुआ।

जयपुर से आये पदाधिकारी ने बूंदी क्षेत्र के तारागढ़ फोर्ट, रानी की बावड़ी, दाभाई कुंड, नवल सागर झील, चतरा महल, हाथीपोल, जैत सागर झील, शिखर बुर्ज, बादल महल, कैसरबाग म्यूजियम, एवं अन्य लोकप्रिय पर्यटक स्थलों का स्थानीय फेडरेशन की टीम के साथ भ्रमण कर उनके इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की।

बूंदी में होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान की बैठक का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर जयपुर से आये होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान के संरक्षकसुरेंद्र सिंह शाहपुरा अध्यक्ष हुसैन खान एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणविजय सिंह ने कहा कि बूंदी में भी ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों की भरमार है यहां पर काफी मात्रा में पर्यटक आते हैं पर्यटन का और आकर्षण बढ़ाने के लिए आगामी सीजन में इन सभी पर्यटन स्थलों का विभिन्न माध्यम से प्रचार -प्रसार कर ज्यादा से ज्यादा पर्यटक हाड़ौती व बुन्दी के विकास के लिए पर्यटन विभाग राजस्थान के साथ मिलकर प्रयास किया जाएगा।

बूंदी जिले में भी ऐतिहासिक अभ्यारण किले झीले है इनके प्रचार-प्रसार के साथ ही किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप सूचित करें। हम उनके राज्य स्तर पर समाधान निकाल करने का पूरा प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान कोटा डिवीजन की बून्दी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप चांदवानी उसने बताया कि कई सरकारी विसंगतियों की वजह से यहां पर होटल व्यवसायों को सरकारी लाभ नहीं मिल पा रहा है हम चाहते हैं कि राज्य स्तरीय सरकारी नियमों की हमें जानकारी मिलें ताकि हमें भी इसका लाभ मिल सकें और यहां के पर्यटन विकास के लिए राज्यस्तर पर यहां के पर्यटन स्थलों का प्रचार प्रसार किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर बुन्दी ईकाई के मुख्म सलाहकार महेश पाटोदी सचिव लोकेश सुखवाल, उपाध्यक्ष मुकेश श्रृंगी, कोषाध्यक्ष भगवान मंडावरा, आलोक दाधीच, नारायण मंडावरा सहित फेडरेशन के कई सदस्य उपस्थित रहे।

सात हजार की रिश्वत लेते लाइनमैन गिरफ्तार

ट्यूबवैल कनेक्शन की वीसीआर ना भरने के नाम पर दस हजार रूपए की रिश्वत मांगी थी

झुंझुनूं, (निसं)। एसीबी टीम ने शुक्रवार को अजमेर डिस्कॉम के खेतडी नगर एईएन कार्यालय में कार्यरत लाइनमैन रामावतार को सात हजार रूपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

एसीबी झुंझुनूं के एएसपी इस्माइल खान ने बताया कि 26 नवंबर को भोदन निवासी परिवादी मुकेश गुर्जर ने शिकायत दी थी कि लाइनमैन टिकुपूरा ढाणा निवासी रामावतार उसे परेशान कर रहा है। वह उसके ट्यूबवैल कनेक्शन की वीसीआर ना भरने के नाम पर दस हजार रूपए की रिश्वत मांग रहा है, जिस पर एसीबी की टीम ने शिकायत का सत्यापन करवाया।

लाइनमैन रामावतार।

■ **खेतड़ी नगर एईएन कार्यालय में एसीबी टीम ने रिश्वत मामले में कार्रवाई की**

शिकायत के दौरान सौदा सात हजार रूपए में तय हुआ। तय हुए सौदे के अनुसार शुक्रवार को परिवादी मुकेश गुर्जर के पास लाइनमैन रामावतार रिश्वत की राशि लेने के लिए उसके खेत पर पहुंचा, जहां पर परिवादी ने रिश्वत की राशि दी तो तुरंत ही एसीबी की टीम ने सीआई सुरेशचंद्र के नेतृत्व में रामावतार को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी में सामने आया है कि लाइनमैन परिवादी को लगातार डरा रहा था कि उसका जो ट्यूबवैल का कनेक्शन उस पर निर्धारित लोड से ज्यादा लोड काम लिया जा रहा है, जिसकी वीसीआर भरी जाएगी तो उसे बड़ा नुकसान होगा। इसलिए वह लगातार रिश्वत की मांग कर रहा था, जिससे परेशान होकर परिवादी ने एसीबी में शिकायत की थी। शनिवार को आरोपी लाइनमैन को जयपुर के विशेष एसीबी कोर्ट में पेश किया जाएगा।

शॉर्ट सर्किट से दुकान में आग लगी

करौली, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित मासलपुर चुंगी क्षेत्र में बुधवार-गुरूवार की रात्रि को एक परचून की दुकान में आग लग गई। शॉर्ट सर्किट से आग लगने के कारण दुकान में रखा हजारों रुपए का माल और एक मोटरसाइकिल जलकर खाक हो गई। फायर बिग्रेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे सिग्मा कॉन्स्टेबल जगराम ने फायर ब्रिगेड को सूचित किया। फायर ब्रिगेड टीम ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे आसपास के इलाके में बड़ा नुकसान होने से बच गया। फायरमैन राज गुर्जर ने बताया कि मासलपुर चुंगी क्षेत्र में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची और तेजी से राहत बचाव कार्य शुरू किया। आग इतनी तेज थी कि दुकान में रखा हजारों रुपए का सामान पूरी तरह जल गया। इस दौरान बाहर खड़ी एक मोटरसाइकिल मे भी आग लग गई। पुलिस और प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है। दुकान मालिक गुड्डु और आसपास के लोगों से घटना के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

दहेज हत्या मामले में सास-ननद को 7-7 साल की सजा

दहेज हत्या के करीब आठ साल पुराने मामले में न्यायालय ने सुनवाई की

कोटा, (निसं)। दहेज हत्या के करीब आठ साल पुराने मामले में न्यायालय ने सुनवाई करते हुए आरोपी सास व ननद को दोषी मानते हुए सात-सात साल की सजा सुनाई। मामले में महिला उत्पीड़न क्रम दो के न्यायाधीश ने सुनवाई करते हुए गोदल्याहेड़ी निवासी सास कमला बाई और ननद देवकी को दोषी मानते हुए सात-सात साल की सजा से दंडित किया।

अपर लोक अभियोजक भूपेंद्र मित्तल ने बताया कि 24 अक्टूबर 2016 को फरियादी इटोडा गांव निवासी सत्यनारायण ने कैथून थाने में रिपोर्ट दी जिसमें बताया कि उसकी बड़ी बहिन ऊषा की शादी तीन वर्ष पहले गोदल्याहेड़ी निवासी गजानन उर्फ लड्डू लाल के साथ हुई थी। रिपोर्ट में कहा

■ **आरोपियों के खिलाफ 23 गवाहों के बयान हुए**

कि शादी के कुछ समय बाद से उसकी बड़ी बहन को उसकी सास-ससुर, देवर, ननद और उसका पति दहेज की मांग को लेकर प्रताडित करते और उससे आए दिन मारपीट करते थे। जब भी उनकी बहन ससुराल से गांव आती तो अपने ससुराल वालों के खिलाफ शिकायत भी करती थी। एक बार बहन को समझाकर उसको ससुराल भी भेज दिया था। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उनके दादाजी की मौत पर उनकी बहन तीन दिन में गांव आई थी लेकिन दादाजी के गम की वजह से किसी से कुछ नहीं कह पाई और किसी से कुछ कहे बिना ससुराल चली गई।

फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उसकी बहन के देवर का फोन आया था कि तुम्हारी बहन की मौत हो गई। रिपोर्ट में बताया कि उसको शक है कि उसकी बहन को जहर देकर या गला घोंटकर मारा गया है। पुलिस ने रिपोर्ट पर धारा 304-बी में मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपियों को गिरफ्तार किया अनुसांधान के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 304-बी, 34 आईपीसी के तहत न्यायालय में चालान पेश किया। मामले में 23 गवाहों के बयान हुए। मामले में न्यायालय ने सुनवाई करते हुए आरोपी सास कमला बाई और ननद देवकी को दोषी मानते हुए सात-सात साल की सजा सुनाई

कृषि कनेक्शन के बदले 45 हजार की रिश्वत ली थी, जांच में दोषी माना

बीकानेर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने पिछले साल जून में नोखा के साठिका गांव में कृषि कनेक्शन के बदले 40 हजार रुपए की रिश्वत लेने की जांच पूरी कर ली है। जांच में दो आरोपियों को दोषी माना जिनके खिलाफ कोर्ट में चालान पेश कर दिया है। आरोपियों ने 50 हजार की रिश्वत मांगी थी। पीड़ित ने प्रतिवाद किया तो मान रखने की कहकर 50 हजार को 45 हजार कर पांच हजार लौटा दिए।

जोधपुर विद्युत वितरण निगम के कार्यालय आदेश पर फर्म भावरिया कंस्ट्रक्शन को नोखा के साठिका गांव में परिवादी सीताराम प्रजापत के पिता

■ **एसीबी ने पिछले साल जून में नोखा के साठिका गांव में कृषि कनेक्शन के बदले रिश्वत लेने की जांच पूरी की**

मघाराम की जमीन पर कृषि कनेक्शन करना था। इसके लिए बिजली की लाइन डालकर ट्रांसफार्मर लगाना था। इसके लिए फर्म का काम करने वाले सीकर निवासी सुरेश कुमार बाजिया और रोहित मीणा ने 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। एसीबी ने दो जून, 2023 को दोनों आरोपियों को 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते ट्रैप किया था। इस मामले की जांच पूरी कर ली गई है। एसीबी ने दोनों आरोपियों को दोषी माना और एएसपी महावीरप्रसाद शर्मा ने भ्रष्टाचार निवारण न्यायालय में चालान पेश कर दिया है। जांच में खास बात यह आई कि रिश्वतखोरों ने परिवादी से 50 हजार रुपए मांगे और 45 हजार रुपए लिए। इसमें से मान-सम्मान के नाम पर पांच हजार रुपए वापस लौटा दिए थे।

नोखा में कुंभासर गांव निवासी परिवादी सीताराम प्रजापत ने एक जून, 2023 को एसीबी की बीकानेर चौकी में रिपोर्ट दी थी कि उसके पिता मघाराम के नाम साठिका गांव में जमीन है। वहां कृषि कनेक्शन लेना था। इसके लिए जोविविनिलि से डिमांड नोटिस जारी हुआ जो जुलाई, 2022 में भर दिया। खेत में विद्युत लाइन डालने और ट्रांसफार्मर लगाने के आदेश 28 फरवरी, 2023 को हुए। संबंधित फर्म ने यह काम अपने कार्मिक ठेकेदार सुरेश कुमार बाजिया और रोहित मीणा को सौंपा। उन्होंने इस काम के 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। परिवादी ने इसकी शिकायत एसीबी में की। शिकायत का सत्यापन करवाया गया। उसके बाद 2 जून को ट्रैप की कार्यवाही की गई। एसीबी ने दोनों आरोपियों को 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था।

भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर भाजपा पार्षदों का बोर्ड मीटिंग में हंगामा

चौंमू/कालाडेरा, (निंस)। शुक्रवार को नगरपरिषद चौंमू की साधारण सभा की बैठक में भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा पार्षदों ने भारी हंगामा किया। जैसे ही मीटिंग शुरू हुई भाजपा पार्षदों ने पूर्व में किए गए विकास कार्यों में जैसे सड़क, नाली, तिरंगा लाइट, स्ट्रीट लाइट लाइट सहित अन्य कार्यों में किए गए भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ सभापति से जवाब मांगा।

■ **जैसे ही मीटिंग शुरू हुई भाजपा पार्षदों ने पूर्व में किए गए विकास कार्यों में किए गए भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ सभापति से जवाब मांगा**

नगरपरिषद चौंमू की साधारण सभा की बैठक में पार्षदों ने हंगामा किया।

इससे पहले भी भाजपा पार्षदों ने स्वायत्त शासन विभाग में शिकायत की थी। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विभाग ने तत्कालीन अधिशासी अधिकारी, सहायक अभियन्ता व कनिष्ठ अभियंता को निलंबित कर दिया था। इसी तरह पूर्व में सड़कों की गुणवत्ता को लेकर भी शिकायतें हुई थी। इसके बावजूद नगर परिषद में ख़राब गुणवत्ता की सड़कें बनायी जा रही है व राजकीय कोष का दुरुपयोग किया जा रहा है।

भाजपा पार्षद गजेन्द्र यादव ने बताया कि सभापति द्वारा किए गए भ्रष्टाचार के संबंध में जब चौंमू विधायक शिखा मील बराला से सवाल किया कि आपकी सहमति से सभापति भ्रष्टाचार कर रहे हैं क्या? अगर नहीं, तो आप द्वारा शिकायतों के आधार पर इसमें नकेल क्यों नहीं कसी गई है। चौंमू विधानसभा क्षेत्र में इस समय विधायक, सांसद व सभापति सहित नगरपरिषद में कांग्रेस का बोर्ड है। आपको इस संबंध में जनता को जवाब देना चाहिए, लेकिन सभागार में विधायक शिखा मील बराला की चुप्पी भी आशंका पैदा करती है। साथ ही पार्षद राहुल शर्मा ने तिरंगा लाइट का मामला प्रमुखता से उठाया। साथ ही संदीप शर्मा, बाबूलाल यादव, बाबूलाल सैनी, मुकेश सिद्ध, सुनील अग्रवाल, मातादीन अग्रवाल व अनीता कुमावत सहित अन्य पार्षदों ने भी अपनी वार्ड की समस्याओं को लेकर हंगामा किया।

जयपुर में 1.47 करोड़ की लूट के बाद चूरू में हत्या करने वाला मुख्य सरगना गिरफ्तार

चूरू, (कासं.)। चूरू सदर थाना पुलिस ने जयपुर में 1.47 करोड़ रुपए की लूट के बाद चूरू में हत्या करने वाले मुख्य सरगना अमित कुमार उर्फ मितला को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आईपीएस ने बताया कि मितला 15 हजार रुपए का इनामी आरोपी है। यादव ने बताया कि 2 नवम्बर 2024 को प्रेमचंद पुत्र ओमप्रकाश प्रजापत (45) निवासी वार्ड नम्बर 46 चूरू ने रिपोर्ट दी कि वह भतीजा नरेन्द्र प्रजापत के साथ पार्टी कर रात्रि के समय मोटरसाइकिल पर घर आ रहा था। रास्ते में एक थार गाड़ी को रोड के बीच लगाकर मोटरसाइकिल को रूकवाकर आरोपी अमित उर्फ मितला, शुभम ढाका व उसके साथियों ने लाठियों से मारपीट कर नरेन्द्र की हत्या कर फरार हो गये। मामले को गंभीरता से लेते हुए लोकन्द्र दादरवाल आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू, सुनिल कुमार झाझड़िया आरपीएस वृताधिकारी वृत चूरू के निकटतम सुपरविजन में बलवन्त सिंह उनि थानाधिकारी पुलिस थाना सदर चूरू ने थाना स्तर पर टीम का गठन किया। अलग- अलग टीमों द्वारा हत्या के मुख्य सरगना आरोपी अमित कुमार उर्फ मितला की सीसीटीवी फुटेज व

चूरू सदर थाना पुलिस ने चूरू में हत्या करने वाले मुख्य सरगना अमित कुमार उर्फ मितला को गिरफ्तार किया।

लोकेशन के आधार पर रूट मैप बनाकर जयपुर, सीकर, फतेहपुर, जोधपुर, नागौर में अलग-अलग स्थानों पर दबीश की गई। साइबर सैल व मुखबिर के सहयोग से आरोपी अमित कुमार के भिवण्डी (महाराष्ट्र) में छुपने का पता लगने पर वहां पर दबीश दी गई, मगर आरोपी वहां से फरार हो गया। पुलिस ने लगातार पीछा करके आरोपी अमित कुमार उर्फ मितला पुत्र योगेन्द्र जाट निवासी बूटिया पुलिस थाना सदर चूरू को फतेहपुर से दस्तयाब कर गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी अमित कुमार उर्फ मितला जयुपर में 1 करोड़ 47 लाख रुपए की लूट करने के बाद वहां से फरार हो गया था। फरार होने के बाद पूर्व की रंजीश को लेकर चूरू आकर नरेन्द्र प्रजापत की

■ **15 हजार रुपए के इनामी आरोपी मितला ने दो नवम्बर को चूरू के नरेन्द्र प्रजापत की हत्या की थी**

■ **फरारी के दौरान अमित कुमार उर्फ मितला पुष्कर व मुम्बई में जाकर भीख मांगने लगा था**

हत्या की और फरार हो गया। आरोपी अमित कुमार अपनी फरारी के दौरान पुष्कर व मुम्बई में जाकर भीख मांगकर अपना पेट भरने लगा। वह अपना हुलिया बदलकर पुलिस को शक ना हो इसलिए भिखारियों के बीच ही सोने लगा। इसकी गिरफ्तारी में साइबर सैल चूरू के रमाकान्त कांनि. की विशेष भूमिका रही। पुलिस थाना सदर चूरू टीम में बलवन्त सिंह उनि थानाधिकारी, सज्जन कुमार हैड कानि, नवीन साइबर सैल, सरजीत कांनि. शामिल रहे। आरोपी अमित कुमार पर आर्म्स, पॉक्सो, लूट, हत्या आदि सहित 12 प्रकरण दर्ज हैं।

नीट पीजी दाखिले की अंतिम सूची पर हाईकोर्ट की रोक

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीट (पीजी) 2024 की अस्थायी राज्य मेरिट लिस्ट में हुई तकनीकी गलती को लेकर राज्य के काउंसलिंग बोर्ड को अगले आदेश तक राज्य कोटे के तहत चिकित्सा पीजी पाठ्यक्रमों में उम्मीदवारों के दाखिले की सूची को अंतिम रूप देने से रोक दिया है।

न्यायाधीश दिनेश मेहता की एकल पीठ में 45 याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता कैलाश जांगिड़ तथा मोहनसिंह शेखावत ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को अधिक अंक मिले थे। वे मेरिट लिस्ट में उच्च स्थान पर थे लेकिन काउंसलिंग बोर्ड उन्हें कम अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों से नीचे रख रहा है। उन्होंने कहा कि 22 नवंबर, 2024 को जारी की गई अस्थायी राज्य मेरिट लिस्ट में तकनीकी या प्रक्रियागत त्रुटियां हैं। इसके कारण गलत उम्मीदवारों को दाखिला दिया जा रहा है।

■ **त्रुटियों को ठीक करने के लिए काउंसलिंग बोर्ड को सात दिन का समय**

■ **मामले की अगली सुनवाई 5 दिसंबर निर्धारित की गई है**

हाईकोर्ट ने याचिका में दी गई जानकारी की पुष्टि करते हुए पाया कि याचिकाकर्ताओं के आरोपों में आधार है। पीठ ने काउंसलिंग बोर्ड को सात दिन का समय दिया है ताकि वह मामले की जांच कर त्रुटियों को ठीक कर सके। मामले की अगली सुनवाई 5 दिसंबर निर्धारित की गई है। तब तक राज्य के काउंसलिंग बोर्ड को नीट (पीजी) कोर्स 2024 के उम्मीदवारों के दाखिले की अंतिम सूची जारी करने से रोका गया है।

राजस्थान सरकार
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर 342304 राजस्थान, भारत

ई-निविदा 22/2024-25

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा Bio Control Lab Equipment for Dr. BRC ARS, Mandor की खरीद के लिए ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत विवरण एवं जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN NO.: JAU2425GLOB00156 EPROC ID: 2024_AGUJD_432706_1

नियंत्रक(वित्त)
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

राज.संवाद/सी/24/8469

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2024-25/177-179 Date : 27/11/2024

ई-निविदा संशोधन सूचना

प्राधिकरण द्वारा जारी ई-निविदा सूचना संख्या: 43/2024-25 के कार्य संख्या-02 की तिथियों में अपरिहार्य कारणों से निम्नानुसार संशोधन किया गया है, ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड एंव EMD, Tender Fee & Processing Fee Online दिनांक: 05-12-2024 को सांय: 6.00 बजे तक जमा की जा सकेगें एवं दिनांक: 06-12-2024 को प्रातः 11.00 बजे खोली जावेगी। अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

अधिशाषी अभियन्ता - तृतीय
उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/24/8491

BIKANER TECHNICAL UNIVERSITY
Karni Industrial Area, Pugal Road, Bikaner-334004

Ref. No. : BTU/EXAM/2024/23374 Date : 27/11/2024

Notice Inviting Bid

Bikaner Technical University invites following bids:

Sr. No.	Particulars	Estimated Cost	NIB No.	UBN No.	Last Date & Time
1.	Printing and Distribution of Theory and Practical Answer Books.	28.00 Lacs	BTU2425 A0002	BTU2425 GLOB00002	07.12.2024 up to 5:00 P.M.

Others particulars of the bids can be find on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in of the state and Bikaner Technical University website www.btu.ac.in.

Raj.Samwad/C/24/8484 (CoE)

RAJASTHAN STATE TEXT BOOK BOARD
2-2A, Jhalana Dungri, Jaipur, Phone : 0141-2700540, 2711237, 2703657 Fax: 0141-2710362

No. : F-7/Production/RSTB/24-25/6264 Date : 28.11.2024

Notice Inviting Bid

E-Bids are invited for Job work of printing of Books having following details :

S. No.	Bid No.	Items	Specifications	Bid Value (in Crore)	Last date/ time of submission	UBN
1	338	Printing of Books	Sheet offset Printing	40.00	18.12.2024 (6:00 PM)	TBB2425SLRC 00062
2	339	Printing of Books	Web Offset Printing	20.00	18.12.2024 (6:00 PM)	TBB2425SLRC 00063

Details of the bids may be seen on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in and https://sppp.rajasthan.gov.in

Raj.Samwad/C/24/8513 Secretary

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त-धौलपुर

क्रमांक-2070-2082 दिनांक-25.11.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या- 03/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से अधिशाषी अभियंता सा.नि.वि. खण्ड धौलपुर के अधीन अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास, जिला धौलपुर (दोष निवारण अवधि 05 वर्ष सहित) के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

NIB NO. PWD2425A2907, UBN NO. PWD2425WSOB10654

अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत्त धौलपुर

DIPR/C/11915/2024

बदमाशों ने 24.65 लाख रुपये से भरे एटीएम को गैस कटर से काटा, लूट का प्रयास विफल

पुलिस गश्त की भनक लगते ही भाग छूटे बदमाश, एटीएम पर तैनात सुरक्षा गार्ड पास की ही दुकान में सो रहा था

सिकराय, (निसं)। सिकंदरा थाना क्षेत्र के गीजगढ़ कस्बे में बीती रात को अज्ञात बदमाशों द्वारा एसबीआई बैंक के एटीएम को गैस कटर के काटकर लूट का प्रयास किया गया, लेकिन इस दौरान पुलिस गश्त को देखकर बदमाश भाग गए। इससे एटीएम मशीन में रखे 24.65 लाख रुपए लूट से बच गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जानकारी ली। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद नहीं हो, इसे लेकर बदमाशों ने एटीएम कक्ष में लगे सीसीटीवी कैमरों पर कालिख लगा दी।

गीजगढ़ चौकी प्रभारी सोबरन सिंह ने बताया कि रात्रि करीब तीन बजे कस्बे के मुख्य बाजार में लगे एसबीआई बैंक के एटीएम को लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए बदमाश गैस कटर व अन्य उपकरण लेकर पहुंचे। बदमाश इतने शातिर थे

दौसा से आई एमओबी व एफएसएल की टीम सहित पुलिसे ने साक्ष्य जुटाए।

कि पुलिस की पकड़ से बचने के लिए एटीएम पर लगे सीसीटीवी कैमरे पर कालिख लगा दी, जिससे उनके चेहरे कैमरे में कैद नहीं हो सके। उन्होंने एटीएम मशीन कक्ष के ताले की कुंदी काटकर शटर खोल दी, जिसके बाद एटीएम को काटकर कैश लूट की वारदात को अंजाम देने वाले थे। उसी वक्त पुलिस टीम गश्त कर रही थी, जिसे देखकर चोर मौके से फरार हो गए। घटना के दौरान एटीएम पर तैनात सुरक्षा गार्ड भी पास की ही दुकान में

■ **वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद नहीं हो, इसे लेकर बदमाशों ने एटीएम कक्ष में लगे सीसीटीवी कैमरों पर कालिख लगा दी**

सो रहा था। एटीएम को बदमाशों द्वारा तोड़ने के प्रयास की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची, जहां गैस कटर से शटर का ताला कटा मिला। पुलिस ने मौके से गैस कटर सहित अन्य सामान जब्त किए हैं। ऐसे में एटीएम लूट की वारदात को अंजाम देने आए चोर कितने थे और किस वाहन से आए थे, पुलिस इसका पता लगाने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज जुटाकर बदमाशों की तलाश में जुट गई है।

लाखों रुपए सुरक्षित बचे :- एटीएम मशीन को लूट के प्रयास की घटना की जानकारी मिलते ही बैंक के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। बैंककर्मियों ने घटना का जायजा लेकर एटीएम मशीन को खोलकर देखा तो एटीएम में रखे पैसे 24 लाख 65 हजार रुपये सुरक्षित मिले। बदमाशों ने एटीएम को तोड़ने के लिए गैस कटर से एटीएम मशीन को काटने का प्रयास किया।

गीजगढ़ चौकी प्रभारी सोबरन सिंह ने बताया कि एटीएम मशीन को तोड़ने के प्रयास की घटना को लेकर कस्बे में सड़क मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए हैं और वारदात के खुलासे के लिए जानकारी जुटाई जा रही है। दौसा से आई एमओबी व एफएसएल की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं।

'जयपुर में 5000 करोड़ के वेटरनरी कॉलेज पर पिछले पांच साल से अवैध कब्जा'

डॉ.किरोड़ी मीणा और कॉलेज संस्थापक 92 वर्षीय डॉ. राज खरे ने ए.सी.बी. मुख्यालय पहुंचकर धरना दिया

जयपुर। मंत्री किरोड़ीलाल मीणा शुक्रवार को वयोवृद्ध चिकित्सक डॉ.राज खरे के साथ झालाना स्थित भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने आगरा रोड पर 5000 करोड़ के वेटरनरी कॉलेज पर कब्जा करने की शिकायत की। मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति और पूर्व मुख्यमंत्री स्व.भैरोंसिंह शेखावत ने अमेरिका जाकर डॉक्टर राज खरे को राजस्थान में निवेश का न्यौता दिया था। इसके बाद इन्होंने करोड़ों रुपए लगाकर जयपुर में आगरा रोड पर बहुत बड़ा अपोलो वेटरनरी कॉलेज खोला था। जो मौजूदा वक्त में 4 से 5 हजार करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी है। पिछले कुछ सालों में वहां असामाजिक तत्वों ने कब्जा कर लिया है। डॉ. राज खरे वर्ष 2019 से राजस्थान सरकार के चक्कर ही काट रहे हैं। एसीबी में भी इन्होंने तीन केस दर्ज कर दिए। तीनों विभिन्न जांच अधिकारियों से प्रमाणित भी है। परंतु कहीं कोई सुनवाई या कार्रवाई नहीं हो रही है। कोर्ट ने इस मामले में काला धन इकट्ठा होने का भी अंदेशा जताया है। इसके खिलाफ ईडी और इनकम टैक्स में भी शिकायत करने की तैयारी की जा रही है। कोर्ट ने अतिक्रमियों के खाते भी सीज कर दिए थे। परंतु कुछ वक्त बाद ही न जाने किस वजह से उनके खातों को फिर से खोल दिया गया है।

मंत्री किरोड़ी ने एसीबी ऑफिस में नाराजगी जताते हुए कहा कि, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्रवाई के लिये कह दिया, इसके बाद भी 92 साल का बुजुर्ग एसीबी के दरवाजे पर खड़ा है। मैं इसे उचित नहीं मानता। यह बिल्कुल भी ठीक नहीं है। हमारी सरकार संवेदनशील है, लेकिन यहां पर न जाने संवेदन शून्यता क्यों है? यह मेरे भी समझ से बाहर है। किरोड़ीलाल ने कहा कि राजस्थान में निवेशकों को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। अगर निवेशक की प्रॉपर्टी पर ही कब्जा हो गया। सरकार को जल्द से जल्द कब्जा हटाकर निवेशकों की प्रॉपर्टी फिर से इन्हें दिलानी चाहिए।

मुख्यमंत्री की सुनवाई क्यों नहीं हो रही, इस सवाल पर किरोड़ी ने कहा कि इस जवाब तो मुख्यमंत्री ही दे सकते हैं। मैं मंत्री हूं, मेरे विभाग में तो अधिकारी मेरी सुनते ही हैं भाई। किरोड़ीलाल ने कहा कि डॉक्टर खरे ने पूरे राजस्थान के युवाओं के लिए कॉलेज खोला था। ताकि राजस्थान के युवा वेटरनरी शिक्षा हासिल कर सकें। मौजूदा वक्त में वहां कुल 500 स्टूडेंट्स हैं। इनमें से महज 200 ही राजस्थान के है। वहीं, बाहर के लोगों से बड़ी फीस लेकर उन्हें कॉलेज में एडमिशन दिया जा रहा है। इसकी शिकायत भी दी जा चुकी है। जो अदालत के आदेश के बाद प्रमाणित है। इसके तहत आरोपियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

मंत्री किरोड़ी ने कहा कि इस मामले को लेकर मैं डॉ. राज खरे को 20 दिन पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भी मिलाने ले गया था। मुख्यमंत्री ने हमें कार्रवाई का आश्वासन दिया था। उन्होंने आईजी मुख्यमंत्री सिक्योरिटी गौरव श्रीवास्तव से इस मामले पर कार्रवाई के लिए भी कहा था। परंतु गौरव श्रीवास्तव ने डॉ.खरे से मुलाकात करना तक मुनासिब नहीं समझा। इसकी वजह से 92 साल का बुजुर्ग दर-दर की ठोकर खाने को मजबूर हो रहा है। एसीबी में भी कोई सुनवाई नहीं हो रही। इसके खिलाफ आज यह यहां पर धरना दे रहे हैं। किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि डॉक्टर खरे पिछले 5 महीने से अमेरिका छोड़कर जयपुर में रह रहे हैं। उनके बच्चे इन्हें बुला रहे हैं। कोई बात नहीं आपकी प्रॉपर्टी डूब गई। उसे छोड़कर फिर से अमेरिका आ जाओ। इनकी यही मांग है कि जब तक उनकी प्रॉपर्टी आम जनता के काम नहीं आएगी। यहां से कहीं नहीं जाएंगे। अभी यह डीजी के कमरे में धरना दे रहे थे, लेकिन मैं इन्हें समझा कर नीचे लाया हूं। अब यह यहां पर धरने पर बैठे हैं।

डॉ राज खरे ने कहा कि एक तरफ राजस्थान में सरकार निवेशकों को बुलाने की बात कर रही है। दूसरी ओर हम जैसे निवेशकों के साथ धोखा हो रहा है। ऐसे में मैं अब 9 दिसंबर से शुरू होने जा रहे राइजिंग राजस्थान का भी विरोध करूंगा। आज में एसीबी मुख्यालय में धरना देकर अपने विरोध की शुरुआत कर रहा हूं। ताकि दुनिया भर के निवेशकों को पता चल सके राजस्थान में किस तरह निवेशकों के साथ धोखा होता है।

डॉ. राज खरे ने ए.सी.बी. मुख्यालय पर धरना दिया।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से 20 दिन पहले डॉ. खरे को मिलवाया था, तब सी.एम. ने तुरंत कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन ए.सी.बी. और पुलिस के अधिकारी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं : डॉ. किरोड़ी**
- **मंत्री किरोड़ी लाल ने कहा कि ''मुख्यमंत्री द्वारा कार्रवाई के लिये कहने के बावजूद 92 वर्षीय डॉक्टर ए.सी.बी. में खड़ा है। हमारी सरकार सवेदनशील हैं, लेकिन यहां शून्यता क्यों?''**
- **पूर्व उपराष्ट्रपति और पूर्व मुख्यमंत्री स्व.भैंरोसिंह शेखावत ने अमेरिका जाकर डॉ.खरे को राजस्थान में निवेश का न्यौता दिया था, इसके बाद डॉ. ने जयपुर में करोड़ो रुपये लगाकर आगरा रोड पर वेटरनरी कॉलेज की स्थापना की थी।**
- **पीड़ित डॉ. राज खरे ने 9 दिसंबर से जयपुर में हो रहे राइजिंग राजस्थान के विरोध की घोषणा करते हुए कहा कि ''एक तरफ राजस्थान सरकार निवेशकों को बुलाने की बात कर रही है, वहीं दूसरी तरफ हम जैसे निवेशकों के साथ धोखा हो रहा है।''**

राज्यपाल ने ''आदि महोत्सव 2024'' का शुभारंभ किया

राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने जवाहर कला केंद्र के शिल्प ग्राम में जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, ट्राइफेड द्वारा आयोजित ''आदि महोत्सव'' का शुभारम्भ किया।

जयपुर। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के ट्राइफेड क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर की ओर से आदि महोत्सव 2024 का आयोजन 29 नवंबर से 8 दिसंबर तक किया जा रहा है। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने आज जवाहर कला केंद्र के शिल्प ग्राम में जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, ट्राइफेड द्वारा आयोजित ''आदि महोत्सव'' का शुभारम्भ किया। उन्होंने इस अवसर पर महोत्सव में देशभर के राज्यों से भाग लेने वाले शिल्पकारों, कलाकारों का अभिनंदन करते हुए आम जन से आव्हान किया कि दैनिक जीवन में जनजातीय उत्पादों का अधिकाधिक उपयोग किया जाए।

बागडे ने समारोह में बिरसा मुंडा की स्मृति को नमन करते हुए कहा कि वह अंग्रेजों से ही नहीं लड़े बल्कि आदिवासी क्षेत्रों में निरंतर जागरूकता का कार्य किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर 2021 से प्रतिवर्ष हमारे यहां 15 नवंबर को जनजाति गौरव दिवस मनाया जाता है। यह दिवस जनजातीय परंपराओं को सहेजने, उनके विकास और उनके समग्र कल्याण को समर्पित है।

राज्यपाल ने आदिवासी परंपराओं के संरक्षण पर जोर देते हुए प्रकृति पोषण से जुड़े उनके कार्य अपनाए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने जनजातियों के समग्र विकास के लिये उनसे जुड़े क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर उनके आजीविका के अधिकाधिक अवसर प्रदान करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि देश की गरीबी तभी कम होगी जब राष्ट्र के बच्चे पढ़ेंगे।

नगर निगम ग्रेटर की महापौर डा. सौम्या गुर्जर ने आदि महोत्सव को वोकल फोर लोकल मुहिम को आगे बढ़ाने वाला बताया। ट्राइफेड के क्षेत्रीय प्रबंधक संदीप शर्मा ने सभी का स्वागत व धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इस महोत्सव में प्रतिदिन शाम को जनजातीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (टी.आर.आई.) उदयपुर, राजस्थान सरकार और केंद्रीय संचार ब्यूरो, भारत सरकार तथा नगर निगम ग्रेटर, जयपुर के समन्वय से किया जाएगा। इस मेले मे राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड तथा नॉर्थ ईस्ट के जनजातीय कारीगर , शिल्पकार भाग लेंगे।

'सिरसी रोड पर प्रभावितों को सुनकर जे.डी.ए कार्रवाई करे'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जेडीए को कहा है कि वह सिरसी रोड बाईपास से क्वींस रोड तिराहे के बीच आने वाले अतिक्रमणों को हटाने से पहले प्रभावितों सुनवाई का मौका देकर विधि सम्मत कार्रवाई करे। इसके साथ ही अदालत ने इस संबंध में दायर जनहित याचिका को निस्तारित कर दिया है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने यह आदेश विजय कुमार बोयत की जनहित याचिका में दायर प्रभावितों तुलसी देवी व अन्य की ओर से दायर प्रार्थना पत्र पर दिए। अदालत ने पूर्व में जेडीए को दो माह में यहां से अतिक्रमण हटाने को कहा था।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता अजय चौधरी ने बताया कि प्रभावित व्यापारियों को सुने बिना खंडपीठ ने उन्हें अतिक्रमी मानकर पूर्व में आदेश पारित किया है। ऐसे में अदालती आदेश की आड़ में अब उन्हें सीधे हटाया जा रहा है। जबकि कई व्यापारियों के पास वैध दस्तावेज भी हैं। वहीं हाईकोर्ट की ओर से उन्हें अतिक्रमी मानने पर अब उन्हें किसी अन्य स्तर पर राहत भी नहीं मिल सकती। ऐसे में खंडपीठ के पूर्व के आदेश को वापस लिया जाए और उनका पक्ष भी सुना जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने जेडीए को निर्देश देते हुए जनहित याचिका का निस्तारण कर दिया। प्रभावितों के वकील ने बताया कि खंडपीठ ने माना कि सड़क की चौडाई और अतिक्रमण पर कार्रवाई के लिए जेडीए अधिकृत है। गौरतलब है कि खंडपीठ ने गत 21 नवंबर को जेडीए को आदेश दिए थे कि वह अतिक्रमी को नोटिस देकर दो माह में सड़क को अतिक्रमण मुक्त करे। इस पर प्रभावितों की ओर से प्रार्थना पत्र दायर कर आदेश को वापस लेने की गुहार की गई थी।

- **सिरसी रोड बाईपास से क्वींस रोड तिराहे के बीच आने वाले अतिक्रमणों को हटाने का मामला**

पंचायत समितियों में कार्यरत हैंडपंप मिस्त्रियों को पदोन्नति के अवसर क्यों नहीं : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट ने ग्रामीण विकास विभाग में नियमित तौर पर काम कर रहे हैंडपंप मिस्त्रियों को पदोन्नति के अवसर नहीं देने से जुडे मामले में प्रमुख ग्रामीण विकास सचिव, प्रमुख कार्मिक सचिव, ग्रामीण विकास आयुक्त और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद करौली सहित अन्य से जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व वीके भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश राजेंद्र सिंह यादव की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता पंचायत समिति हिंडौन सिटी में हैंडपंप मिस्त्री के पद पर काम कर रहा है। उसे जनवरी 1996 से नियमित वेतन श्रृंखला दी गई। वहीं राज्य सरकार ने राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 258 एवं 259 में संशोधन किया। इसके तहत नियम 258 से हैंडपंप मिस्त्री और फिटर की पोस्ट सृजित की गई और नियम 259 में संशोधन कर फिटर के पद को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से डेपुटेशन से भरने के लिए कहा। याचिका में कहा गया कि फिटर का पद हैंडपंप मिस्त्री का पदोन्नति पद है और इसे पंचायती राज विभाग की ओर से पदोन्नति के जरिए ही भरा जाना चाहिए। इस संशोधन के कारण याचिकाकर्ता सहित अन्य कर्मचारी अपने पदोन्नित के अवसर से वंचित हो रहे हैं। वहीं उन्हें पूरे सेवाकाल में पदोन्नति पद नहीं मिलेगा। यह संविधान में दिए समता के अधिकार की अवहेलना है। ऐसे में उसे पदोन्नति का लाभ दिलाया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

'मदन राठौड़ को धमकी देने वाला हेतराम मेघवाल गिरफ्तार'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि शुक्रवार सुबह 11.44 बजे मोबाइल पर अनजान नंबरों से किसी हेतराम मेघवाल उर्फ लादूनाथ नाम के व्यक्ति द्वारा जान से मारने की धमकी दी और गाली गलौज करते हुए अपशब्दों का इस्तेमाल किया। इसके बाद दिल्ली पुलिस को मामले की सूचना देते हुए एफआइआर दर्ज करवाई गई। पुलिस ने आरोपित व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। राठौड़ ने बताया कि मेरा स्वभाव है मैं मोबाइल पर आने वाले हर कॉल का जवाब देता हूं, शायद कोई जरूरत मंद को मदद की आवश्यकता हो। इसलिए मैंने अनजान नंबर से आए फोन को रिसीव किया। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित हेतराम मेघवाल एक राजनीतिक दल के किसी नेता का सहयोगी भी रह चुका है और धमकी देना स्वीकार कर चुका है। हालांकि पुलिस द्वारा पूछताछ में यह भी सामने आया है कि आरोपित हेतराम नशे का आदि है और अपने बयान को बार बार बदल रहा है। आरोपित हेतराम कभी इस मामले को देवली-उनियारा के निर्दलीय प्रत्याशी से भी जोड़ रहा है।

राठौड़ ने कहा कि पुलिस ने रजिस्ट्रर्ड मोबाइल नंबर की जांच की तो यह नंबर आशीष कुमार के नाम से जारी किया गया था। आशीष ने बताया कि इस नंबर की सिम उसके पिता हेतराम मेघवाल इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके बाद अनूपगढ़ (गंगानगर) पुलिस ने आरोपित हेतराम को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित हेतराम कभी कलेक्टर, कभी किसी अन्य राजनेताओं को भी धमकी दे चुका है। हेतराम कभी अपने आप को बिहार का बता रहा था, तो कभी अनूपगढ़ का। पुलिस ने जांच के बाद अनूपगढ़ से आरोपित व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि पंजाब के नजदीकी इलाकों में नशे का कारोबार तेजी से पांव पसार रहा है, आरोपित आदतन नशेड़ी भी हो सकता है।

जे.डी.ए. ने 1300 करोड़ रुपए की 250 बीघा सरकारी जमीन से हटाया काश्तकारों का कब्जा

इकोलॉजिकल जोन में ग्राम गोविंदपुरा रोपाड़ा में थी यह बेशकीमती जमीन

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में गोनेर रोड पर स्थित गोविंदपुरा रोपाडा में जयपुर विकास प्राधिकरण की 250 बीघा बेशकीमती सरकारी जमीन पर स्थानीय काश्तकारों से अवैध कब्जा कर रखा था, जिसे शुक्रवार को जे.डी.ए. की प्रवर्तन टीम ने हटाया। जे.डी.ए. दस्ता जब यहां कार्रवाई करने पहुंचा तो हैरान हो गया कि करीब 1300 करोड़ रु. बाजार मूल्य की सरकारी जमीन पर काश्तकारों ने कई तरह से अतिक्रमण करके कब्जा जमा रखा था।

पुलिस उपमहानिरीक्षक कैलाश चंद्र विश्नोई ने बताया कि जोन-10 सिथत इकोलोजिकल जोन में ग्राम गोविन्दपुरा उर्फ रोपाडा में खसरा नं. 1016 से 1019 तक करीब 250 बीघा जेडीए स्वामित्व की सरकारी भूमि है। इस बेशकीमती जमीन पर स्थानीय काश्तकारों द्वारा कब्जा-अतिक्रमण कर मिट्टी की डोल, बाड बनाकर, लकडी की छड़ियां लगाकर और तारबंदी करके अवैध रूप से फसल उगाकर खेती की जा रही थी। जैसे ही सरकारी जमीन पर इस अतिक्रमण की जानकारी मिली तो शुक्रवार को जेडीए की प्रतर्वन टीम और जोन-10 का राजस्व व तकनीकी स्टाफ मौके पर पहुंचा। इसके बाद जेडीए टीम ने यहां कार्रवाई करके इस बेशकीमती 250 बीघा सरकारी जमीन पर पुन: कब्जा लिया। इसके अलावा जोन-14 में सांगानेर स्थित ग्राम वाटिका में मालियों की ढाणी गुलमोहर गार्डन कॉलोनी के पास करीब 12 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर अवैध तरीके से बसाई जा रही कॉलोनी को भी ध्वस्त किया। काश्तकार ने ना तो भू-रूपांतरण कराया और ना ही जेडीए से कोई निर्माण स्वीकृति ली। यहां पर रातोंरात सड़क, प्लॉट्स की मुड्डिया व बाउंड्रीवाल बनाकर कॉलोनी बसाने की तैयारी थी। इसी प्रकार ग्राम जयचन्दपुरा चाकसू में केडिया स्कीम एल ब्लॉक के पास, करीब 18 बीघा कृषि भूमि पर भी इसी तरह ''रिद्दी-सिद्दी-8'' के नाम से अवैध कॉलोनी बसाने की तैयारी थी, जिसे टीम ने ध्वस्त किया।

आमजन की सहूलियतों में वृद्धि राज्य सरकार की प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के नगर निकायों में आधारभूत विकास कार्यों के माध्यम से आमजन की सहूलियतों में वृद्धि राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की नगरीय निकायों से संबंधित महत्वपूर्ण योजनाओं का धरातल पर समयबद्धता के साथ क्रियान्वयन किया जाए, जिससे विकसित राजस्थान की संकल्पना साकार हो सके।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की बजट घोषणाओं को गुणवत्ता के साथ समय से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदूषण मुक्त सुगम यातायात के लिए प्रमुख शहरों में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की कार्ययोजना को जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज के तहत 300 सीएनजी बसों के संचालन के लिए जरूरी कार्यवाही प्रारम्भ करने के निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि पीएम आवास योजना शहरी 2.0 अहम योजना है, इसकी निरंतर समीक्षा करते हुए जरूरतमंदों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना मेहनतकश व्यक्ति के लिए मददगार साबित हो रही है, इस योजना के तहत चरणबद्ध किश्तों को समय से जारी कर पात्र व्यक्ति को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने प्रदेश में संचालित श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि आमजन को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता सदैव सुनिश्चित रहे, साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए एवं समय-समय पर इन रसोइयों का औचक निरीक्षण भी किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृत 2.0 के तहत शहरी निकायों में जलापूर्ति, सिवरेज, जल निकायों के जीर्णोद्धार कार्यों में गति लाई जाए, जिससे आमजन लाभान्वित हो सके। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, यूज्ड वाटर मैनेजमेंट एवं सैनिटेशन कार्यों की समीक्षा की एवं निर्देश दिए कि इन्हें समय से पूरा किया जाए। उन्होंने स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ राज्य सरकार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना के माध्यम से पात्र व्यक्ति को इस योजना से लाभान्वित किया जाए।

शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्थान शहरी अवसंरचना विकास परियोजना के तहत पेयजल, सिवरेज, ड्रेनेज एवं शहरी सौन्दर्यीकरण के विभिन्न विकास कार्यों को समय से पूरा किया जाए। उन्होंने सफाई मित्र सम्मान योजना को शीघ्र प्रारंभ करने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

इस अवसर पर स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव स्वायत्त शासन राजेश यादव, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता, निदेशक स्थानीय निकाय कुमार पाल गौतम, आयुक्त नगर निगम ग्रेटर रूक्मणि रियार, आयुक्त नगर निगम हैरिटेज अरूण कुमार हसीजा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

- **स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निकायों में आधारभूत विकास कार्य समय से हों पूरे**

ट्रेन में यात्रियों के बैग से सोना चुराने वाले तीन बदमाश दबोचे

जयपुर । जीआरपी थाना पुलिस ने ट्रेनों में चढ़ने के दौरान उनके बैग्स से गोल्ड ज्वैलरी चुराने वाली तीन दो महिलाओं सहित तीन बदमाशों को पकड़ा है। उनके पास से पुलिस ने 13 लाख रुपए से अधिक की गोल्ड ज्वैलरी बरामद की है। पुलिस ने रेलवे स्टेशन की तरफ आने वाले रास्तों के और अन्य भवनों के सीसीटीवी की मदद से बदमाशों को पकड़ा है।

थानाधिकारी वीरेन्द्र कुरील ने बताया कि ट्रेनों में बढ़ती चोरी की वारदातों को रोकने के लिए एक एक्शन प्लान बनाया गया। इसी के तहत पूर्व में दर्ज मामलों की जांच करते हुए बदमाशों की खोज शुरू की गई। 28 नवम्बर को पूजा कंवर निवासी गोगामेडी ने मामला दर्ज करवाया कि था कि ट्रेन में चढ़ने के दौरान किसी ने उसके बैग से सोने के जेवरात पार कर लिए। ट्रेन में चढ़ने के दौरान एक महिला मुझे संदिग्ध काम करती नजर आई थी। इस आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। उसके पर्स में करीब 13 लाख रुपए के जेवरात रखे थे। घटना ढेहर के बालाजी रेलवे स्टेशन की है। थानाधिकारी वीरेन्द्र कुरील ने बताया इस मामले में मूलत: गुजरात हाल हरमाडा निवासी तीस वर्षीय किरण उर्फ बबलू पत्नी रवी उर्फ सूरज, भैरु जी का मंदिर रैगर कॉलोनी बैनाड निवासी तीस वर्षीय भारती और बापू नगर कच्ची बस्ती विद्याधर नगर निवासी नवीन को गिरफ्तार किया गया है।

- **पुलिस ने आरोपियों के पास से 13 लाख रु. के जेवर बरामद किए हैं।**

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को धमकी गंभीर विषय : जूली

जयपुर। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा है कि केन्द्र व राज्य में भाजपा का राज है और संसद के शीतकालीन सत्र के चलते दिल्ली में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व राज्य सभा सांसद मदन राठौड़ को जान से मारने की धमकी मिली है। जो कि बहुत गंभीर और चिंताजनक विषय है।

जूली ने कहा कि भाजपा राज में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। ऐसे में आम आदमी की सुरक्षा पर एक गंभीर प्रश्न खड़ा हो गया है। जूली ने कहा कि बड़े दुर्भाग्य कि बात है कि सत्तारूढ़ पार्टी अध्यक्ष को अपनी सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर सुरक्षा की मांग करनी पड़ रही है।

''सरस आईसक्रीम'' अब मोबाइल रिक्शा से आमजन तक पहुंचेगी

जयपुर (कासं)। जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ (जयपुर डेयरी) ने उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मोबाइल रिक्शा (आइस क्रीम ऑन व्हील्स) के माध्यम से सरस आइसक्रीम की बिक्री शुरू की है।

इस सेवा का शुभारंभ शुक्रवार को जयपुर डेयरी प्रांगण में हुआ, जहां आरसीडीएफ की प्रशासक एवं प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज, जयपुर डेयरी के अध्यक्ष ओम प्रकाश पूनिया और प्रबंध संचालक मनीष फौजदार ने इन मोबाइल यूनिट्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भारद्वाज ने आइसक्रीम ऑन व्हील्स की बनावट, आकर्षक डिज़ाइन और आइसक्रीम की उच्च गुणवत्ता के लिए जयपुर डेयरी के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि हमेशा की तरह सरस जयपुर डेयरी की यह पहल भी उपभोक्ताओं की कसौटी पर खरी उतरेगी। उन्होंने अध्यक्ष ओम पुनिया और प्रबंध संचालक मनीष फ़ौजदार की नये नये नवाचारों के लिए विशेष सराहना की।

जयपुर डेयरी के प्रबंध संचालक मनीष फौजदार ने बताया कि अब उपभोक्ताओं को विभिन्न स्थानों पर सरस ब्रांड की आइसक्रीम आसानी से उपलब्ध होगी। इन मोबाइल रिक्शा के माध्यम से उपभोक्ताओं को कई वेरिएंट्स में आइसक्रीम दी जाएगी, जिनमें वैनिला, मैंगो, बटरस्कॉच, अमेरिकन नट, शुगर फ्री, चॉकलेट, कोन, और केसर पिस्ता शामिल हैं।

सरस आइसक्रीम की खासियत है इसका उच्च गुणवत्ता वाला स्वाद हर उम्र के लोगों की पसंद को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

आर.सी.डी.एफ. प्रशासक और प्रबंधक संचालक श्रुति भारद्वाज ने शुक्रवार को जयपुर डेयरी प्रांगण में ''सरस आइसक्रीम ऑन व्हील्स'' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सार-समाचार

कृष्ण की लीलाओं का वर्णन किया

रामगंजमण्डी (निसं)। श्री गोविंद गौशाला जुल्मी रोड नालोदिया पर आयोजित भागवत कथा के पंचम दिन भगवान कृष्ण की लीलाओं के बारे में बताया गया तथा विभिन्न उदाहरण द्वारा श्रोताओं को बताया कि संसार में मोह करने से स्वार्थ जागृत होता है भगवान में अपनापन चाहिए।जिससे सभी काम स्वत: ही हो जाते हैं हम इस कथा में केवल भगवान में अपनापन करने के लिए ही आए हैं ना तन मेरा ना धन मेरा, ना जन मेरा , केवल मोहन मेरा।यदि भगवान में प्रेम प्रबल हो तथा अपनापन सच्चा हो तो भगवान को पाना आसान है। गुरुदेव ने बताया की प्रतिकूलता में भी भगवान को नहीं भूलना चाहिए यदि आप भजन में डटे रहेंगे तो भगवान आपको नहीं भूलेंगे।जब तक संसार में यह मानोगे की वह मुझे दुख दे रहा है तब तो कभी आप सुखी नहीं हो सकते।अत: हमें हमारी विरती बदल लेना चाहिए कि जो दुख मिलता है वह हमारे कर्मों के कारण मिलता है मनुष्य को दुख में नाराज नहीं होना चाहिए तथा सुख में खुश नहीं होना चाहिए।सुख में भोग नहीं करना चाहिए बल्कि दूसरों को सुखी करने का प्रयास करना चाहिए और जब दुख आए तो सुख की इच्छा का त्याग करना चाहिए यदि मनुष्य सत्संगी हो जाता है तो अनुकूलता प्रतिकूलता व्याप्ति नहीं है जैसे दूध में घी है वैसे ही प्रेम जीवन का सार है।उक्त जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी योगेश गुप्ता दलाल व दिलीप गुप्ता जुल्मी ने बताया कि कथा श्रवण हेतु श्रद्धालुओं का भारी सैलाब उमड़ने से पंडाल भी खचाखच भर गया।

पीड़ित प्रतिकर स्कीम के प्रार्थना पत्रों के निस्तारण की बैठक संपन्न

बून्दी (निसं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सत्र न्यायाधीश) अध्यक्ष अजय शुक्ला की अध्यक्षता में राजस्थान पीड़ित प्रतिकर स्कीम के प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के लिए शुक्रवार को बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पीडित प्रतिकर स्कीम के तहत लम्बित 6 प्रार्थना-पत्रों पर विचार-विमर्श किया जाकर कुल 2 प्रार्थना पत्र स्वीकार कर दो लाख रूपये की अवार्ड राशि पारित की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सरिता मीणा ने बताया कि अपराध के परिणामस्वरूप शारीरिक या मानसिक वेदना, क्षति से ग्रस्त हुए पीड़ितों को समाज में पुनर्वास व आत्म-सम्मान के साथ जीवन यापन करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ऐसे पीड़ितों और उनके आश्रितों को प्रतिकर स्कीम के अन्तर्गत प्रतिकर राशि स्वीकृत की गई। उन्होंने बताया कि इस बैठक में न्यायाधीश मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण क्र.सं. 1 अर्चना मिश्रा, न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय सुमन गुप्ता, अति. जिला कलेक्टर सुदर्शन सिंह तोमर, जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा, अभिभाषक परिषद अध्यक्ष चन्द्रशेखर शर्मा व लोक अभियोजक भूपेन्द्र सहाय सक्सेना उपस्थित रहे।

विभिन्न गतिविधियां हुई

बून्दी (निसं)। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रामगंज बालाजी में नागरिकता कौशल एवं विकास कार्यक्रम के अंतर्गत मीडिया साक्षरता, कानून की जानकारी, बाल संसद, विचित्र वेशभूषा, रचनात्मक कौशल, समूह चर्चा प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत राजाराम एस.आई सदर थाना बूंदी, मोनिका मीणा, प्रीति पाराशर द्वारा बच्चों की सुरक्षा एवं जागरूकता से संबंधित जानकारी दी। मीडिया साक्षरता पर राजीव सक्सेना, कमलेश शर्मा, कृष्ण कांत राठौर ज्योति लवानिया दिनेश शर्मा ने संबोधित करते हुए पत्रकारिता से जुड़ी महत्पूर्ण बातें बताई और सभी विद्यार्तियों को मीडिया साक्षरता के बारे में बताते हुए मीडिया का चौथे स्तम्भ के रुप में देश हित में कर रहे महत्वपूर्ण कार्य को बताया और बाल संसद के निर्वाचित कक्षा प्रतिनिधियों को शपथ दिलवाई। कार्यक्रम की समाप्ति पर संस्था प्रधान मीनाक्षी कुमारी द्वारा सभी अतिथियों एवं वार्ताकारों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया और सभी प्रतिभागी बालक बालिकाओं को अल्पाहार और पारितोषिक वितरण किया गया।

घुमंतु समुदाय के दस्तावेज तैयार करने के लिए शिविर दो को

बूंदी (निसं)। घुमंतु समुदाय के आवश्यक दस्तावेज जैसे वोटर आईडी आधार कार्ड, जन आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड आदि बनवाने एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए जिले में विमुक्त घुमंतू एवं अर्ध घुमंतु सहायता शिविरों का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक रामराज मीणा ने बताया कि 2 दिसम्बर सोमवार को बसवाड़ा, बड़ाखेड़ा, पापडी के लिए राजीव गांधी सेवा केन्द्र, पापडी में, गोठड़ा, छाबड़ियों का नयागांव, सावंतगढ, मेण्डी, रोणिजा के लिए राजीव गांधी सेवा केन्द्र गोठड़ा में, सारसला, रोटेदा, बालोद के लिए उप तहसील काप्रेन में, करवर, माणी, कैथूदा, खजूरी, जरखोदा के लिए राजीव गांधी सेवा केन्द्र करवर में, बुधपुरा, गोपालपुरा, सूतडा के लिए ग्राम पंचायत बुधपुरा में तथा जावटीकलां, रायथल, बम्बोरी के लिए ग्राम पंचायत रायथल में शिविर लगाए जाएंगे।

काव्य कृति का लोकार्पण कल

बूंदी (निसं)। बून्दी के वरिष्ठ साहित्यकार रामस्वरूप मूंदडा की हाल ही में प्रकाशित काव्य कृतियों का लोकार्पण रविवार को कोटा में लोकार्पण समारोह के वरिष्ठ साहित्यकार जितेंद्र निर्मोही के मुख्यातिथ्य और बृजेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में किया जाएगा। हिंदी साहित्य समिति के सचिव प्रकाश कसेरा ने जानकारी देते हुए बताया कि अखिल भारतीय हिंदी सेवा समिति राजस्थान और हिंदी साहित्य समिति बूंदी के संयुक्त तत्वावधान में एसआर रंगनाथन सभागार मंडल पुस्तकालय कोटा में रविवार को दोपहर 2:30 बजे कृति लोकार्पण समारोह होगा। इसमें स्थानीय वरिष्ठ साहित्यकार रामस्वरूप मूंदडा की काव्य कृतियों 'वक्त हाथ में कलम लिए है' गजल संग्रह और काव्यसंग्रह 'कविताओं के इंद्रधनुष के साथ' का विमोचन होगा। इस अवसर पर मूंदडा के अमृत महोत्सव के साथ साहित्यकारों का सममान भी किया जाएगा।

एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

बून्दी (निसं)। सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी (एसएसएएटी), ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के तहत समग्र शिक्षा अंतर्गत सामाजिक अंकेक्षण के लिए ब्लॉक संसाधन व्यक्तियों का एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण शुक्रवार को जिला परिषद स्थित सभा भवन में सम्पन्न हुंआ। मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान बीआरपी/ऑडिटर्स को सोशल ऑडिट की रूपरेखा, उद्देश्य, संरचना, ऑडिट यूनिट, फेसिलिटेशन टीम, सिद्धांत, प्रक्रिया, चरण व जिम्मेदारियां सहित अनेक बिंदुओं का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मास्टर ट्रेनर डीआरपी पूनम वर्मा व महमूद अली द्वारा दिया गया।

भाजपा संगठन महापर्व की कार्यशाला आज

बूंदी (निसं)। भारतीय जनता पार्टी जिला बूंदी की संगठन महापर्व 2024 की कार्यशाला 30 नवंबर को प्रात: 11 बजे उत्सव मैरिज गार्डन सिलोर रोड पर आयोजित होगी। जिला अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने बताया कि बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच एवं संगठन महापर्व के संभाग प्रभारी ओमप्रकाश भडाणा उपस्थित रहेंगे। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के सभी जिला पदाधिकारी, पूर्व विधायक,पूर्वजिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, सक्रिय सदस्यता अभियान के मंडल संयोजक, संगठन महापर्व की जिले की टीम, मोर्चा के जिला अध्यक्ष, प्रदेश के पदाधिकारी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, प्रधान बैठक में मौजूद रहेंगे।

कर्मचारी संघ ने ज्ञापन दिया

बूंदी (निसं)। राजस्थान सहायक कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष अमित सिंह सोलंकी ने कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में लिखा है कि शिक्षा सहकारी समिति में श्रवण कुमार सहायक कर्मचारी के पद पर 21 वर्षों से कार्यरत हैं। जिसे 5 माह से हटा दिया गया बार-बार गुहार लगाने के बाद भी किसी भी प्रकार की सुनवाई नहीं हुई। श्रवण कुमार गरीब परिवार से हैं 80 वर्षी मां के भरण पोषण की जिम्मेदारी भी उसी पर है। इन्होंनेश्रवण कुमार को पुन: नियुक्तकिए जाने की मांग की।

बालिका सशक्तिकरण हेतु राशि भेंट

छबड़ा (निसं)।। स्थानीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की अध्यापिका रेखा शर्मा द्वारा ज्ञान संकल्प पोर्टल के माध्यम से इक्कान सौ रुपये बालिका सशक्तिकरण हेतु भेंट किए है। इससे भी पूर्व कई भामाशाहो व समाजसेवियों द्वारा विद्यालय विकास के लिए राशि भेंट की जा चुकी हैं। यह जानकारी प्रधानाचार्य अशोक यादव ने दी है।

डी.आर.एम. ने सेवानिवृत्ति पर रेल सेवकों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया

कोटा, (निसं)। रेलवे विभाग कोटा मण्डल से वर्ष 2024 के नवम्बर माह में आयुसीमान्तर्गत 19 रेल सेवकों का सभागृह में विदाई समारोह आयोजित किया गया। डीआरएम मनीष तिवारी द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कोटा मंडल से नवम्बर माह में 01 राजपत्रित अधिकारी कार्यकारी इंजीनियर (निर्माण) सुनील व्यास एवं विभिन्न विभागों के 18 अराजपत्रित कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। रेल सेवको में कार्यालय अधीक्षक, तकनीशियन, ट्रैकमेंन, सीनियर सेक्शन इंजीनियर, हेल्पर, लोको पायलट, लिपिक, जूनियर इंजीनियर एवं स्टेशन अधीक्षक इत्यादि महत्पूर्ण पदों पर कार्यरत कर्मचारी शामिल थे।

सभी सेवानिवृत्त हो रहे रेल सेवको को संबंधित दस्तावेज जैसे-पेंशन पे आर्डर, सेवा प्रमाण पत्र, सर्विस रिकार्ड की सॉफ्ट कापी, पहचान पत्र, मेडिकल कार्ड, कंपोजिट ट्रांसफर ग्रांट भत्ता एवं पास आवेदन तथा प्राधिकार पत्र प्रदान किये गये। इस दौरान डीआरएम ने उद्बोधन में कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति राशि का सदुपयोग, स्वास्थ्यमय जीवन व्यतीत करने की सलाह देते हुए उनके भावी सुखी जीवन की शुभकामना दी तथा रेलवे के प्रति समर्पण, निष्ठा एवं अतुलनीय योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक आरआरके सिंह, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सुप्रकाश, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक आरके प्रजापत, सहायक कार्मिक अधिकारी विद्या भूषण भारती, सहायक मंडल वित्त प्रबंधक विश्राम मीना एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी तथा उनके परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

कोटा डी.आर.एम. ने रेल सेवकों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया।

प्रदेश के 70 वर्ष एवं अधिक आयु के सिनियर सिटिजन को केशलेस उपचार की स्वीकृति जारी

कोटा, (निसं)। भारत सरकार द्वारा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 वर्ष एवं अधिक आयु के सिनियर सिटिजन को भी जोड़े जाने की स्वीकृति के बाद अब प्रदेश के सिनियर सिटिजन (70 वर्ष एवं अधिक आयु) को मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य यानी 'मां' योजना के अन्तर्गत एक नई श्रेणी में सम्मिलित करते हुए कैशलेस उपचार देने की स्वीकृति जारी कर दी गई है। राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी के अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी केसर लाल मीणा ने इस संबध में दिशा निर्देश जारी किए है। जिसके मुताबिक प्रदेश के 70 वर्ष एवं अधिक आयु के समस्त सिनियर सिटिजन मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजनान्तर्गत नि:शुल्क श्रेणी के पात्र होंगे।

आयु की गणना आधार कार्ड पर अंकित जन्म दिनांक के आधार पर की जायेगी। योजना का लाभ लेने के इच्छुक सिनियर सिटिजन (70 वर्ष एवं अधिक आयु) को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। सफल आवेदन के उपरांत पात्र परिवार के सभी सिनियर सिटिजन (70 वर्ष एवं अधिक आयु) मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में कैशलेस उपचार का लाभ लेने के पात्र होंगे। सिनियर सिटिजन (70 वर्ष एवं अधिक आयु) चाहे वे किसी भी सामाजिक-आर्थिक स्तर के हो, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में आवेदन कर सकेंगे। पात्र परिवार के सभी सिनियर सिटिजन (70 वर्ष एवं अधिक आयु) को सामूहिक रूप से 25 लाख रूपये तक के कैशलेस उपचार का लाभ देय होगा।

परिवार के अन्य सदस्य जो 70 वर्ष के कम आयु के है, इस श्रेणी के लिए पात्र नहीं होंगे। सिनियर सिटिजन (70 वर्ष एवं अधिक आयु) को मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में कैशलेस उपचार योजना से सम्बद्ध निजी एवं राजकीय अस्पतालों में निर्धारित पैकेजेज के अनुसार देय होगा।

उपचार का व्यय ट्रस्ट मोड पर राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी द्वारा वहन किया जायेगा। राज्य एवं देश की अन्य स्वास्थ्य बीमा योजना के पंजीकृत/पात्र परिवारों को उनकी वर्तमान योजना एवं मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (सिनियर सिटिजन केटेगरी) दोनों में से किसी एक वन टाइम विकल्प का चयन करना होगा। उक्त आदेश दिनांक 29 अक्टूबर, 2024 से प्रभावी माने जायेंगे। योजना की शेष शर्ते एवं प्रावधान यथावत रहेंगे।

आयुष्मान कार्ड वितरण की प्रगति बढ़ाने के निर्देश:-राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्यारेंस एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रियंका गोस्वामी ने प्रदेश के सभी सीएमएचओ को पत्र भेजकर सामाजिक आर्थिक जनगणना 2011 के पात्र परिवारों के प्रत्येक सदस्य की पीएमजेएवाई एप्लीकेशन के माध्यम से ऑनलाइन ई-केवाईसी एवं आयुष्मान कार्ड वितरण प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

ई-केवाईसी एवं आयुष्मान कार्ड वितरण के शेष लक्ष्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए प्रति आशा सहयोगिनी 10 ई-कवाईसी एवं 10 कार्ड वितरण का लक्ष्य आवंटित कर दैनिक प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं।

अब तक 416453 की हुई ई-केवाईसी, 108709 को हुआ कार्ड वितरण:-मां योजना के कोटा जिला प्रोग्राम कोर्डिनेटर आयुष चित्तौड़ा ने बताया कि जिले में सामाजिक आर्थिक जनगणना 2011 के लक्षित 599869 सदस्यों में से अब तक 416453 की ई-केवाईसी हो चुकि है और 108709 सदस्यों को कार्ड वितरित किए गए हैं। शेष लाभार्थियों की ई-केवाईसी व कार्ड वितरण की प्रगति बढ़ाने के प्रयास किए जा रहें है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को इसके लिए सख्ती से पाबंद किया गया है। सामाजिक आर्थिक जनगणना 2011 के पात्र लाभार्थी स्वयं नजदीक के स्वास्थ्य केंद्रों पर जाकर भी अपनी ई-केवाईसी करवा सकते हैं।

'नई किरण नशा मुक्ति की' थीम पर कार्यक्रम

- स्ववितपोषित कॉलेज में एक दिवसीय शिविर संपन्न हुआ
- 'नशा मुक्ति किसी भी समाज के विकास के लिए अति आवश्यक है'

छबड़ा (निसं)। अमरचंद राजकुमारी बरडिया जैन महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में दूसरा एक दिवसीय शिविर 'नई किरण नशा मुक्ति की' थीम पर आयोजित किया गया।

यहां सहायक आचार्य डॉ. अतुल श्रीवास्तव ने वर्तमान समय में नशे की लत में फंसे नौजवान युवक और युवतियों को समझाया कि इस नशे से हमारे समाज के नवयुवक और युवतियों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। नशे के कारण उनका स्वास्थ्य खराब होता जा रहा है। सहायक आचार्य डॉ. आशा भार्गव ने सभी स्वयंसेवक और सेविकाओं को नशे से हमेशा दूर रहने की प्रेरणा दी। नशे के सेवन से हमारे हजारों लाखों युवक जवानी की अवस्था में ही मृत्यु के काल के ग्रास बन जाते हैं। प्राचार्य डॉ. आरसी मीणा ने कहा कि नशा मुक्ति किसी भी समाज के विकास के लिए अति आवश्यक है, यह प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह नशे से हमेशा दूर रहे।

नशा आज हमारे समाज के लिए बहुत ही गंभीर समस्या बन चुकी है, इसके कारण बहुत से युवाओं का जीवन बर्बाद हो रहा है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बीएल बैरवा ने स्वयंसेवकों को नई किरण नशा मुक्ति अभियान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान समय में संपूर्ण भारत में नशा का तनाव युवको को सर्वाधिक होता जा रहा है, आज के अधिकांश युवा नशा और धूम्रपान करने को अपनी शान समझते हैं। नशा करने वाला व्यक्ति अपना मान सम्मान सब खो देता है, इसलिए अगर हम सभी लोगों को हमारे मानव जीवन को सुरक्षित और स्वस्थ रखना है तो सभी नवयुवकों को नशे को हमारे मानव समाज से दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। तभी मानव समाज का उत्थान होगा।

मेला दशहरा की फाइलों का अनुमोदन बोर्ड बैठक में किया जाए : सोनू कुरैशी

कोटा, (निसं)। राष्ट्रीय मेला दशहरा 2024 के आयोजन के दौरान कई कार्य कराए गए, कई कलाकार बुलाए गए और इसके साथ ही कई अन्य टेंडर जारी किए गए हैं, इन सभी फाईलों को कोटा उत्तर उपमहापौर सोनू कुरैशी ने बोर्ड बैठक में लाकर एक-एक फाईल को सभी पार्षदों के सामने रखा जाए ताकि शहर की जनता के समक्ष स्थिति स्पष्ट हो सकें।

सोनू कुरैशी ने इस संदर्भ में कोटा उत्तर नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखकर कहा कि राष्ट्रीय मेला दशहरा 2024 का आयोजन नगर निगम कोटा दक्षिण एवं नगर निगम कोटा उत्तर द्वारा संयुक्त रूप से करवाया गया है। लगातार ज्ञात हो रहा है कि महापौर नगर निगम कोटा दक्षिण व उपमहापौर नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा राष्ट्रीय मेला दशहरा 2024 के भुगतान से संम्बन्धित समस्त पत्रावलिया अवलोकन के लिए मांगी गई है, जो कि उपलब्ध करवा दी गई है। नगर निगम कोटा उत्तर के महापौर व उपमहापौर को नियमों के अधीन राष्ट्रीय मेला दशहरा 2024 की पत्रावलिया अवलोकन के लिए प्रस्तुत करवाई जाए। राष्ट्रीय मेला दशहरा 2024 का भुगतान भी नगर निगम कोटा उत्तर व दक्षिण द्वारा संयुक्त रूप से किया जाना है।

नगर निगम कोटा उत्तर की साधारण सभा में राष्ट्रीय मेला दशहरा 2024 के भुगतान से संम्बधित प्रस्ताव लिया जाकर सभी सदस्यों के अनुमोदन पश्चात ही राष्ट्रीय मेला दशहरा 2024 के नगर निगम कोटा उत्तर के हिस्से का भुगतान 4 करोड़ किया जाना सुनिश्चित किया जाए। सोनू कुरैशी ने पत्र के माध्यम से बताया कि मेला अध्यक्ष व मेला समिति को राष्ट्रीय दशहरे मेले में जो भी खर्च हुआ है, जो भी कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, साथ ही जो भी राशि खर्च की गई है, उन सभी की फाईलों को सभी पार्षदों के समक्ष बोर्ड की बैठक में रखा जाए और उसका अनुमोदन कराया जाए। सोनू कुरैशी ने कहा कि बोर्ड बैठक भी समय पर आयोजित की जानी चाहिए ताकि आमजनता के कार्यों को किया जा सकें और जो कार्य बरसों से अटके पड़े हैं उन पर चर्चा हो सकें।

कोटा में डीपीएनजी पाइप लाईन बिछाने के कार्य की शुरूआत

कोटा, (निसं)। कोटा शहर के दादाबाड़ी व आसपास के क्षेत्र में राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम आरएसजीएल द्वारा पाईप लाईन से डीपीएनजी गैस सुविधा उपलब्ध कराने के लिए शुक्रवार को पाईप लाईन बिछाने के कार्य का शुभारंभ कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने किया।

शर्मा ने कहा कि इससे क्षेत्र के निवासियों को घरेलू उपयोग के लिए पाईपलाईन से गैस सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि डीपीएनजी सुविधा से क्षेत्रवासियों को 24 घंटे गैस सुविधा उपलब्ध हो सकेगी और गैस बुक कराने एवं सिलेण्डर के लिए प्रतीक्षा नहीं करनी होगी। आरएसजीएल के एमडी रणवीर सिंह ने बताया कि डीपीएनजी सुविधा से पर्यावरण संरक्षण एवं ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा मिलने के साथ ही लागत में भी कमी आएगी।

- पांच हजार से अधिक परिवार होंगे लाभान्वित

उन्होंने बताया कि कोटा शहर में सीएनजी और डीपीएनजी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम आरएसजीएल द्वारा पाईपलाईन बिछाने से लेकर आधारभूत सुविधा विकसित करने एवं घरेलू, व्यावसायिक व औद्योगिक कनेक्शन उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है।

राजस्थान स्टेट गैस के उपमहाप्रबंधक कोटा आनन्द आर्य ने बताया कि गैस पाइप लाईन बिछने से क्षेत्र में आधारभूत सुविधा विकसित हो जाएगी और दादाबाड़ी, बकरामंडी, शक्ति नगर आदि क्षेत्र के 5 हजार से अधिक परिवारों को डीपीएनजी सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

अभी तक कोटा शहर में 11 सीएनजी स्टेशनों की स्थापना की गई है एवं शहर में 48 हजार घरों तक डीपीएनजी सुविधा पहुंचाने के लिए आधारभूत संरचना विकसित की जा चुकी है। इस अवसर पर आरएसजीएल के उपप्रबंधक अविनाश सिंह, जनप्रतिनिधि ललित शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने डीपीएनजी पाइपलाइन बिछाने के कार्य का शुभारंभ किया।

सार-समाचार

विरासत और पर्यावरण की गंभीर चुनौतियों पर इंटेक की संगोष्ठी आज

कोटा, (निसं)। इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चर हेरिटेज 'इंटेक' की ओर से शनिवार को शाम को 4 बजे जोहराबाई तालाब नान्ता स्थित सकसजी महाराज के आश्रम पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इंटेक कोटा चैप्टर के कन्वीनर निखिलेश सेठी ने बताया कि विरासत और पर्यावरण की गंभीर चुनौतियां विषय पर विभिन्न पर्यावरणविद विचार रखेंगे। इस दौरान नान्ता के ऐतिहासिक जवाहरबाई तालाब के जीर्णोद्धार की योजना बनाई जाएगी। कॉ-कन्वीनर बहादुर सिंह हाड़ा ने बताया कि सरकारी उपेक्षाओं के दंश झेल रही विरासत, पर्यावरण और बदहाल जंगलों के संरक्षण और संवर्धन को सुनिश्चित करने के लिए इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज मुहिम शुरु करेगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 1789 में निर्मित इस बहुउद्देशीय तालाब के पुनरुद्धार के लिए इंटेक, पिछले एक वर्ष से विभिन्न स्तरों पर संघर्ष कर रहा है। कोटा थर्मल प्लांट ने इस तालाब के वैभव को 80 के दशक में राख से भर कर नष्ट कर दिया था। राख की बढ़ती उपयोगिता के चलते यह तालाब अब खाली हो गया, किन्तु इस दरमियान तालाब का सुंदर तटबंध पूर्णत: क्षतिग्रस्त हो गया है। जिसकी मरम्मत के लिए कोटा थर्मल प्रशासन तथा ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर से मांग की गई है। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी में शाहबाद के जंगलों में डेढ़ लाख हरे वृक्षों की निर्मम कटाई पर रोक व सरकार द्वारा पेड़ों की सही गिनती बताने पर जोर दिया जाएगा। साथ ही, मुकुंदरा टाइगर प्रोजेक्ट का पर्यटन की दृष्टि से समुचित विकास नहीं होने पर भी विचार किया जाएगा।

विशेष शिविर आयोजित

कोटा, (निसं)। जय मीनेश विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में शुक्रवार को एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग डॉ. अनुज विलियम्स ने बताया कि शिविर का मुख्य विषय स्वरोजगार दूसरों को दे रोजगार पर आधारित था। सर्वप्रथम कार्यशाला का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। संस्था प्रेसिडेण्ट प्रो.डी.पी.तिवारी एवं कुलसचिव डॉ.एन.के.शर्मा द्वारा अतिथियों का प्रतीक चिन्ह एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि श्री अजय शर्मा, सहायक निदेशक, एमएसएमई विभाग, क्षेत्रीय निदेशालय जयपुर भारत सरकार थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में युवाओं को स्टार्टअप इंडिया व स्किल इंडिया तथा भारत सरकार द्वारा स्वरोजगार के लिए चलाई जा रहीं विभिन्न योजनाओं को विस्तार से बताया। उन्होंने युवाओं को इन्क्यूबेशन स्कीम के लिए प्रेरित किया जिसमें युवा अपना आइडिया दे सकता है तथा सरकार से 15 लाख तक की सहायता ले सकता है, इसके साथ-साथ पीएमईजीपी योजना के तहत मैन्यूफेक्चरिंग यूनिट के लिए 50 लाख तक एवं सर्विस यूनिट के लिए 20 लाख रूपये तक सरकार से प्राप्त कर सकता है तथा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में 3 लाख तक का अनुदान युवाओं के लिए सरकार द्वारा दिया जा रहा है।

कोचिंग स्टूडेंट के बीच होगा क्रिकेट टूर्नामेंट

कोटा, (निसं)। कोचिंग छात्रों को तनाव मुक्त रखने और मनोरंजन गतिविधियां बढ़ाने के लिए कोटा हॉस्टल एसोसिएशन क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है। यह प्रतियोगिता 6 से 8 दिसंबर तक तलवंडी स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। इसका पोस्टर विमोचन आज हॉस्टल एसोसिएशन के पदाधिकारी ने जिला कलेक्टर डॉ.रविंद्र गोस्वामी और शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन से करवाया है। कोटा हॉस्टल एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन मित्तल ने बताया कि दोनों ने इस तरह के आयोजन की सराहना की है। कोटा के लिए इस तरह के आयोजनों की जरूरत भी बताई है। उनका कहना है कि बच्चों को इस तरह की एक्टिविटी में पार्टिसिपेट करने पर फिजिकल फिट रहने के साथ-साथ पढ़ाई से रिलैक्स भी मिलता है। नवीन मित्तल ने बताया कि कोचिंग स्टूडेंट की ही अलग-अलग 16 टीम बनी है। जिनके बीच नॉकआउट आधार पर यह प्रतियोगिता होगी। इस दौरान स्टूडेंट केयर एलाइंस सोसाइटी के संयोजक पृथ्वीराज सिंह हाड़ा व कोटा हॉस्टल एसोसिएशन के महासचिव पंकज जैन सहित अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

सेंट्रल जेल में सघन औचक निरीक्षण

कोटा, (निसं)। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की टीम ने संयुक्त रूप से सेंट्रल जेल में औचक सघन निरीक्षण किया। शहर पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया की मुख्यालय सहायक कलेक्टर हुकुम कंवर कार्यपालक मेजिस्ट्रेट एवं शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में तीन पुलिस उप अधीक्षक 16 थाना के थानाधिकारी, जेल अधीक्षक सहित करीब 135 पुलिकर्मियों की टीम ने कोटा केन्द्रिय कारागृह में औचक निरीक्षण किया औचक निरीक्षण के दौरान टीम ने मेटल डिटेक्टर एवं डॉग स्क्वाड की मदद से बंदियों के बैरिक, लंगर, अस्पताल और हार्डकोर अपराधियों के सेल की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बंदियों के पास से कोई अवैध और निषिद्ध सामग्री बरामद नही हुई।

पांच किलो 860 ग्राम गांजा सहित गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कोटा ग्रामीण क्षेत्र के मण्डाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुये एक तस्कर को गिरफ्तार किया जिसके पास 5 किलो 860 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बताया की मण्डाना चैकिंग टोल प्लाजा के समीप एक व्यक्ति खड़ा हुआ था। जिसके हाथ में एक प्लास्टिक का कट्टा था। पुलिस ने बताया संदेह होने पर उसके पास मौजूद कट्टे की तलाशी ली गई तो उसके पास से अवैध गांजा 5 किलो 860 ग्राम बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये मण्डाना निवासी हुसैन को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपी से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है।

धर्मशास्त्र परिषद की बैठक कल

बूंदी (निसं)। बून्दीस्थ ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र परिषद के तत्वावधान में आगामी वर्ष 2025 के लिए व्रतोत्सवादि पत्रम् के निर्णय हेतु वार्षिक बैठक एवं आम सभा का आयोजन एक दिसंबर 2024 रविवार को जेत सागर बड़ा तालाब मार्ग पर भाव भट्ट अखाडा परिसर में स्थित सिद्धनाथ महादेव मंदिर में मध्याह्न 12:00 बजे किया जाएगा। अध्यक्ष पंडित श्रीकांत शर्मा एवं मंत्री पंडित पुरुषोत्तम शर्मा के अनुसार आगामी वर्ष में मनाए जाने वाले त्यौहारों , उत्सवों ,ग्रहण पर्व एवं स्थानीय मेलों पर चर्चा के उपरांत आयोजन की तिथियों का निर्धारण होगा। प्रवक्ता ज्योतिषाचार्य विनोद गौतम जगन्नाथपुरा ने बताया कि इस आम सभा में विभिन्न पंचांग कर्ताओं, ज्योतिषियों, भविष्यवक्ताओं सहित जोधपुर से पं रमेश भोजराज द्विवेदी एवं काशी से भी विद्वानों की सहभागिता रहेगी।

नि:शुल्क जांच व परामर्श शिविर

कोटा, (निसं)। कोटा हार्ट इंस्टीट्यूट ग्रुप के नए अस्पताल, श्रीजी हॉस्पिटल इन्द्रप्रस्थ इण्डस्ट्रियल एरिया राजस्थान में 1 दिसम्बर 2024, रविवार, समय सुबह 10 बजे से 12 बजे तक नि:शुल्क जांच एवं परामर्श शिविर लगाया जाएगा। शिविर में डॉ. समीर जैन-हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ. मुकुल जैन-रीढ़ की हड्डी एवं नस रोग विशेषज्ञ, डॉ.मीना उमेश-स्पाइन एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ. मीना रीतू कुमारी-लेप्रोस्कोपिक सर्जन अपनी सेवाएं देगे। अस्पताल के निदेशक डॉ. राकेश जिंदल ने बताया कि शिविर में एचबीए1सी, ब्लड शुगर, एवं लिपिड प्रोफाइल के साथ अस्थि घनत्व की नि:शुल्क जांच की जाऐगी। विशेष पूर्व रजिस्ट्रेशन के लिए 0744-2775001 पर सम्पर्क करें।

कोटा होकर जाने वाली अजमेर-भागलपुर एक्सप्रेस हमसफर के रूप में संचालित होगी

कोटा, (निसं)। रेलवे द्वारा भागलपुर-अजमेर-भागलपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस को अब हमसफर के रूप में संचालित किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 13423/13424, भागलपुर-अजमेर-भागलपुर एक्सप्रेस भागलपुर से दिनांक 06.03.2025 से एवं अजमेर से दिनांक 08.03.2025 से गाड़ी संख्या 13423/13424,भागलपुर-अजमेर-भागलपुर हमसफर के रूप में संचालित होगी। इस गाड़ी में 19 थर्ड एसी कोच, 02 पॉवरकार व 01 पेंट्रीकार सहित कुल 22 कोच होंगे।

युवक की मौत

कोटा, (निसं)। कुन्हाडी थाना इलाके में एक युवक की शराब के नशे में संदिग्ध मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अम्बेडर कॉलोनी निवासी केसर सिंह (37) शराब के नशे में अज्ञात पदार्थ का सेवन करने से तबीयत बिगडने पर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी ईलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खेल जगत

जब बल्ले पर गेंद आती है तो वह सबसे अच्छी फीलिंग होती है। मैं इसी के लिए खेलता हूं मैं चोट लगने के बाद शुरुआत कुछ दिनों तक निराश था। - **शुभमन गिल**

भारतीय बल्लेबाज, अपनी चोट से उभरने के बाद बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

हार्दिक पांड्या

हार्दिक पांड्या ने बाएं हाथ के स्पिनर परवेज सुल्तान के एक ओवर में 28 रन और पांच छक्के जड़कर अपनी शानदार बल्लेबाजी फॉर्म जारी रखी जिससे बड़ौदा ने शुक्रवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में त्रिपुरा को सात विकेट से करारी शिकस्त दी। महज 110 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बड़ौदा ने हार्दिक के 23 गेंद में 47 रन की मदद से सिर्फ 11.2 ओवर में इसे हासिल कर लिया। इससे पहले उनके बड़े भाई कृणाल पंड्या ने नयी गेंद से 22 रन देकर दो विकेट झटके। मैदान में बैठे दर्शकों का हार्दिक ने पूरा मनोरंजन किया।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्बाब्वे के तातेन्द्र तेबु ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टेस्ट कप्तान बनने का रिकार्ड अपने नाम कर लिया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में राजस्थान ने मेघालय को हराया

जयपुर, 29 नवंबर। राजस्थान के प्रतिभावान विकेट कीपरव सलामी बल्लेबाज भारतशर्मा के शानदार नाबाद आतिशी पारी, शुभम गढ़वाल की ताबड़तोड़ पारी व कमलेश नागरकोठी, अनिकेत चौधरी, राहुल चाहर व महिपाल लोमरोर की गेंदबाजी की सहायता से राजस्थान ने आज राजकोट में बीसीसीआई की सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के खेले गए मैच में मेघालय को 9 विकेट से हराया। राजस्थान के लिए अनिकेत चौधरी , कमलेश नागरकोठी, राहुल चाहर व महिपाल लोमरोर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मेघालय टीम को मात्र 91 रनो के स्कोर पर पवेलियन लौटाया। टीम के लिए कमलेश नागरकोठी14 / 3 , अनिकेत चौधरी 18 / 3 , राहुल चाहर 12 / 2 व महिपाल लोमरोर 8 / 1 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान टीम के प्रतिभावान विकेटकीपर व सलामी बल्लेबाज भारत शर्मा ने लगातार दूसरे मैच में शानदार नाबाद पारी व शुभम गढ़वाल की ताबड़तोड़ नाबाद पारी की सहायता से राजस्थान ने मेघालय के विरुद मात्र 9 . 1 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 92 रनो के लक्ष्य को प्राप्त करते हुए टीम को 9 विकेट से जीत दिलाई।टीम के लिएभारत शर्मा नाबाद 48 रनोकी पारी में 28 गेंदों का सामना किया व 2 छक्के व 6 चोक्केलगाते हुए दूसरे विकेट के लिए शुभम गढ़वाल के साथ नाबाद 46 रनो की साझेदारी करते हुए टीम को 9 विकेट से जीत दिलाई, शुभम गढ़वाल ने ताबतोड़ नाबाद 24 रनो के पारी खेली जिसमे उन्होंने 12 गेंदों का सामना किया व 2 छक्के व 2 चोक्के लगाए। अभिजीत तोमर 18 रनो का योगदान दिया।

राजस्थान ने मध्यप्रदेश को 8 विकेट से हराया

धृति माथुर की अर्द्धशतकीय पारी

जयपुर, 29 नवम्बर। पुणे में खेली जा रही राष्ट्रीय अंडर 15 एक दिवसीय ट्रॉफी के मैच में राजस्थान ने मध्य प्रदेश को 8 विकेट से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मध्य प्रदेश टीम राजस्थान की गेंदबाजों के सामने निर्धारित 35 ओवर में 118 रन ही बना सकी। राजस्थान की गेंदबाज प्रीति कसाना 20 / 3 , पलक 14 / 2 व माहिरा 17 / 1 विकेट प्राप्त किये।राजस्थान की फील्डर्स ने शानदार क्षेत्ररक्षण करते हुए मध्य प्रदेश की 4 खिलाडियों को रन आउट किया। लक्ष्य को राजस्थान टीम ने सलामी बल्लेबाज धृति माथुर की शानदार अर्धशतकीय पारी व गौरवीखंगारोत , काव्या बिश्नोई व सरिता की उपयोगी पारियों की सहायता से 2 विकेट के नुकसान पर 120 रन बनातेहुए टीम को जीत दिलाई।टीम के लिए धृति माथुर नाबाद 69 रनो की पारी खेली व गौरवी खंगारोत 18, काव्या बिश्नोई 12 व सरिता नाबाद 13 रनो का योगदान देते हुए टीम कोजीत दिलाई।

पिंक स्टार डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग

आँच हॉस्पिटल एवं शॉल्टर एंड नी क्लीनिक सेमीफाइनल में

जयपुर, 29 नवंबर। लीग आयोजन सचिव डॉ हनुमान खोजा ने बताया कि आज बॉयज वर्ग में लीग मैचेज हुए। केडिया हॉस्पिटल ने शर्मा डायग्नोस्टिक को हराया। लीग मैचेज की समाप्ति पर लिपि लेजेंड्स,केडिया होटशॉट्स, आँच टाइटन और शॉल्डर एंड नी सर्जरी ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। आज सेमीफाइनल मैचेज होंगे। लीग कॉर्डिनेटर डॉ निधि पूनोया ने बताया कि वरिष्ठ वर्ग में क्वार्टर फाइनल मुकाबले में यूरो शूटर्स और जयपुर नुक्लेअर इमेजिंग दोनों ने टाई में 2-2 मैच जीत लिए हैं। निर्णायक मुकाबला अभी बाकी है। इसके अलावा ओपन वर्ग में मुकाबले हुए। अंडर 30 आयु वर्ग में जीतू ने सौरभ को हराया। अन्य मुकाबले में अंशिका यादव ने जीतू को हराया। ओवर 30 आयु वर्ग में डॉ अभिषेक सेतिया ने डॉ डॉ संजीव चौधरी को हराया। डॉ श्रवण यादव ने डॉ मुकेश भामू को हराया। ओपन मिश्रित युगल में जीतू और साक्षी की जोड़ी ने भानु और राधिका की जोड़ी को हराया। अन्य मुकाबले में अंशिका/मुकेश की जोड़ी ने जीतू/साक्षी को हराया। लीग कॉर्डिनेटर डॉ दिलीप गुप्ता ने बताया किजोड़ी ऑफ ईयर दबंग के मुकाबले में विदिशा प्रधान/उत्कर्ष प्रधान ने प्रियंका/अंकुर मंगल को हराया। इसी वर्ग के मलंग जोड़ी मुकाबले में कुसुम/सुभाष कुमावत ने आरती/अनुज जैन को हराया। निमिषा/भानु ने निष्ठा/अभिषेक को हराया। लीग कॉर्डिनेटर डॉ अजीत जैन ने बताया कि दबंग जोड़ी मुकाबले में डॉ रवि/डॉ संजीव की जोड़ी ने डॉ देवेश/डॉ विष्णु को हराया। अलंग जोड़ी मुकाबले में डॉ देवेश/डॉ अखिल ने डॉ विशाल/डॉ रजत और डॉ मोहित/डॉ अंकुर को अलग अलग मुकाबलों में हराया और सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

बीसीसीआई ने टीम इंडिया की नई वनडे जर्सी लॉन्च की

मुंबई, 29 नवम्बर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शुक्रवार को टीम इंडिया की नई वनडे जर्सी लॉन्च की। इस दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड सचिव जय शाह और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भी मौजूद थीं। यह जर्सी मशहूर जर्मन स्पोर्ट्सवियर कंपनी एडिडास ने बनाई है। टीम इंडिया की पिछली जर्सी पूरी तरह नीली थी और कंधे पर एडिडास की तीन पट्टियां थीं। इस बार शोल्डर पर एडिडास की तीन पट्टियों को तिरंगे का शेड दिया गया है। इस जर्सी का नीला रंग पिछली जर्सी की तुलना में थोड़ा हल्का है लेकिन साइड्स में इसे गहरा रंग दिया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने नई जर्सी का वीडियो एक्स और इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।

चैम्पियंस ट्रॉफी को लेकर भारत सरकार का बड़ा बयान, भारतीय टीम पाक नहीं जायेगी

भारत-पाकिस्तान के बीच मैच के बिना चैम्पियंस ट्रॉफी की चमक फीकी

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर आईसीसी की आज अहम बैठक कर रही है। जिसमें अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लंबे समय से प्रतीक्षित कार्यक्रम को लेकर मुक्य चर्चा करने वाली है तो दूसरी ओर भारत सरकार की ओर से पहली बार पूरे मामले पर बयान आया है। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है और बीसीसीआई ने आईसीसी को बता दिया है कि वह टीम को पाकिस्तान नहीं भेजेगा।

पाकिस्तान दूसरी तरफ टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल के तहत आयोजित नहीं करने पर अड़ा हुआ है।आईसीसी बोर्ड की बैठक वर्चुअल तरीके से होगी और इसमें चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को लेकर कोई हल निकलने की संभावना है। आईसीसी के फैसले से ठीक पहले भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने एक लाइन में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ-साफ लहजे में कहा कि, बीसीसीआई ने बयान जारी किया है।

बोर्ड के अनुसार, पाकिस्तान में सुरक्षा संबंधित दिक्कते हैं, इसलिए टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। हम इसी पर कायम हैं। इस बीच आईसीसी के सदस्य पीसीबी को ये समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के बिना चैंपियंस ट्रॉफी की चमक फीकी पड़ जाएगी और सबसे अहम बात ये है कि इससे बड़े पैमाने पर वित्तीय नुकसान होगा।

वहीं इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा कि, इस समय हाइब्रिड मॉडल सबसे अच्छा विकल्प है। हमें उम्मीद है कि टूर्नामेंट में शामिल सभी पक्ष टूर्नामेंट के हित में समझदारी भरा फैसला लेगें। भारत और पाकिस्तान के बिना टूर्नामेंट का आयोजन करना अच्छा नहीं है। टूर्नामेंट के मुख्य प्रसारक जियो स्टार ने पहले ही आईसीसी के टॉप अधिकारियों से संपर्क कर कार्यक्रम के बारे में आखिरी निर्णय पर पहुंचने में हो रही देरी पर अपनी निराशा व्यक्त की है।

आईसीसी और प्रसारणकर्ता के बीच हुए अनुबंध के अनुसार संचालन संस्था से अपेक्षा की गई थी कि वह टूर्नामेंट का कार्यक्रम कम से कम 90 दिन पहले दे, लेकिन ये समय सीमा पहले ही पार कर ली गई है। सबसे अहम बात ये है कि इससे बड़े पैमाने पर वित्तीय नुकसान होगा। भारत ने 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद से पाकिस्तान का दौरान नहीं किया है जिसमें 150 से ज्यादा लोग मारे गए थे।

आईपीएल के बाद अब महिला प्रीमियर लीग ऑक्शन की बारी

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। महिला प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन की शुरुआत अगले साल 23 फरवरी से होने वाली है। वहीं आगामी टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों की मिनी नीलामी अगले महीने 15 दिसंबर को बेंगलुरु में होगी। इसके लिए बीसीसीआई ने लीग की पांचों फ्रेंचाइजी को इससे जुड़ी वेन्यू और तारीख के बारे में इनफॉर्म कर दिया है। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 23 फरवरी को महिला प्रीमियर लीग का आगाज होगा। मुकाबले दो शहरों बेंगलुरु और दिल्ली में खेले जाएंगे। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक महिला प्रीमियर लीग के तीसरे सत्र से पहले मिनी नीलामी 15 दिसंबर को बेंगलुरु में होगी। नीलामी में 19 स्थान यानी 14 भारतीय और 5 विदेशी के लिए बोली लगेगी। जिसमें टीमें 16.7 करोड़ रुपये खर्च कर सकती हैं। हर टीम के पास 18 खिलाड़ी होते हैं और टीमें 15 करोड़ तक खर्च कर सकती हैं। हर स्क्वॉड में ज्यादा से ज्यादा 6 विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करने की अनुमति है। रिटेंशन के बाद गुजरात जायंट्स के पास 4.4 करोड़ का अधिकतम पर्स है, जिसमें चार स्लॉट भरने हैं।

हैरी ब्रूक के शतक से इंग्लैंड बड़े स्कोर की ओर

क्राइस्टचर्च, 29 नवंबर। हैरी ब्रूक (नाबाद 132) और ऑली पोप (77) की शानदार पारियों के दम पर इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को पांच विकेट पर 319 रन बनाकर मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। दिन का खेल समाप्त होने के समय हैरी ब्रूक(नाबाद 132) और कप्तान बेन स्टोक्स (नाबाद 37) रन क्रीज पर मौजूद थे। न्यूजीलैंड ने कल के 319 के स्कोर से आज आगे खेलते हुए मात्र 29 रन जोड़कर अपने दोनों विकेट गवां दिये। ब्राइडन कार्स ने टिम साउदी (19) को आउट कर इंग्लैंड को नौंवी सफलता दिलाई। इसके बाद ब्राइडन कार्स ने विलियम ओरूर्क (शून्य) को आउट कर न्यूजीलैंड की पारी का अंत कर दिया। ग्लेन फिलिप्स (58) रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड की ओर से ब्राइडन कार्स और स्पिनर बशीर अहमद ने चार- चार विकेट चटकाए। गस ऐटकिंसन दो बल्लेबाजों को आउट किया।

सिद्धार्थ कौल ने भारतीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। भारत के लिए वर्ष 2018-19 में खेलने वाले तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने भारतीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। कौल विदेश में खेलने का खुलासा करते हुए से कहा, मुझे लगता है कि मेरे अंदर अभी भी 3-4 साल का क्रिकेट बचा है। मैं अपने करियर की ऊंचाई पर छोड़ना चाहता था, जब मेरी फिटनेस और प्रदर्शन शीर्ष पर थे, ऐसे नहीं कि जब फिटनेस के कारण या प्रदर्शन नहीं करने की वजह से मुझे जाना पड़े। अगर आप मेरा 9-10 सालों का ग्राफ देखेंगे तो, मैंने सभी प्रारूपों में अच्छा किया है। तो मुझे लगता था कि यह छोड़ने का सही समय था। उम्मीद है मैं आगे बढूंगा जो भी मौक़ा मिले चाहे काउंटी क्रिकेट (इन गर्मियों में वह नॉर्थैंप्टनशायर के लिए तीन डिवीजन 2 चैंपियनशिप मैच खेले, जहां उन्होंने 29.84 की औसत से 13 विकेट लिए), हो या लीजेंड लीग हो, एमएलसी हो या और कुछ भी। अगर मुझे अवसर मिलता है तो मैं यहां खेलना चाहता हूं। कौल ने भारत के लिए जून 2018 से फरवरी 2019 के बीच तीन टी-20 और तीन एकदिवसीय मैच खेले।

गुलाबी गेंद से अभ्यास मैच में बल्लेबाजी संयोजन तय करना चाहेगी भारतीय टीम

एडिलेड, 29 नवम्बर। ऑस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ शनिवार से मानुका ओवल पर शुरू हो रहे दो दिवसीय अभ्यास मैच में भारतीय टीम एडीलेड में दिन रात के टेस्ट से पहले अपना बल्लेबाजी संयोजन तय करने के इरादे से उतरेगी। भारत ने अब तक दिन रात के चार टेस्ट खेले हैं और एकमात्र पराजय चार साल पहले एडीलेड में मिली जब टीम 36 रन पर आउट हो गई थी।

इसके बाद हालांकि भारत ने वापसी करके चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला जीती थी। गुलाबी गेंद सूर्यास्त के समय खेलना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। चूंकि अभ्यास मैच को प्रथम श्रेणी मैच का दर्जा नहीं है लिहाजा भारत के अधिकांश बल्लेबाज अभ्यास करना चाहेंगे। पर्थ टेस्ट 295 रन से जीतने के बाद भारतीय टीम का मनोबल ऊंचा है। अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले टेस्ट से बाहर रहे कप्तान रोहित शर्मा और अंगूठे के फ्रेक्चर से उबरे शुभमन गिल टीम में लौटे हैं जिससे छह दिसंबर से शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिये बल्लेबाजी क्रम में बदलाव हो सकता है।

रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल सलामी बल्लेबाज हैं लेकिन पर्थ टेस्ट में जायसवाल और केएल राहुल ने अच्छा प्रदर्शन किया। ऐसे में रोहित बल्लेबाजी क्रम में नीचे भी उतर सकते हैं। ऐसा होने पर गिल का क्रम भी बदलेगा। भारत को अभ्यास मैच में ही ये प्रयोग करने होंगे।

यह दो दिवसीय मैच ही है जिसमें गेंदबाजों की बजाय बल्लेबाजों को अधिक अभ्यास की जरूरत है। सरफराज खान जैसे बल्लेबाज भी हाथ आजमाना चाहेंगे हालांकि किसी के चोटिल होने की दशा में ही उन्हें मौका मिल सकता है। गिल ने नेट्स पर टीम के साथ अभ्यास किया।

भारतीय टीम इस दौरे पर अभ्यास मैच नहीं खेल रही है क्योंकि अमूमन वे प्रतिस्पर्धी नहीं होते। प्रधानमंत्री एकादश टीम की कमान जैक एडवडर्स के हाथ में है। टीम में आस्ट्रेलिया के अंडर 19 स्टार चार्ली एंडरसन, माहली बीयर्डमेन, एडेन ओकोनोर और सैम कोंस्टास भी हैं।

अखिल भारतीय जीवन बीमा निगम खेल प्रतियोगिता

सीईओ एंड एमडी ट्रॉफी पश्चिम क्षेत्र ने जीती

जयपुर, 29 नवम्बर। भारतीय जीवन बीमा निगम की राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता मे आज शंतरज मे पुरुष वर्ग मे इन्टरनेशनल मास्टर दिनेश कुमार शर्मा ने ग्रांड मास्टर श्री राम झा को हरा कर पदक पर कब्जा किया वही महिला वर्ग मे ग्रांड मास्टर स्वाति घाटे ने किरण मनीषा मोहन्ती को हराकर चैंपियन बनी।नार्थ सेन्ट्रल जोन ने पुरुष वर्ग की टीम खिताब पर कब्जा किया वही महिला वर्ग मे वेस्ट जोन ने टीम चैंपियन बनी। बैडमिंटन महिला वर्ग मे लीना घापरे ने वर्धा दीक्षित को सीधे मुकाबले मे 2-0 से हराकर पदक अपने नाम किया वही पुरूष वर्ग मे प्रेम सिह चौहान ने उल्टफेर करते हुए पूर्व चैम्पियन सिद्धार्थ जाखड को सीधे सेटो मे 21-9,21-18 हराकर विजेता बने। महिला वर्ग मे वेस्ट जोन व पुरुष वर्ग मे नार्थ जोन की टीम ने चैम्पियनशिप पर कब्जा किया।

एसएफए चैम्पियनशिप 2024 : 293 स्कूलों के 11 हजार से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे

जयपुर, 29 नवंबर। पिछले साल के प्रदर्शन को आगे बढ़ाते हुए एसएफए चैंपियनशिप 2024 दूसरे संस्करण के लिए जयपुर लौट रही है। जिसका आरम्भ शनिवार को सवाई मान सिंह स्टेडियम में किया जा रहा है। इस आयोजन में 293 स्कूलों के 3 से 18 वर्ष की आयु के 11,500 प्रभावशाली एथलीट शामिल होंगे, जो चार स्थानों पर 15 खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

इस वर्ष, उभरते हुए एथलीटों को शहर भर में फैले कई प्रमुख स्थानों पर अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा, जिसमें सवाई मानसिंह स्टेडियम जेपी स्केटिंग क्लब बैंक्ड ट्रैक, आरएसएससी ओएसिस शूटिंग रेंज और यूनियन फुटबॉल क्लब जयपुर शामिल हैं। इसके अलावा, इस साल एसएफए चैंपियनशिप में 293 स्कूल प्रतिनिधित्व करेंगे। इस साल चैंपियनशिप 4 दिसंबर तक चलेगी, जिसमें जयपुर भर से प्रतिभागी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं की तलाश करेंगे। चैंपियनशिप के बारे में बात करते हुए एसएफए चैंपियनशिप के संस्थापक

सदस्य और सीओओ राजस जोशी ने बताया कि एसएफए चैंपियनशिप भारत भर में जमीनी स्तर के खेलों और युवा प्रतिभाओं का उत्सव है। इस आयोजन में सिर्फ़ प्रतिस्पर्धा नहीं होती; यह हर बच्चे को खेल में उत्कृष्टता हासिल करने का अवसर देता है। इसके अलावा, इस साल के आयोजन में एसएफए चैंपियनशिप दो विशेष दिन का उत्सव मनाएगी। 3 दिसंबर को कोच डे मनाया जाएगा, जिसमें उनके योगदान का सम्मान और जश्न मनाया जाएगा।

जयपुर की ईति चौधरी ने एमेच्योर श्रेणी में जीत दर्ज की

जयपुर, 29 नवम्बर। जयपुर की राष्ट्रीय खिलाड़ी ईति चौधरी ने हाल ही में दिल्ली की आर्मी गोल्फ क्लब में संपन्न हुए कप दिल्ली 2024 में एमेच्योर श्रेणी में जीत दर्ज करते हुए राजस्थान का नाम रोशन किया! ईति ने 25 नवंबर से 28 नवंबर तक चले टूर्नामेंट में अपनी दिल्ली की तनिष्ठा ध्यानी से 5 स्ट्रोक की बढ़त लेते हुए एमेच्योर कैटेगरी जीत हासिल की ! ईति चौधरी ने अपने जीत का श्रेय अपनी लग्न और अपने पिता मगन डूडी को दिया है ज़ो की ईति के कोच भी है ईति ने हाल ही में 2 अक्टूबर को कोयम्बटूर (तमिलनाडु) में आयोजित हुए राष्ट्रीय स्तर के गोल्फ टूर्नामेंट में भी जीत हासिल की थी ! ईति जयपुर के कनोडिया महिला कॉलेज की मनोविज्ञान प्रथम वर्ष की छात्रा है अपनी पढ़ाई में भी बहुत अच्छी है।

राजस्थान डिसेबल्ड क्रिकेट चैलेंजर टूर्नामेंट 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक जयपुर में

जयपुर, 29 नवंबर। राजस्थान डिसेबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन (आरडीसीए) पैट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से जयपुर के प्रसिद्ध जयपुरिया क्रिकेट अकादमी में 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक प्रतिष्ठित फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर टूर्नामेंट 2024 की मेजबानी करेगा। राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहयोग से हो रहे इस नेशनल लेवल के टूर्नामेंट में देश भर के 56 शीर्ष दिव्यांग खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जो 20 सदस्यीय इंडियन नेशनल फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट टीम में जगह बनाने के लिए लड़ेंगे। चयनित टीम 14 जनवरी, 2025 से श्रीलंका में आयोजित होने वाली बहुप्रतीक्षित फोर नेशंस क्वाड्रीलेटरल सीरीज़ में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी, जिसमें भारत, यूके, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें शामिल होंगी।

यह टूर्नामेंट भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के तत्वावधान में डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) और फिजिकली चैलेंज्ड क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पीसीसीएआई) द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसमें आरडीसीए मेजबान संघ है। राजस्थान डिसेबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन (आरडीसीए) की अध्यक्ष, ज्योत्सना चौधरी ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, "हम जयपुर में विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले इन असाधारण खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए रोमांचित हैं। यह टूर्नामेंट प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और खेल भावना का एक रोमांचक प्रदर्शन होने का वादा करता है।

डीसीसीआई के सचिव रवि चौहान ने टूर्नामेंट के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "यह टूर्नामेंट राष्ट्रीय टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं का चयन करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर रोहित झालानी, हेड कोच ऑफ़ डिसेबल्ड इंडिया क्रिकेट टीम ने कहा, "यह टूर्नामेंट देशभर से चिन्हित 56 डिफ्रेंट्ली अबलेड क्रिकेटर्स के लिए एक मौका है इंडियन नेशनल फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट टीम में टॉप 20 में अपनी जगह बनाने का।

4 दिवसीय इस क्रिकेट टूर्नामेंट में 6 लीग मैच के साथ एक फाइनल मैच खेला जायेगा। टी-20 टूर्नामेंट के रूप में यह मैच 4 टीम्स - इंडिया सीनियर्स, इंडिया ए, इंडिया बी और इंडिया सी के बीच खेले जायँगे जहाँ हर टीम 3-3 मैच खेलेगी। प्रतिदिन 2 मैच खेले जायँगे और 3 दिसंबर को फाइनल मैच होगा।

लक्ष्य के और करीब सेन, सिंधु ने पकड़ी रफ्तार, प्रियांशु भी अंतिम चार में

लखनऊ, 29 नवंबर। सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप 2024 में ओलंपियन पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने शुक्रवार को क्रमशः महिला एकल और पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में दो लाख 10 हजार अमेरिकी डालर इनामी राशि वाली चैंपियनशिप में एक अन्य पुरुष एकल मुकाबले में दूसरी वरीय प्रियांशु राजावत भी जीत के साथ अंतिम चार में पहुंच गए। शुरुआती दो जीतों के बावजूद अपने खेल से संतुष्ट नजर नहीं आ रही शीर्ष वरीय पीवी सिंधु ने चीन की डाई वांग को 21-15, 21-17 से हराया। विश्व रैंकिंग में 18वीं वरीय पीवी सिंधु ने चीन की 118वीं विश्व रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अच्छा खेल दिखाया। आज के मैच में उनका आत्मविश्वास साफ झलक रहा था जिसके चलते बेहतरीन स्मैश शॉट के सहारे जीत अपने नाम कर ली।

एकतरफा मुकाबले में बालसमंद ने सरदार समंद को दस गोल से हराया

जोधपुर, 29 नवम्बर। जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउण्डेशन पोलो मैदान, एयरफोर्स रोड, पाबूपुरा में चल रहे 25वें जोधपुर पोलो सीजन में आउट ऑफ दी हेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन के मैच में बालसमंद टीम ने सरदारसमंद टीम को पांच के मुकाबले पन्द्रह गोल कर दस गोल के अन्तर से आसान जीत दर्ज की। विजेता टीम के सभी तीनों खिलाडियों महेन्द्रसिंह जोधपुर, महेन्द्रसिंह जयपुर व योगेश्वर सिंह ने बहुत ही शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मैच की शुरुआत से ही विपक्षी टीम पर दबदबा बनाए रखा। जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि दोपहर 3.30॰बजे खेले गये टूर्नामेंट के दूसरे मैच में बालसमंद टीम की ओर से खेलते हुए जोधपुर के महेन्द्रसिंह ने पहले, दूसरे व तीसरे चक्कर में एक-एक गोल व चैथे चक्कर में लगातार दो गोल किए। जयपुर के महेन्द्रसिंह ने भी दूसरे व तीसरे चक्कर में दो-दो व चैथे चक्कर में एक गोल किया। साथी खिलाडी योगेश्वरसिंह भांवरी ने पहले चक्कर में तीन तथा दूसरे व तीसरे चक्कर में एक गोल किया। इस टीम के तीनों ही खिलाडियों ने पांच-पांच गोल किए। मुकाबले में सरदारसमंद टीम की ओर से खेलते हुए विश्वराजसिंह ने पहले, दूसरे व चैथे चक्कर में एक-एक गोल व साथी खिलाडी पेपसिंह भलासरिया ने चैथे चक्कर में दो गोल किए। मैच के अम्पायर धनन्जयसिंह राठौड थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नगरीय विकास विभाग की समीक्षा बैठक में विभागीय घोषणाओं की समीक्षा कर उनकी कार्यप्रगति की जानकारी ली तथा उन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

ट्रम्प कैनडा व मैक्सिको पर भारी आयात शुल्क लगाएंगे, भारत को नए अवसर मिलेंगे

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। अगले साल 20 जनवरी को डॉनल्ड ट्रम्प वाइट हाउस में चले जाएंगे और उनके द्वारा तुरंत लिया जाने वाला एक निर्णय होगा कैनडा और मैक्सिको से आयात पर शुल्क लगाना।

यह प्रस्तावित कदम भारत के लिए, बढ़े हुए व्यापार, निवेश और बदले हुए सप्लाई चेन के माध्यम से अवसर पैदा करेगा।

व्यापार विश्लेषकों का कहना है कि यदि अमेरिकी कम्पनियों को कैनडा और मैक्सिको से आयातित माल पर लगाए गए शुल्क के कारण ऊँची लागत का सामना करना पड़ता है, तो वे वैकल्पिक सप्लायर्स की तलाश कर सकते हैं। अपनी बेहतर उत्पाद क्षमता के साथ भारत, विशेष रुप से वस्त्र, दवा और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में माल की आपूर्ती करने के लिए आगे आ सकता है।

यदि ये शुल्क कृषि उत्पादों पर भी लागू होते हैं, तो भारत को अमेरिका के बाज़ार में अनाज, मसाले और प्रोसैस्ड खाद्य पदार्थ निर्यात करने का अवसर मिल सकता है।

विश्लेषकों का कहना है कि भारत के लिए टैक्सटाइल, इलैक्ट्रॉनिक्स और कैमिकल्स जैसे उद्योगों को टारगैट करना विशेषरुप से लाभकारी होगा।

कैनडा या मैक्सिको की कंपनियाँ, जो अमेरिका के साथ व्यापार पर निर्भर हैं, वो अपना कामकाज ऐसे देशों में ले

- ट्रम्प ने शपथ ली है कि वाइट हाउस जाने के साथ ही वे पहला निर्णय कैनडा और मैक्सिको पर आयात शुल्क लगाने का करेंगे।
- विशेषज्ञों का कहना है कि इससे भारत के लिए व्यापार, निवेश के नए अवसर खुलेंगे तथा टैक्सटाइल, इलैक्ट्रॉनिक्स और कैमिकल उद्योग में भारत को भारी लाभ हो सकता है।
- विशेषज्ञों ने कहा कि अगर आयात शुल्क के दायरे में कृषि उत्पादों को भी शामिल किया जाता है तो भारत को दालें, मसाले व प्रौसैस्ड फूड के निर्यात का भी अवसर मिलेगा।

जाने के बारे में सोच सकती हैं जहाँ व्यापार में बाधाएं कम हों। एक बढ़ती इकॉनमी के रुप में भारत, जहाँ व्यापार के क्षेत्र में अनुकूल सुधार हुए हैं, ऐसे कुछ निवेशों को आकर्षित कर सकता है।

इसके अलावा अमेरिका, भारत को उत्पादन और आपूर्ति के लिए एक विकल्प के रुप में देख सकता है, जिससे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अमेरिका के उद्योगों को शुल्कों से प्रभावित होकर उच्च लागत का सामना करना पड़ता है, तो वे अन्य क्षेत्रों में खर्चों को कम करने की कोशिश कर सकते हैं। जिससे, इन्फॉर्मेशन टैक्नॉलजी, व्यापार प्रक्रियाएं तथा अन्य सेवाएं भारतीय कंपनियों को आउटलोर्स करने की सोच सकते हैं।

इसके साथ-साथ, कैनडा और मैक्सिको के साथ तनावपूर्ण रिश्तों से उत्पन्न होने वाले परिणामों को संतुलित करने के लिए अमेरिका, भारत के साथ नजदीकी संबंध बनाने पर विचार कर सकता है। इससे टैक्नॉलजी और डिफैन्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों में व्यापार समझौतों या सहयोग की संभावना हो सकती है।

अमेरिका के इस कदम से लाभ उठाने के लिए भारत को कई चुनौतियों का सामना करना होगा। भारतीय उत्पादों को अमरीकी गुणवत्ता तथा नियामक मानकों पर खरा उतरना होगा, ताकि इन अवसरों का पूरा लाभ उठाया जा सके। इस स्थिति से लाभ उठाते हुए, भारत को अपनी कूटनीति पर चलते हुए भी सावधानी बरतनी होगी, ताकि सभी संबंधित देशों के साथ मजबूत संबंध बने रहें।

इसके अतिरिक्त, व्यापार विश्लेषक कहते हैं कि चीन द्वारा भारत को दी जा रही प्रतिस्पर्धा को किसी भी स्थिति में नज़र अंदाज़ नहीं किया जा सकता।

नॉर्थ अमेरिका में बनी वस्तुओं पर शुल्क लगाने से, अमेरिका की कंपनियाँ, अन्य क्षेत्रों से अधिक किफायती वस्तुओं की सोर्सिंग करने पर विचार कर सकती हैं। जिससे, पहले से लागू शुल्क के बावजूद, चीन के मैनुफैक्चरिंग सैक्टर को लाभ हो सकता है। चीन में बहुत बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है तथा इसकी सप्लाई चेन मजबूत हैं, जिसके कारण चीन कैनडा और मैक्सिको द्वारा खाली छोड़े गए स्थान को भरने के लिए एक मजबूत दावेदार बन सकता है। हालाँकि, चीन में होने वाला अत्यधिक उत्पादन तथा वर्तमान में कमज़ोर पड़ी उपभोक्ता मांग, जैसी चुनौतियाँ इस देश को इन बदलावों का पूरा लाभ उठाने में बाधा बन सकती हैं।

भारत के लिए, यह स्थिति "चाइना प्लस वन" रणनीति को मजबूत करने का अवसर देती है, जिसका उद्देश्य निर्माताओं को चीन से अलग होने के लिए आकर्षित करना है। अब जबकि, ग्लोबल ट्रेड डायनमिक्स बदल रहे हैं, तो ऐसे में भारत खुद को एक "वैकल्पिक मैनुफैक्चरिंग हब" के रुप में प्रस्तुत कर सकता है। खासकर, अगर भारत घरेलू उत्पादन को सहायता देने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए अपनी नीतियों में थोड़ा बहुत परिवर्तन करता है।

'जयपुर को ट्रैफिक जाम से छुटकारा दिलाने के लिए प्रभावी योजना बनायें'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने नगरीय विकास की समीक्षा में कलैक्ट्रेट सर्किल व गाँधीनगर मोड़ के लिये निर्देश दिये

जयपुर, 29 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर को ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए प्रभावी कार्य योजना बनाने के लिए कहते हुए कहा कि बढ़ती आबादी के चलते जयपुर में यातायात भार लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में क्षेत्र का ट्रैफिक प्रबंधन बेहद जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए, खासतौर पर कलैक्ट्रेट सर्किल और गांधीनगर मोड़ के लिए। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक डाइवर्ज़न के लिए वैकल्पिक मार्गों का भी विकास किया जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार शहरी बुनियादी ढ़ांचे को विश्वस्तरीय बनाने एवं जनसुविधाओं को सशक्त एवं समावेशी बनाने की प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को दी जा रही सेवाओं के स्तर को बेहतर बनाया जाए तथा नगरीय विकास के लिए नवीनतम तकनीकों का प्रयोग किया जाए, ताकि शहरी विकास के नए आयाम स्थापित हो सके।

मुख्यमंत्री शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित नगरीय विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया और उन्होंने बजट में विभागीय घोषणाओं की समीक्षा कर उनकी कार्यप्रगति की जानकारी ली तथा

- मुख्यमंत्री ने बैठक में रिद्धी-सिद्धी फ्लायओवर, इमली वाला फाटक फ्लायओवर, सांगानेर में एलिवेटिड रोड, सिविल लाइन्स रोड ओवर ब्रिज, गॉल्फ क्लब पार्किंग, जयपुर मेट्रो विस्तार, रिंग रोड आदि की प्रगति की जानकारी ली।
- बैठक में जयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान आवासन मंडल, मुख्य नगर नियोजक सहित नगरीय विकास, विभाग के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती के भी निर्देश दिये गये।

उन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने रिद्धी-सिद्धी फ्लाईओवर, इमलीफाटक फ्लाईओवर, सांगानेर फ्लाईओवर से चौरड़िया पेट्रोल पम्प तक एलिवेटेड रोड, सिविल लाइन्स आरओबी, रामबाग गोल्फ क्लब पार्किंग की प्रगति की जानकारी ली तथा इन कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने द्रव्यवती नदी का सौन्दर्यीकरण, आई.पी.डी. टावर के निर्माण, जयपुर मेट्रो के विस्तार, रिंग रोड़ के निर्माण, आर.ओ.बी. (रोड ओवर ब्रिज), आर.यू.बी. (रोड अंडर ब्रिज), सेक्टर रोड, ऐलिवेटेड रोड सहित विभिन्न विकास कार्यों की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड का मुख्य काम आमजन को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है। ऐसे में मण्डल अपनी आवासीय योजनाओं की गति में तेजी लाएं। साथ ही, मण्डल की सभी सम्पत्तियों का विवरण ऑनलाइन हो, ताकि लोगों को इनकी जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि नई आवासीय योजनाओं में गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए, साथ ही ऑनलाइन आवेदन तथा ई-नीलामी की प्रक्रिया को अधिक प्रभावशाली बनाया जाए।

शर्मा ने अधिकारियों को जयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान आवासन मण्डल, मुख्य नगर नियोजक सहित, नगरीय विकास विभाग के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगरीय विकास विभाग द्वारा जल्द से जल्द अपने अभियान्त्रिकी संवर्ग के सेवा नियम बनाए जाएं, जिससे राजस्थान लोक सेवा आयोग के माध्यम से शीघ्र नवीन पदों पर भर्ती की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन विभागों में लम्बे समय से एक स्थान पर कार्यरत कार्मिकों को बदला जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की मंशा है कि भ्रष्टाचार में लिप्त कार्मिकों को नहीं बख्शा जाएगा तथा ईमानदार कार्मिक को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग में कार्मिकों से संबंधित सभी लम्बित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करें। बैठक में शहरी परिदृश्य एवं नगरीय निकायों की स्थिति, विभागीय महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट, नवाचारों, मास्टर प्लान एवं ज़ोनल डवलपमेंट प्लान की स्थिति सहित विभिन्न विभागीय बिन्दुओं पर चर्चा की गई।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास वैभव गालरिया ने प्रैजेन्टेशन के माध्यम से नगरीय विकास विभाग के कार्यक्रमों, नवाचारों एवं योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बांग्लादेश में हिंदुओं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस्कॉन के प्रमुख हैं।

चिन्मय दास को जमानत नहीं दी गई है, वे अभी भी जेल में ही हैं। उन पर देशद्रोह तथा बांग्लादेश के झंडे का अपमान करने का आरोप है। भारत का कहना है कि चिन्मय कृष्णदास की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अंतरिम सरकार को विशेष प्रयास करना चाहिए। यह यकीन करने के पूरे कारण हैं कि अल्पसंख्यकों पक्ष रख रहे चिन्मय कृष्ण दास पर झूठे आरोप लगाए गए हैं। हाल ही में, बांग्लादेश में भारतीय झंडे का अपमान करने की कई घटनाएं हुई हैं, एक कट्टरपंथी संगठन के सदस्यों ने यह हरकत की है।

आश्चर्य की बात है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कुछ नहीं कहा है, जबकि वे तो हर छोटी बात पर टीका टिप्पणी करने के लिए जानी जाती हैं। हिंदुओं के खिलाफ हो रहे संगठित हमले पर वे चुप है इससे पहले भी जब शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के बाद हुई हिंसा पर भी चुप रही। इसी बीच, शेख हसीना ने अवश्य हालिया घटनाओं पर टिप्पणी की तथा हिंसा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की।

पहली बार के सांसद मुरलीधर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

132 सीटों के साथ भाजपा सबसे आगे है। पर अभी भी भाजपा ने विधायक दल की बैठक नहीं बुलाई है, जिसमें मुख्यमंत्री की घोषणा होनी है।

पूरी संभावना है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी भाजपा को ही मिलेगी, क्योंकि इसकी सीटें सर्वाधिक हैं। शिंदे की शिवसेना को 57 और अजित पवार की एन. सी. पी. को 41 सीटें मिली हैं। ये दोनों दल मुख्यमंत्री की कुर्सी की बजाय प्रमुख विभागों पर फोकस कर रहे हैं।

शिंदे ने अपनी पार्टी के नेताओं को संकेत दिया है कि वे उपमुख्यमंत्री का पद नहीं लेगें, क्योंकि यह उनका डिमोशन होगा, इसलिए उनकी पार्टी का कोई और नेता उपमुख्यमंत्री बनेगा।

सूत्रों ने संकेत दिया कि नई सरकार के पावर शेयरिंग फॉर्मूला में दो उपमुख्यमंत्री होंगे, एक भाजपा से तथा दूसरा घटक दलों से। मंत्री पदों के वितरण में भाजपा 20 विधायकों को मंत्री बनाएगी, जिनमें एन. सी. पी. की बजाय शिवसेना से ज्यादा मंत्री लिए जाएंगे।

इसी बीच, शिवसेना नेता दृढ़ता से कह रहे हैं कि एकनाथ शिंदे को ही मुख्यमंत्री बनाया जाए। उनका कहना है कि महायुति को यह जीत शिंदे की "लड़की बहिन" योजना की सफलता से मिली है।

इस समय शिंदे के अगले कदम को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। पार्टी प्रवक्ता और विधायक संजय शिरसत ने कहा कि शिंदे के उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार करने की संभावना नहीं है, जो व्यक्ति मुख्यमंत्री रहा हो, उसके लिए उपमुख्यमंत्री बनना सही नहीं है। इसके अनिश्चितता और बढ़ गई है।

सिरसत ने कहा कि शिंदे की चिंता यही है कि पार्टी के कई नेता उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली मूल शिवसेना में लौट सकते हैं, जिससे उनकी सौदेबाजी करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

शिंदे के पुत्र श्रीकांत शिंदे, जो कल्याण से सांसद हैं, ने कहा कि उनके पिता महायुति के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उनकी प्राथमिकता व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की बजाय सामूहिक शासन है, वे गठबंधन धर्म को प्राथमिकता देते हैं। ऐसा कहकर श्रीकांत ने अटकलों को विराम देने का प्रयास किया। इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा, अगर भाजपा मुरलीधर को चुन ले जो दूर-दूर कहीं भी रेस में नहीं हैं। पार्टी ने राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और गुजरात में ऐसा ही किया था।

क्या एकनाथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पवार ग्रुप के लिए क्रमश: 11 और 9 विभाग छोड़ना चाहती है। कथित रूप से वित्त विभाग अजित पवार ग्रुप के पास ही रहेगा, जबकि शिंदे सेना को शहरी विकास तथा जन कल्याण विभाग मिलेंगे। शिंदे सेना प्रवक्ता, संजय शिरसाट ने महायुति में चल रही आंतरिक कशमकश के संकेत दिए। उन्होंने कहा, जो व्यक्ति एक बार मुख्यमंत्री रह चुका हो उसके लिए उपमुख्यमंत्री के रूप में पद स्वीकार करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा "लेकिन, शिंदे साहब से हमारी प्रार्थना है कि उन्हें केन्द्र में नहीं जाना चाहिए। तथापि, जो भी निर्णय वो लेंगे, हम उनका समर्थन करेंगे।"

गुरुवार की शाम को अमित शाह से मीटिंग के बाद, जिसे उन्होंने सकारात्मक बताया, शिंदे संभवत: दिल्ली जाने के बारे में सोच रहे हैं। वैसे भी, उनके पार्टी नेता, इन संभावनाओं को लेकर आशान्वित हैं कि, भाजपा शायद एक बार फिर मुख्यमंत्री का पद शिंदे को दे देगी। लेकिन, ये संभावनाएं मूर्तरूप लेंगी, इसके आसार कम हैं। तथापि, शिरजाट ने कहा, "पहले मुख्यमंत्री के बारे में निर्णय हो जाने दें। बाकी बाद में होगा।"

सी.डब्ल्यु.सी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जो इस बिन्दु पर अन्दरूनी अभिशंसाएं देंगी कि संगठन आगामी चुनाव लड़ने के लिये चुस्त-दुरूस्त कैसे बने।

खड़गे ने कहा कि पार्टी को कुछ सख्त निर्णय लेने की जरूरत है तथा आगामी दिनों और सप्ताहों में ऐसा किया जायेगा।राहुल ने गौरव गोगोई की इस बात का समर्थन किया कि अगर पार्टी गलत कामों को लेकर सेबी से टक्कर ले सकती है तो चुनाव आयोग से, उसकी कमियों और खामियों को लेकर, क्यों नहीं टकरा सकती। अब तक पार्टी चुनाव आयोग के साथ नरमी से पेश आती रही है, भले ही वह पूरी तरह से पक्षपात करता रहा हो।

सी.डब्ल्यू.सी. ने साम्प्रदायिकता तथा विभाजनकारी नीतियों को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला तथा कहा कि सरकार सत्ता की सतत भूख के कारण, संस्थाओं तथा तंत्रों को नष्ट कर रही है।

राजस्थान की सड़कों के लिए केन्द्र ने 1154 करोड़ की मंजूरी दी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरूवार को केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की थी

जयपुर , 29 नवम्बर। प्रदेश की 27 सड़कों के विकास के लिए केन्द्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 1154.47 करोड़ रूपये की तथा श्रीगंगानगर में रेलवे अण्डर ब्रिज निर्माण के लिए 30 करोड़ रूपये स्वीकृति दी है। इस राशि से राज्य की 748.80 कि.मी की सड़कों का चौड़ाई करण एवं सुदृढ ीकरण तथा कोटा में कालीसिंध नदी पर हाईलेवल ब्रिज का निर्माण किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के प्रयासों से केन्द्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि (सी.आर.आई.एफ.) से राज्य सड़कों के विकास के लिए तथा सेतु बंधन योजना के तहत केन्द्र सरकार द्वारा यह राशि स्वीकृत की गई है। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इन

- केन्द्र सरकार ने यह राशि केन्द्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधी (सी.आर. आई.एफ.) तथा सेतुबंधन योजना के तहत स्वीकृत की है।

सड़कों के निर्माण से न केवल परिवहन सुगम होगा, बल्कि व्यापार, पर्यटन और कृषि क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा। बेहतर सड़क नेटवर्क से राज्य में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

प्रदेश के 15 लोकसभा क्षेत्रों के 17 जिलों में इस राशि से वृहद जिला सड़क (एम.डी.आर.) तथा स्टेट हाईवे श्रेणी की 27 सड़क परियोजनाओं का चौड़ाई करण एवं सुदृढ़ ीकरण किया जाएगा।

इस राशि से अलवर लोकसभा क्षेत्र के अलवर जिले में 24 करोड़ की लागत से 24 कि.मी,खैरथल-तिजारा जिले में 69 करोड़ की लागत से 51 कि.मी, कोटपूतली-बहरोड़ जिले में 49.30 करोड़ की लागत से 28.62 कि.मी, बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र के बालोतरा जिले में 57.50 करोड़ की लागत से 49 कि.मी, भीलवाड़ा के शाहपुरा जिले में 74 करोड़ की लागत से 44 कि.मी, बीकानेर जिले में 73.30 करोड़ की लागत से 71.80 कि.मी, चित्तौडगढ के प्रतापगढ जिले में 20 करोड़ की लागत से 17 कि.मी,जयपुर ग्रामीण तथा सीकर लोकसभा क्षेत्र के जयपुर ग्रामीण में 65 करोड़ की लागत से 57.70 कि.मी सड़कों का निर्माण चौड़ाईकरण एवम सुदृढ़ ीकरण करवाया जाएगा।

इसी प्रकार जालौर में 65 करोड़ की लागत से 49 कि.मी, झालावाड़ जिले में 149.97 करोड़ की लागत से 81.25 कि.मी,जोधपुर के फलौदी जिले में 55.65 करोड़ की लागत से 53 कि.मी,कोटा के बूंदी जिले में 80 करोड़ की लागत से 33 कि.मी तथा कोटा में 70 करोड़ की लागत से कालीसिंध नदी पर हाईलेवल ब्रिज का निर्माण,पाली के जोधपुर ग्रामीण में 98 करोड़ की लागत से 67 कि.मी, राजसमंद में 70 करोड़ की लागत से 58 कि.मी, टोंक में 58.50 करोड़ की लागत से 25.43 कि.मी तथा उदयपुर में 65.25 करोड़ की लागत से 39 कि.मी राज्य सड़कों का सुदृढ ीकरण एवं चौड़ाईकरण करवाया जाएगा।

दिल्ली में कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में सभी 70 सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने साफ किया कि चुनाव में किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के बारे में फैसला चुनाव के बाद कांग्रेस विधायक दल द्वारा किया जाएगा।

बता दें कि इस साल हुए लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी दिल्ली में कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ी थी। लेकिन दोनों दल एक भी सीट जीतने में नाकाम रहे। लोकसभा चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी के नेता कहने लगे थे कि उनकी पार्टी दिल्ली में अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

दिल्ली में कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है। पिछले चुनाव में आम आदमी पार्टी 70 में से 60 से ज्यादा सीटें जीती थी।

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था कि उस जगह पहले हरिहर मन्दिर बना हुआ था।

चौबीस नवम्बर को इसका विरोध करने के लिये लोग मस्जिद के पास इकट्ठे हो गये तथा सुरक्षाकर्मियों के साथ उनका टकराव हो गया तथा इसके बाद पत्थरबाजी तथा आगजनी की गई। हिंसा में चार लोग मारे गये तथा अन्य बहुत से लोग घायल हो गये।

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्देशों के जरिये, इस मामले में ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हस्तक्षेप किया है, जब दक्षिणपंथी हिन्दुत्ववादी ग्रुप बड़ी संख्या में स्थानीय अदालतों में पहुँच रहे थे तथा कह रहे थे कि यह मालूम करने के लिये सर्वे के आदेश दिये जायें कि यह मन्दिर है या मस्जिद है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का स्वागत करते हुये, सर्वोच्च न्यायाल के वरिष्ठ एडवोकेट प्रशान्त भूषण ने "एक्स" पर टिप्पणी की है: "सर्वोच्च न्यायालय ने सम्भल की मस्जिद के सर्वे के प्रकरण में ट्रायल कोर्ट को यथास्थिति बनाये रखने के आदेश देकर सराहनीय कार्य किया है। ऐसी आशा है कि इससे वहाँ हो रहा अनिष्ट रूक जायेगा। आशा की जा रही है कि सर्वोच्च न्यायालय जल्दी ही उन साम्प्रदायिक उपद्रवों का अन्त कर देगा, जो पूरे देश में मस्जिदों के सर्वे की आड़ में हो रहे हैं।"

दुष्कर्म के प्रयास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसमें ए.डी.जे. कोर्ट ने 18 दिसंबर, 1991 में याचिकाकर्ता को पांच साल की सजा सुनाई थी। मामले में पीड़िता के अलावा, कोई स्वतंत्र गवाह भी नहीं था। इसके अलावा मेडिकल में पीड़िता के चोट भी नहीं मिली। वहीं, सरकारी पक्ष की ओर से अधिवक्ता मानवेन्द्र सिंह ने कहा कि एफ.एस.एल. जांच में दुष्कर्म का प्रयास साबित है।

बिरसा मुण्डा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुंडा ने लिखा, 'धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा मेरे बड़े भाई आज 29.11.2024 की रात को लगभग 12:30 बजे हमारे बीच नहीं रहे।'

बता दें कि सड़क हादसे के बाद मंगल मुंडा को रांची स्थित रिम्स के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था, जहां उनका जारी था। इसके बाद मंगल मुंडा के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ट्रॉमा सेंटर एंड सेंट्रल इमरजेंसी में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मंगल मुंडा के परिजनों से भी बात की और डॉक्टरों से कहा कि मंगल मुंडा का बेहतर इलाज किया जाए साथ ही उन्हें सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए।

लम्बित अपराधिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत ने करीब नौ माह पहले याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा था।

जनहित याचिका में अधिवक्ता विमल चौधरी ने अदालत को बताया कि अलवर में करीब दस हजार वर्ग मीटर जमीन का स्कूल के लिए आवंटन वोकेशनल एजुकेशन ट्रस्ट को हुआ था। ट्रस्ट ने यू.आई.टी. में आवेदन कर इसका विभाजन करा लिया और एक हिस्सा पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल की पार्टनरशिप वाली फर्म दिव्या इन्फोटेक को बेच दिया। वहीं, फर्म ने यहां मुख्यमंत्री आवास योजना के लिए मंजूरी मांग ली। याचिका में कहा गया कि स्कूल के लिए आवंटित भूमि का दूसरा उपयोग नहीं जा सकता।

इसका विरोध करते हुए ट्रस्ट की ओर से अधिवक्ता शोभित तिवाड़ी ने कहा कि अदालत को याचिका की मेरिट पर जाने से पहले याचिकाकर्ताओं का आचरण देखना चाहिए। एक याचिकाकर्ता नीलेश खंडेलवाल ने वर्ष 2014 में सिंघल के खिलाफ एम.एल.ए. का चुनाव लड़ा था और उनके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं, जबकि अन्य याचिकाकर्ता हेमंत कुमार व अन्य के खिलाफ भी आपराधिक मामले हैं। जनहित याचिका की आड़ में ब्लैकमेलिंग, राजनीतिक हित और व्यक्तिगत हित साधे जा रहे हैं। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने जनहित याचिका को हर्जाने के साथ खारिज कर दिया है।

महाराष्ट्र में बस पलटने से नौ की मृत्यु

गोंदिया, 29 नवंबर। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के दाववा गांव के पास शुक्रवार दोपहर महाराष्ट्र सड़क परिवहन निगम (एम.एस.आर.टी.सी.) की एक बस पलट जाने से नौ यात्रियों की मौत हो गई और अन्य 25 घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, हादसा तब हुआ, जब एम.एस.आर.टी.सी. की शिव शाही बस भंडारा से गोंदिया जा रही थी। बस दोपहिया वाहन को ओवरटेक करने के दौरान पलटकर सड़क से करीब 20 फुट नीचे गहरे गड्ढे में गिर गयी। इसमें सवार नौ

- एक दुपहिया वाहन को ओवर टेक करते हुए बस पलट कर 20 फुट नीचे गड्ढे में गिर गई।
- दुर्घटना में घायल 25 यात्रियों में से कुछ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। मुख्यमंत्री शिंदे ने मृतकों के परिजनों को दस लाख रु. की आर्थिक सहायता के निर्देश दिये।

यात्रियों की मौत हो गई, अन्य 25 यात्री घायल हो गए, जिसमें से कुछ गंभीर रूप से घायल हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

बस दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद, दाववा के ग्रामीण दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। 108 एंबुलेंस बुलाई गई और उन्हें गोंदिया के सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

हादसे की जानकारी मिलते ही डुग्गीपार थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। हादसे के कारण गोंदिया-कोहमारा मार्ग पर यातायात कुछ देर के लिए रोक दिया गया।

कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कलेक्टर प्रजीत नायर से हादसे की जानकारी ली। प्रशासन को तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

शिंदे ने मृतक के परिजनों को दस लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने का भी निर्देश दिया।

प्रशासन ने सम्भल में इंटरनेट चालू किया

लखनऊ, 29 नवंबर। संभल में बवाल के बाद इंटरनेट पर लगे बैन को हटा लिया गया है। मोबाइल इंटरनेट सेवा बहाल होने से लोगों को राहत मिली है। इस बीच संभल जिला प्रशासन ने किसी भी राजनीतिक पार्टी के आने पर पाबंदी लगा दी है। तनावपूर्ण हालात को देखते हुए, जिले में पुलिस बल को संवेदनशील इलाकों में तैनात किया गया है।

जानकारी के अनुसार, संभल जिला प्रसाशन ने अगले 10 दिनों तक किसी भी राजनीतिक पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के आने पर रोक लगा दी है। यह रोक पहले 30 नवंबर तक थी, जिसे अब अगले 10 दिनों तक और बढ़ा दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि अगले 10 दिन के बाद स्थिति को देखते हुए इस संबंध में फैसला लिया जाएगा।

वहीं, समाजवादी पार्टी ने घोषणा की है कि पार्टी का 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 30 नवंबर को संभल जायेगा और पीड़ित लोगों से मिलकर रिपोर्ट समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को देगा। प्रतिनिधिमंडल में कई सांसद और विधायक भी शामिल हैं। सपा से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय के नेतृत्व में 15 सदस्य प्रतिनिधिमंडल संभल का दौरा करेगा।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908